द्विवर्षीय शिक्षाशास्त्री (बी.एड.)

क्रेडिट आधारित पाठ्यक्रम

शैक्षणिक सत्र **2024-2026** से लागू

B.Ed Two Years Credit Based Curriculum

(As per NCTE-2014 Regulation and NEP-2020)

शिक्षापीठ

श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय

(केन्द्रीय विश्वविद्यालय)

कुतुब सांस्थानिक क्षेत्र, नई दिल्ली–११००१६

द्विवर्षीय शिक्षाशास्त्री (बी. एड.) पाठ्यक्रम

प्रोग्राम अधिगम परिणाम (Programme Learning Outcomes)

द्विवर्षीय शिक्षाशास्त्री (बी.एड.) पाठ्यक्रम का मुख्य उद्देश्य उच्च प्राथमिक, माध्यमिक एवं उच्चतर माध्यमिक स्तरीय शिक्षा हेतु संस्कृत अध्यापक तैयार करना है।

इस प्रोग्राम के पूर्णोपरान्त विद्यार्थी:–

– शिक्षा के दार्शनिक एवं सामाजिक परिप्रेक्ष्यों से परिचित हो सकेंगे।

– अधिगमकर्ता मनोविज्ञान की महत्त्वपूर्ण अवधारणाओं को आत्मसात् कर सकेंगे।

– सूचना एवं सम्प्रेषण प्रौद्योगिकी शिक्षण अधिगम प्रक्रिया में अनुप्रयोग कर सकेंगे।

– विद्यालय प्रबन्धन सम्बन्धित क्षमताओं का विकास कर सकेंगे।

– शास्त्र शिक्षण की विधियों के प्रयोग हेतु अपेक्षित स्तर की क्षमता को विकसित कर सकेंगे।

– शिक्षण अधिगम में तकनीकी के प्रयोग की दक्षता विकसित कर सकेंगे।

– शिक्षा में अधिगम आकलन के महत्वपूर्ण सम्प्रत्ययों के प्रयोग की क्षमता को विकसित कर सकेंगे।

– भारतीय ज्ञान परम्परा के शैक्षिक एवं सामाजिक निहिनतार्थ को स्पष्ट कर सकेंगे।

– विद्यालय सम्बन्धी समस्याओं का क्रियात्मक अनुसंधान द्वारा समाधान करने की क्षमता में संवर्द्धन कर सकेंगे।

– संस्कृत शिक्षण के विभिन्न विधाओं की शिक्षण विधियों में पारंगत हो सकेंगे।

– विद्यालय स्तर पर अध्यापित अन्य विषयों यथा अंग्रेजी, सामाजिक अध्ययन, हिन्दी एवं गणित के शिक्षण में दक्षता विकसित कर सकेंगे। ।

– विद्यालय स्तर पर अध्यापित संस्कृत व अन्य विषयों यथा अंग्रेजी, सामाजिक अध्ययन, हिन्दी एवं गणित के शिक्षण का वास्तविक परिस्थितियों में अभ्यास कर सकेंगे।

– पर्यावरण शिक्षा से जुड़े महत्वपूर्ण सम्प्रत्ययों से अवगत हो सकेंगे।

– शिक्षा के सन्दर्भ में मूल्यों को पहचान कर व्यवहारिक रूप में प्रयोग कर सकेंगे।

– कम्प्यूटर से सम्बन्धित महत्वपूर्ण प्रत्ययों को जान कर एम.एस.ऑफिस, इण्टरनेट आदि के शैक्षिक प्रयोग की क्षमता विकसित कर सकेंगे।

– योग एवं स्वास्थ्य शिक्षा का शैक्षिक परिस्थितियों के सन्दर्भ में अवबोध कर सकेंगे। ।

– समसामायिक भारत में शिक्षा की नीतियों एवं समस्याओं के प्रति समीक्षात्मक दृष्टि विकसित कर सकेंगे।

– शिक्षा से जुड़े अन्य महत्त्वपूर्ण विषयों यथा निर्देशन, जेण्ड़र (Gender) मानवाधिकारों आदि से अवगत हो सकेंगे। ।

– समावेशित शिक्षा एवं सुविधा वंचित वर्गों की समस्याओं के सन्दर्भ में समीक्षात्मक दृष्टि विकसित कर सकेंगे।

द्विवर्षीय शिक्षाशास्त्री (बी.एड.) क्रेडिट आधारित पाठ्यक्रम स्वरूप

द्विवर्षीय शिक्षाशास्त्री (बी.एड.) पाठ्यक्रम **2400** अंक एवं **96** क्रेडिटस का है। जिसकी क्रियान्विति चार सेमेस्टरों में होगी। प्रत्येक सेमेस्टर **600** अंक एवं **24** क्रेडिटस का होगा। इस पाठ्यक्रम के अन्तर्गत चार मुख्य घटक यथा सैद्धातिक, प्रायोगिक, विद्यालय सम्बद्धता एवं शैक्षिक गतिविधियाँ है। सैद्धातिक घटक में **15** कोर्सेज एवं प्रायोगिक में **8** कोर्सेज है। इन मुख्य घटकों में कोर्स, उनकी संख्या, अंक क्रेडिटस का निर्धारण निम्नलिखित सारणी में प्रस्तुत किया गया है।

कुल अंक = 2400
कुल क्रेडिटस = 96+8*

द्विवर्षीय शिक्षाशास्त्री (बी.एड.) पाठ्यक्रम के मुख्य घटक एवं कोर्स का स्वरूप

कोर्स घटक		कोर्स के नाम	कोर्स की संख्या	कुल अंक	कुल क्रेडिट	कुल क्रेडिटस एवं अंक
(A) सैद्धान्तिक (Theory)	(i)	संकेन्द्रिक परिप्रेक्ष्य (Core Perspective-CP)	3	300	12	60 (1500 अंक)
	(ii)	संकेन्द्रिक अनिवार्य (Core Compulsory-CC)	8	800	32	
	(iii)	वैकल्पिक (Elective - E)	1	100	04	
	(iv)	वैकल्पिक शिक्षणशास्त्र (Elective Pedagogy- EPgy)	2	200	08	
	(v)	अनिवार्य शिक्षणशास्त्र (Compulsory Pedagogy - CPgy)	1	100	04	
(B) प्रायोगिक–ई.पी.सी. (Practical-E.P.C)		प्रायोगिक कार्य (Practical)	8	400	16	16 (400 अंक)
(C) विद्यालय सम्बद्धता (School Internship)		शिक्षणाभ्यास (Teaching Practice)	-	500	20	20 (500 अंक)
(D) **शैक्षिक गतिविधियाँ** **(Educational Activities)**						

द्विवर्षीय शिक्षाशास्त्री (बी.एड.) पाठ्यक्रम संरचना का प्रारूप

कुल अंक = 2400 कुल क्रेडिट्स = 96+8*

कोर्स कोड (Course Code)	कोर्स का नाम (Name of the Course)	कुल अंक (Marks)	क्रेडिटस (Credits)	कोर्स की संख्या (No. of Course)	कुल क्रेडिटस (Credits)
	प्रथम सेमेस्टर (First Semester)	**600**			24
101 - 102	संकेन्द्रिक परिप्रेक्ष्य (Core Perspective)	**200**	04	02	08
103 - 104	संकेन्द्रिक अनिवार्य (Core Compulsory)	**200**	04	02	08
105	वैकल्पिक शिक्षणशास्त्र (Elective Pedagogy)	**100**	04	01	04
111	प्रायोगिक–ई.पी.सी. (Practicum - E.P.C)	**100**	04	01(i-ii)	04
	द्वितीय सेमेस्टर (Second Semester)	**600**			24
121-123	संकेन्द्रिक अनिवार्य (Core Compulsory)	**300**	04	03	12
124	अनिवार्य शिक्षणशास्त्र (Compulsory Pedagogy-)	**100**	04	01	04
125	वैकल्पिक शिक्षणशास्त्र (Elective Pedagogy)	**100**	04	01	04
131	प्रायोगिक–ई.पी.सी. (Practicum - E.P.C)	**100**	04	01 (i-ii)	04
	तृतीय सेमेस्टर (Third Semester)	**600**			24
141	विद्यालय सम्बद्धता(School Internship) बाह्य (योगात्मक मूल्यांकन) = 300 अंक आंतरिक (संरचनात्मक मूल्यांकन) = 200 अंक	**500**			20
151	प्रायोगिक–ई.पी.सी. (Practicum - E.P.C)	**100**	04	01 (i-ii)	04
	चतुर्थ सेमेस्टर (Fourth Semester)	**600**			24
161 - 163	संकेन्द्रिक अनिवार्य (Core Compulsory)	**300**	04	03	12
164	संकेन्द्रिक परिप्रेक्ष्य (Core Perspective)	**100**	04	01	04
165	वैकल्पिक (Elective)	**100**	04	01 (i-v)	04
171	प्रायोगिक–ई.पी.सी. (Practicum - E.P.C)	**100**	04	01 (i-ii)	04
112, 132, 152, 172	**शैक्षिक गतिविधियाँ** **80 % उपस्थिति अनिवार्य** (Educational Activities)	**200**	02	04	08*

शिक्षाशास्त्री (बी.एड.) प्रथम वर्ष
प्रथम सेमेस्टर पाठ्यक्रम स्वरूप

कुल अंक = 600 | **कुल क्रेडिट्स = 24+2***

कोर्स कोड (Course code)	कोर्स संख्या (course No.)	कोर्स का नाम (Name of the course)	कोर्स श्रेणी (Course Category)	कुल अंक (Total Marks)	कुल क्रेडिट्स (Total Credits)	घण्टे/सप्ताह (Hours/ weeks)	घण्टे/सेमेस्टर (Hours/ Semester)
		Theory (सैद्धान्तिक)		**500**	**20**	**20**	**400**
101	1	शिक्षा का दार्शनिक एवं सामाजिक परिप्रेक्ष्य (Philosophical & Sociological Perspectives of Education)	संकेन्द्रिक परिप्रेक्ष्य (Core Perspective)	100 75 (E)+25 (I)	4	4	80
102	2	अधिगम तथा विकास का मनोविज्ञान (Psychology of Learning & Development)	संकेन्द्रिक परिप्रेक्ष्य (Core Perspective)	100 75 (E)+25 (I)	4	4	80
103 N	3	शिक्षण अधिगम में सूचना सम्प्रेषण प्रौद्योगिकी (Information Communication Technology in Teaching Learning)	संकेन्द्रिक अनिवार्य (Core Compulsory)	100 75 (E)+25 (I)	4	4	80
104	4	विद्यालय प्रबन्धन एवं नेतृत्व (School Management & Leadership)	संकेन्द्रिक अनिवार्य (Core Compulsory)	100 75 (E)+25 (I)	4	4	80
105	5	शास्त्र शिक्षण (कोई एक) Teaching of Shastra(Any One)	वैकल्पिक शिक्षणशास्त्र (Elective Pedagogy)	100 75 (E)+25 (I)	4	4	80
	5-I	ज्योतिष शिक्षण (Teaching of Jyotish)					
	5-II	साहित्य शिक्षण (Teaching of Sahitya)					
	5-III	दर्शन शिक्षण (Teaching of Darshan)					
	5-IV	व्याकरण शिक्षण(Teaching of Vyakaran)					
	5-V	वेद शिक्षण(Teaching of Veda)					
	5-VI	कर्मकाण्ड शिक्षण(Teaching of Karamkand)					
111 N		**प्रायोगिक – ई.पी.सी. (Practicum- EPC)**	प्रायोगिक– ई.पी.सी.	**100**	**04**	**04**	**80**
	(i)	संप्रेषण कौशल (Communication Skills)	50		02		
	(ii)	सूचना एवं सम्प्रेषण प्रौद्योगिकी का अनुप्रयोग (Application of Information & Communication Technology)	50		02		
112		**शैक्षिक गतिविधियाँ (Educational Activities)**	अनिवार्य **Compulsory**	**50**	**2***	**उपस्थिति = 80% (Attendance)**	
	(i)	संस्कृत सम्भाषण (Sanskrit Sambhashan)					
	(ii)	परिसर आधारित स्वच्छता (Institution Based Cleanliness Drive)					
	(iii)	खेल–कूद/ प्राथमिक चिकित्सा (Games/ First Aid)					
	(iv)	सांस्कृतिक कार्यक्रम (Cultural Programme)					
	(v)	सामाजिक गतिविधियाँ (Social Activities)					

शिक्षाशास्त्री (बी.एड.) प्रथम वर्ष
द्वितीय सेमेस्टर पाठ्यक्रम स्वरूप

कुल अंक = 600

कुल क्रेडिट्स = 24+2*

कोर्स कोड (Course code)	कोर्स संख्या (course No.)	कोर्स का नाम (Name of the course)	कोर्स श्रेणी (Course Category)	कुल अंक (Total Marks)	कुल क्रेडिट्स (Total Credits)	घण्टे/सप्ताह (Hours/weeks)	घण्टे/सेमेस्टर (Hours/Semester)
	Theory (सैद्धान्तिक)			**500**	**20**	**20**	**400**
121	6	शिक्षण अधिगम की तकनीकी (Technology of Teaching & Learning)	संकेन्द्रिक अनिवार्य (Core compulsory)	100 75 (E)+25 (I)	4	4	80
122	7	अधिगम आकलन (Learning Assessment)	संकेन्द्रिक अनिवार्य (Core Compulsory)	100 75 (E)+25 (I)	4	4	80
123 N	8	भारतीय ज्ञान परम्परा (Indian Knowledge Tradition)	संकेन्द्रिक अनिवार्य (Core Compulsory)	100 75 (E)+25 (I)	4	4	80
124	9	संस्कृत शिक्षण (Teaching of Sanskrit)	अनिवार्य शिक्षणशास्त्र (Compulsory Pedagogy)	100 75 (E)+25 (I)	4	4	80
125	10	अन्य विद्यालयीय विषय शिक्षण (कोई एक) (Teaching of other School Subjects-Any one)	वैकल्पिक शिक्षणशास्त्र (Elective Pedagogy)				
125- (i)	10- I	अंग्रेजी शिक्षण (Teaching of English)		100 75 (E)+25 (I)	4	4	80
125- (ii)	10- II	हिन्दी शिक्षण (Teaching of Hindi)					
125- (iii)	10- III	सामाजिक अध्ययन शिक्षण(Teaching of Social Studies)					
125- (iv)	10- IV	गणित शिक्षण (Teaching of Mathematics)					
125- (v)	10-V	अर्थशास्त्र शिक्षण (Teaching of Economics)					
131N	**प्रायोगिक – ई.पी.सी. (Practicum- EPC)**		प्रायोगिक (ई.पी.सी.)	**100**	**04**	**04**	**80**
	(i)	क्रियात्मक अनुसंधान (Action Research)		50	02		
	(ii)	विद्यालय सम्बद्धता कार्यक्रम (दो सप्ताह) School Internship Programme (Two weeks)		50	02		
132N	**शैक्षिक गतिविधियाँ (Educational Activities)**		**Compulsory**	**50**	**2***	**= 80% Attendance**	
	(i)	विभागीय पत्रिका (Departmental Magazine)					
	(ii)	विश्वविद्यालय एवं विभाग द्वारा आयोजित कार्यक्रमों में प्रतिभाग (Participation in the programmes organized by the University and Department)					
	(iii)	जेन्डर जागरूकता एवं संवेदीकरण Gender Awareness and Sensitization					
	(iv)	सांस्कृतिक कार्यक्रम (Cultural Programme)					
	(v)	क्रीड़ा एवं खेल–कूद (Sports & Games)					

शिक्षाशास्त्री (बी.एड.) द्वितीय वर्ष
तृतीय सेमेस्टर पाठ्यक्रम स्वरूप

कुल अंक = 600 **कुल क्रेडिट्स = 24+2***

कोर्स कोड (Course code)	कोर्स का नाम (Name of the Course)		कोर्स श्रेणी (Course Category)	कुल अंक (Total Marks)	कुल क्रेडिट्स (Total Credits)	समयावधि (Time Duration)
141	**विद्यालय सम्बद्धता** (School Internship)			**500**	**20**	18 सप्ताह (Weeks)
	बाह्य (योगात्मक मूल्यांकन) = 300 (External- Summative Evaluation) आन्तरिक (संरचनात्मक मूल्यांकन) = 200 (Internal- Formative Evaluation)		शिक्षणाभ्यास (Teaching Practice)	500		
151 N	**प्रायोगिक – ई.पी.सी. (Practicum- EPC)**		प्रायोगिक (ई.पी.सी.सहित)	**100**	**04**	**04** घंटे/सप्ताह
	(i)	शिक्षण शास्त्रीय कौशल एवं अधिगम आकलन (Pedagogical skills & Learning Assessment)		50	02	
	(ii)	क्रियात्मक अनुसंधान प्रतिवेदन एवं विद्यालयीय अभिलेख (Action Research Report & School Records)		50	02	
152 N	**शैक्षिक गतिविधियाँ (Educational Activities)**		**Compulsory**	**50**	**2***	**= 80% Attendance**
	(i)	परिसर आधारित स्वच्छता अभियान (Campus based Cleanliness Drive)				
	(ii)	सहपाठी कक्षा शिक्षण प्रेक्षण (Peer Class Teaching Observation)				
	(iii)	क्रीडा एवं खेल–कूद (Sports and Games)/ स्काउट एवं गाइड (Scout & Guide)				
	(iv)	विद्यालय गतिविधियों में प्रतिभाग (Participation in School Activities)				
	(v)	अभिभावक शिक्षक बैठक (Parent Teacher Meeting)				

शिक्षाशास्त्री (बी.एड.) द्वितीय वर्ष
चतुर्थ सेमेस्टर पाठ्यक्रम स्वरूप

कुल अंक = 600 कुल क्रेडिट्स = 24+2*

कोर्स कोड (Course code)	कोर्स संख्या (course No.)	कोर्स का नाम (Name of the course)	कोर्स श्रेणी (Course Category)	कुल अंक (Total Marks)	कुल क्रेडिट्स (Total Credits)	घण्टे/सप्ताह (Hours/ weeks)	घण्टे/सेमेस्टर (Hours/ Semester)
	Theory (सैद्धान्तिक)			500	20	20	400
161 N	11	पर्यावरण शिक्षा एवं सुस्थिर विकास (Environmental Education and Sustainable Development)	सकेन्द्रिक अनिवार्य (Core Compulsory)	100 75 (E)+25 (I)	4	4	80
162 N	12	जीवन कौशल शिक्षा (Life Skills Education)	संकेन्द्रिक अनिवार्य (Core Compulsory)	100 75 (E)+25 (I)	4	4	80
163	13	योग,स्वास्थ्य एवं शारीरिक शिक्षा (Yoga, Health & Physical Education)	सकेन्द्रिक अनिवार्य (Core Compulsory)	100 75 (E)+25 (I)	4	4	80
164	14	समसामयिक भारत एवं शिक्षा (Contemporary India and Education)	सकेन्द्रिक परिप्रेक्ष्य (Core Perspective)	100 75 (E)+25 (I)	4	4	80
165	15	निम्नलिखित में से कोई एक (Any one of the following)	वैकल्पिक (Elective)	100 75 (E)+25 (I)	4	4	80
165- (i)	15- I	समावेशी शिक्षा (Inclusive Education)					
165- (ii)	15- II	निर्देशन एवं उपबोधन (Guidance & Counselling)					
165- (iii)	15- III	जेन्डर, विद्यालय एवं समाज (Gender, School & Society)					
165- (iv)	15- IV	कला शिक्षा (Art Education)					
165- (v)	15- V	मानवाधिकार शिक्षा (Human Rights Education)					
171	प्रायोगिक – ई.पी.सी. (Practicum- EPC)		प्रायोगिक ई.पी.सी.	100	04	04	80
	(i)	मननात्मक पठन (Reflective Reading)		50	02		
	(ii)	आत्म अवबोध एवं व्यक्तित्व विकास (Understanding of Self and Personality Development)		50	02		
172N	शैक्षिक गतिविधियाँ (Educational Activities)		Compulsory	50	2*	= 80% Attendance	
	(i)	स्लोगन लेखन प्रतियोगिता (Slogan Writing Competition)					
	(ii)	नुक्कड़ नाटक (Street Play)					
	(iii)	शैक्षिक एवं सांस्कृतिक महत्व के किन्हीं दो स्थानीय स्थलों का स्वयंकृत भ्रमण आधारित प्रतिवेदन (Report based on individual tour of any two Educationally & Culturally important local places)					
	(iv)	क्रीडा एवं खेल–कूद (Sports and Games)					
	(v)	सांस्कृतिक कार्यक्रम (Cultural Programme)					

द्विवर्षीय शिक्षाशास्त्री (बी. एड.) पाठ्यक्रम क्रियान्वयन विधियाँ

द्विवर्षीय शिक्षाशास्त्री (बी. एड.) पाठ्यक्रम के प्रभावी क्रियान्वयन हेतु व्याख्यान विधि का प्रयोग किया जायेगा विशेषकर **अन्तर्क्रियात्मक व्याख्यान विधि (Interactive Lecture Method)** । इसके साथ-साथ जिन अन्य क्रियान्वयन विधियों का प्रयोग पाठ्यक्रम की क्रियान्विति हेतु किया जायेगा, उनका उल्लेख निम्नलिखित है-

परिचर्चा (Discussion)- इस पाठ्यक्रम के क्रियान्वयन में परिचर्चा विधि का प्रयोग दो प्रकार से किया जायेगा- युग्म परिचर्चा एवं समूह परिचर्चा। युग्म परिचर्चा के अन्तर्गत छात्रों के युग्म (जोड़े) बनाकर तथा समूह परिचर्चा में कक्षा को छोटे समूहों में बाँटकर शिक्षक द्वारा दिये गये विषय पर चर्चा करवाकर सम्पन्न किया जायेगा। इससे छात्रों में विषय का संश्लेषण, विश्लेषण एवं मूल्यांकन करने से सम्बन्धित दक्षताओं का विकास होगा।

दत्त कार्य (Assignment)- इस विधि का प्रयोग छात्रों की लिखित अभिव्यक्ति मुख्य रूप से विषय का अवबोध, विश्लेषण, संश्लेषण, मूल्यांकन तथा समीक्षा से सम्बन्धित क्षमताओं के विकास करने हेतु किया जायेगा।

प्रश्नोत्तरी (Quiz) - इस विधि का प्रयोग इकाई समापन एवं कक्षा शिक्षण के समय किया जायेगा। इसमें कक्षा छात्रों के विभिन्न समूहों के समक्ष शिक्षण विषय की इकाईयों से सम्बन्धित वस्तुनिष्ठ प्रश्न अध्यापक द्वारा प्रस्तुत करके प्रश्नोत्तरी के रूप में किया जायेगा।

विचारावेश (Brainstorming) - इस रचना कौशल का प्रयोग छात्रों में समस्या के सृजनात्मक समाधान हेतु किया जाता है। अत: कक्षा स्तर पर पाठ्यक्रम में निर्धारित विभिन्न विषयों से सम्बन्धित समस्याओं का समाधान ढूँढने हेतु इसका प्रयोग किया जायेगा।

इकाई परीक्षण (Unit Test)- पाठ्यक्रम मे निर्धारित विभिन्न विषयों से सम्बन्धित इकाईयों के समापन के पश्चात वस्तुनिष्ठ एवं लघुत्तरीय प्रश्नों पर आधारित मौखिक या लिखित परीक्षण छात्र के अवबोध परीक्षण हेतु किया जायेगा।

परियोजना विधि (Project Method)- इस विधि द्वारा पाठ्यक्रम में निर्धारित विभिन्न विषयों से सम्बन्धित समस्याओं के समाधान पर आधारित परियोजना निर्माण की जायेंगी।

प्रायोगिक - ई.पी.सी. के क्रियान्वयन की विधियाँ

1. सम्बन्धित कुशलताओं/ कौशलों को संवर्द्धित करने वाली क्रियाओं का प्रयोग किया जाएगा।
2. सहयोगात्मक एवं रचना युक्तियों का प्रयोग करके विद्यार्थियों की दक्षताओं/कौशलों का संवर्द्धन किया जाएगा।

सैद्धान्तिक पत्रों हेतु प्रश्नपत्र का स्वरूप

(Structure of the Question Paper for Theory Papers)

कुल अंक = **100**

(Total Marks)

75 अंक = बाह्य (लिखित परीक्षा)

75 Marks =External (Written Examination)

25 अंक = आन्तरिक (सत्रीय कार्य)

25 Marks= Internal (Sessional Work)

लिखित परीक्षा हेतु प्रश्नपत्र स्वरूपः

प्रश्न का स्वरूप **(Form of the Question)**	प्रश्न प्रकार **(Type of Question)**	प्रश्नों की संख्या **(No. of Questions)**	अंक / प्रश्न **(Marks/Question)**	कुल अंक **(Total Marks)**
(क) अनिवार्य (Compulsory)	लघु–उत्तरीय (Short Answer)	5 (प्रत्येक इकाई से एक प्रश्न) (One Question from each unit)	2 अंक / प्रश्न	5 (प्रश्न) X 2 (अंक) = **10**
		5 (प्रत्येक इकाई से एक प्रश्न) (One Question from each unit)	3 अंक / प्रश्न	5 (प्रश्न) X 3 (अंक) = **15**
(ख) आन्तरिक विकल्प (Internal Choice)	दीर्घ उत्तरीय (Long Answer)	5 (प्रत्येक इकाई से दो प्रश्न) (Two Questions from each unit)	10 अंक / प्रश्न	5 (प्रश्न) x 10 (अंक) = **50**
			कुल अंक (Total Marks)	**75 अंक**

ग्रेड प्रणाली मूल्यांकन स्वरूप

अंक प्रसार (Scores Range)	ग्रेड प्वाइन्ट (Grade Point)	ग्रेड (Grade)	विवरण (Letter Description)
95-100	10	O	Outstanding
85-94	9	A+	Excellent
75-84	8	A	Very Good
65-74	7	B+	Good
55-64	6	B	Above Average
45-54	5	C	Average
40-44	4	P	Pass
Below 40	0	F	Fail
-	0	Ab	Absent

SGPA - Semester Grade Point Average का गणना सूत्र

SGPA (Si) = $\Sigma(C_i \times G_i) / \Sigma C_i$

Where Ci is the number of credits of the ith course and Gi is the grade point scored by the student in the ith course.

CGPA = $\Sigma(C_i \times S_i) / \Sigma C_i$

Where Si is the SGPA of the ith semester and Ci is the total number of credits in that semester.

श्रेणी निर्धारण

CGPA	श्रेणी (Division)
8.5 & above	First division with distinction
6.5 & above but below 8.5	First division
5.0 & above but below 6.5	Second division
4.0 & above but below 5.0	Third division

CGPA को सम्बन्धित अंक प्रतिशत में परिवर्तित करने का सूत्रः-

CGPA × 10 = अंक प्रतिशत

शिक्षाशास्त्री (बी.एड.) पाठ्यक्रम

प्रथम सेमेस्टर

शिक्षाशास्त्री (बी.एड.) प्रथम वर्ष
प्रथम सेमेस्टर पाठ्यक्रम स्वरूप

कुल अंक = 600 | कुल क्रेडिट्स = 24+2*

<table>
<tr><th>कोर्स कोड (Course code)</th><th>कोर्स संख्या (course No.)</th><th colspan="2">कोर्स का नाम (Name of the course)</th><th>कोर्स श्रेणी (Course Category)</th><th>कुल अंक (Total Marks)</th><th>कुल क्रेडिट्स (Total Credits)</th><th>घण्टे/सप्ताह (Hours/ weeks)</th><th>घण्टे/सेमेस्टर (Hours/ Semester)</th></tr>
<tr><td></td><td colspan="3">Theory (सैद्धान्तिक)</td><td></td><td>500</td><td>20</td><td>20</td><td>400</td></tr>
<tr><td>101</td><td>1</td><td colspan="2">शिक्षा का दार्शनिक एवं सामाजिक परिप्रेक्ष्य (Philosophical & Sociological Perspectives of Education)</td><td>संकेन्द्रिक परिप्रेक्ष्य (Core Perspective)</td><td>100
75 (E)+25 (I)</td><td>4</td><td>4</td><td>80</td></tr>
<tr><td>102</td><td>2</td><td colspan="2">अधिगम तथा विकास का मनोविज्ञान (Psychology of Learning & Development)</td><td>संकेन्द्रिक परिप्रेक्ष्य (Core Perspective)</td><td>100
75 (E)+25 (I)</td><td>4</td><td>4</td><td>80</td></tr>
<tr><td>103 N</td><td>3</td><td colspan="2">शिक्षण अधिगम में सूचना सम्प्रेषण प्रौद्योगिकी (Information Communication Technology in Teaching Learning)</td><td>संकेन्द्रिक अनिवार्य (Core Compulsory)</td><td>100
75 (E)+25 (I)</td><td>4</td><td>4</td><td>80</td></tr>
<tr><td>104</td><td>4</td><td colspan="2">विद्यालय प्रबन्धन एवं नेतृत्व (School Management & Leadership)</td><td>संकेन्द्रिक अनिवार्य (Core Compulsory)</td><td>100
75 (E)+25 (I)</td><td>4</td><td>4</td><td>80</td></tr>
<tr><td rowspan="7">105</td><td>5</td><td colspan="2">शास्त्र शिक्षण (कोई एक) Teaching of Shastra(Any One)</td><td rowspan="7">वैकल्पिक शिक्षणशास्त्र (Elective Pedagogy)</td><td rowspan="7">100
75 (E)+25 (I)</td><td rowspan="7">4</td><td rowspan="7">4</td><td rowspan="7">80</td></tr>
<tr><td>5-I</td><td colspan="2">ज्योतिष शिक्षण (Teaching of Jyotish)</td></tr>
<tr><td>5-II</td><td colspan="2">साहित्य शिक्षण (Teaching of Sahitya)</td></tr>
<tr><td>5-III</td><td colspan="2">दर्शन शिक्षण (Teaching of Darshan)</td></tr>
<tr><td>5-IV</td><td colspan="2">व्याकरण शिक्षण(Teaching of Vyakaran)</td></tr>
<tr><td>5-V</td><td colspan="2">वेद शिक्षण(Teaching of Veda)</td></tr>
<tr><td>5-VI</td><td colspan="2">कर्मकाण्ड शिक्षण(Teaching of Karamkand)</td></tr>
<tr><td rowspan="3">111 N</td><td colspan="3">प्रायोगिक – ई.पी.सी. (Practicum- EPC)</td><td>प्रायोगिक– ई.पी.सी.</td><td>100</td><td>04</td><td>04</td><td>80</td></tr>
<tr><td>(i)</td><td colspan="2">संप्रेषण कौशल (Communication Skills)</td><td>50</td><td></td><td>02</td><td></td><td></td></tr>
<tr><td>(ii)</td><td colspan="2">सूचना एवं सम्प्रेषण प्रौद्योगिकी का अनुप्रयोग (Application of Information & Communication Technology)</td><td>50</td><td></td><td>02</td><td></td><td></td></tr>
<tr><td rowspan="6">112</td><td colspan="3">शैक्षिक गतिविधियाँ (Educational Activities)</td><td>अनिवार्य Compulsory</td><td>50</td><td>2*</td><td colspan="2">उपस्थिति = 80% (Attendance)</td></tr>
<tr><td>(i)</td><td colspan="2">संस्कृत सम्भाषण (Sanskrit Sambhashan)</td><td rowspan="5"></td><td rowspan="5"></td><td rowspan="5"></td><td rowspan="5"></td><td rowspan="5"></td></tr>
<tr><td>(ii)</td><td colspan="2">परिसर आधारित स्वच्छता (Institution Based Cleanliness Drive)</td></tr>
<tr><td>(iii)</td><td colspan="2">खेल–कूद/ प्राथमिक चिकित्सा (Games/ First Aid)</td></tr>
<tr><td>(iv)</td><td colspan="2">सांस्कृतिक कार्यक्रम (Cultural Programme)</td></tr>
<tr><td>(v)</td><td colspan="2">सामाजिक गतिविधियाँ (Social Activities)</td></tr>
</table>

1. शिक्षा का दार्शनिक एवं सामाजिक परिप्रेक्ष्य

(Philosophical and Sociological Perspectives of Education)

कोर्स कोड = 101 कुल क्रेडिटस = 04

क्रियान्वयन घण्टे = 04 घण्टे/सप्ताह कुल अंक = 100

कोर्स अधिगम परिणाम (Course Learning Outcomes)

इस कोर्स के अध्ययनोपरान्त विद्यार्थी:—

— शिक्षा की अवधारणा का परिचय प्राप्त कर सकेंगे।
— प्रमुख दार्शनिक विचारधाराओं का शिक्षा पर प्रभाव का अवबोध कर सकेंगे।
— भारतीय तथा पाश्चात्य सामाजिक चिन्तकों के विचारों को जान सकेंगे।
— शिक्षा और समाज के अन्तर्सम्बन्ध की अन्त:दृष्टि विकसित कर सकेगें।
— सामाजिक चिन्तकों के विचारों से परिचित हो सकेगें।
— मूल्य शिक्षा की अवधारणा एवं संवैधानिक मूल्यों से अवगत हो सकेंगे।
— पाठ्यक्रम एवं पाठ्यचर्या विकास की प्रक्रियाओं को समझ सकेंगें

पाठ्य—वस्तु (Content) 75 अंक

इकाई — १ : शिक्षा की अवधारणा— शिक्षा का अर्थ, उद्देश्य एवं प्रकृति, शिक्षा एवं ज्ञान, शिक्षा एवं विद्या (परा—अपरा)। शिक्षा के प्रकार— औपचारिक, अनौपचारिक, निरौपचारिक (अर्थ, अवधारणा, उद्देश्य, प्रकृति, अभिकरण के सन्दर्भो में)।

इकाई — २ : शिक्षा और दर्शन— दर्शन की अवधारणा (अर्थ एवं उद्देश्य, प्रकृति) तत्त्वमीमांसा, ज्ञानमीमांसा एवं मूल्यमीमांसा (सांख्ययोग, न्याय, वैशेषिक के शैक्षिकनिहितार्थ)। दर्शन एवं शिक्षा में सम्बन्ध। भारतीय चिन्तक— स्वामी विवेकानन्द, महात्मा गाँधी। पाश्चात्य चिन्तक- फ्रोबेल और ड्यूवी (शिक्षा, उद्देश्य, विधियाँ एवं संस्थाएँ)।

इकाई —३ : शिक्षा और समाज— भारतीय समाज की अवधारणा (अर्थ एवं उद्देश्य, प्रकृति), शिक्षा एवं समाज में सम्बन्ध। व्यक्ति (बालक/अधिगमकर्ता) के सामाजिक विकास में शिक्षा की भूमिका। सामाजिक परिवर्तन एवं शिक्षा, संस्कृति एवं शिक्षा। सामाजिक चिन्तक— सावित्री बाई फुले, पं. मदन मोहन मालवीय।

इकाई —४ : मूल्य शिक्षा— मूल्य शिक्षा की अवधारणा, मूल्य विकास में शिक्षा की भूमिका, भारतीय संविधान में निहित मूल्य एवं कर्तव्य तथा नैतिकता।

इकाई —५ : पाठ्यचर्या विकास— पाठ्यचर्या विकास का अर्थ, पाठ्यचर्या एवं पाठ्यक्रम में अन्तर । पाठ्यचर्या विकास —NCF-2005 तथा राष्ट्रीय शिक्षा नीति २०२०के सन्दर्भ में।

सत्रीय कार्य — 25 अंक

१. वर्तमान शिक्षा प्रणाली एवं मूल्य विकास पर संवाद
२. समसामयिक भारत में शिक्षा पर संगोष्ठी
३. बालिका शिक्षा, जीवन पर्यन्त शिक्षा, अनुसूचित जन जाति शिक्षा की भूमिका पर आधारित संगोष्ठी।
४. संस्कृत सुभाषितों में शैक्षिक चिन्तन।

अध्येय ग्रन्थ–

ओड, एल.के (१९९०) शिक्षा के दार्शनिक एवं समाजशास्त्री भूमिका, मैकमिलन, नई दिल्ली।
पाण्डेय आर.एस.(१९८८) शिक्षा दर्शन, विनोद पुस्तक मंदिर, आगरा (उ.प्र.)।
रस्क आर.एस. (१९९०) शिक्षा के दार्शनिक आधार–राजस्थान हिन्दी ग्रन्थ अकादमी, जयपुर।
डागर,बी.एस. (१९८८) मूल्य शिक्षा, हरियाणा हिन्दी ग्रन्थ अकादमी, चंडीगढ।
ब्रूबेकर जे.एस. (१९६९) मार्डन फिलॉसफीज ऑफ एजुकेशन, मैक ग्रा हिल पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली।
हार्न.एच.एस. (१९८०) डेमोक्रेटिक फिलॉसफी ऑफ एजूकेशन,मैकमिलन न्यूयार्क।
रेमण्ट (१९८२) प्रिन्सपल्स ऑफ एजूकेशन लांगमैन ग्रीन, लंदन।
नेल्सन वी.एच. (१९७०) मार्डन फिलॉसफीज एण्ड एजुकेशन, सेन्ट्रल बुक डिपो, इलाहाबाद (उ.प्र.)
पाठक, आर.पी. एवं भारद्वाज अमिता पाण्डेय (२०१३) भारतीय समाज में शिक्षा का उदीयमान परिदृश्य, कनिष्का प्रकाशन, नई दिल्ली।
पाण्डेय के.पी. (२००५) शिक्षा के दार्शनिक एवं सामाजिक आधार, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी (उ.प्र.)।
मिश्र, डा. मण्डन सर्वदर्शन समन्वयः, विद्यापीठ प्रकाशन, नई दिल्ली ।
राष्ट्रीय पाठ्यचर्या रूपरेखा (२००५)–एन.सी.ई.आर.टी. नई दिल्ली ।
पाल, राजेन्द्र– पाठ्यचर्या शिप्रा प्रकाशन, नई दिल्ली।
अध्यापक शिक्षा –एन.सी.एफ.(२००९)– एन.सी.टी.ई. नई दिल्ली।
सिकरवारः, डा. प्रेमसिंह, (२०१६) शिक्षायाः दार्शनिकसामाजिकाधाराः, एम.बी.पब्लिशर्स, जयपुरम्।
सिकरवारः, डा. प्रेमसिंह, (२०१६) वैश्विकचिन्तकाः, एम.बी.पब्लिशर्स, जयपुरम्।
पाठक, रमेश प्रसाद(२०१९) प्राचीन भारतीय समाज साहित्य और शिक्षा, ज्ञान भारती प्रकाशन, शक्ति नगर, नई दिल्ली।
पाठक, रमेश प्रसाद एवं शर्मा, सारिका(२०१८) भारतीय शिक्षा के प्रवर्तक, कनिष्का प्रकाशन, दरियागंज नई दिल्ली।
पाठक, रमेश प्रसाद(२०२०) मूल्य शिक्षा, कनिष्का प्रकाशन दरियागंज, नई दिल्ली।
सिकरवार, प्रेमसिंह, मलिक, पिंकी (२०२१) मूल्य शिक्षा एवं व्यावसायिक आचार, सरस्वती पब्लिकेशन, जयपुर।

ई सामग्री

स्वयंप्रभा, स्वयं, वेब लिंक, यूट्यूब, ई.पी.जी. पाठशाला, मूक्स इत्यादि।

2. अधिगम तथा विकास का मनोविज्ञान

(Psychology of Learning and Development)

कोर्स कोड = 102 कुल क्रेडिटस = 04

क्रियान्वयन घण्टे = 04 घण्टे/सप्ताह कुल अंक= 100

कोर्स अधिगम परिणाम (Course Learning Outcomes)

इस कोर्स के अध्ययनोपरान्त विद्यार्थीः–

– शिक्षा मनोविज्ञान की प्रकृति, क्षेत्र एवं महत्त्व से परिचय हो सकेंगे।
– बाल्यवस्था एवं किशोरावस्था के विशेष सन्दर्भ में विकास की विभिन्न अवस्थाओं का बोध कर सकेंगे।
– अधिगम सिद्धान्तों के सन्दर्भ से परिचित होकर अभिप्रेरणा के साथ सम्बन्ध का बोध कर सकेंगे।
– बुद्धि सिद्धान्त एवं बुद्धि मापन से अवगत होकर विशिष्ट बालकों की मनोसामाजिक विशेषताओं का विश्लेषण कर सकेंगे।
– व्यक्तित्व की प्रकृति, विकास और मानसिक स्वास्थ्य अनुरक्षण के उपायों पर आधारित परिप्रेक्ष्य का विकास कर सकेंगे।

75 अंक

पाठ्य–वस्तु (Content)

इकाई – १ : शिक्षा मनोविज्ञान– अवधारणा (भारतीय एवं आधुनिक सन्दर्भ में) उद्देश्य, क्षेत्र एवं महत्त्व । मनोवैज्ञानिक विधियाँ – अन्तःदर्शन, निरीक्षण, प्रयोगात्मक विधि, समाजमिति, व्यक्तिवृत्त अध्ययन।

इकाई – २ : समग्र विकास– अवधारणा, विकास के सिद्धान्त, अवस्थाएँ, बाल्यावस्था तथा किशोरावस्था में शारीरिक, मानसिक, संवेगात्मक, सामाजिक, आध्यात्मिक, नैतिक विकास (पियाजे के सम्बन्ध में) तथा उनका शैक्षिक निहितार्थ।

इकाई – ३ : अधिगम एवं अभिप्रेरणा– अधिगम की अवधारणा, विशेषताएँ, प्रभावित करने वाले कारक, प्रकार (गैने के अनुसार) अधिगम के सिद्धान्त–व्यवहारवाद–थॉर्नडाइक, संज्ञानवाद–पियाजे, गेस्टालवाद कोहलर, रचनावाद– लेव वायगोत्सकी, रचनावादी परिप्रेक्ष्य में अधिगम प्रक्रिया, विद्यार्थी एवं अध्यापक की भूमिका।
अभिप्रेरणा: अवधारणा, प्रकार, मैसलो का पदानुक्रमित सिद्धान्त तथा छात्रों को अभिप्रेरित करने की प्रविधियाँ।

इकाई – ४ : बुद्धि एवं विशिष्ट बालक– बुद्धिः– अवधारणा, प्रकार, सिद्धान्त (स्पीयरमैन का द्विकारक तथा गार्डनर का बहुबुद्धि सिद्धान्त), भावात्मक बुद्धि, आध्यात्मिक बुद्धि, बुद्धि मापन–शब्दिक, अशब्दिक एवं निष्पादन परीक्षण (व्यक्तिगत एवं सामूहिक) ।

विशिष्ट बालक – अवधारणा, व्यक्तिगत विभिन्नता, प्रकार–प्रतिभाशाली, सर्जनात्मक, अधिगम अक्षम बालक (अभिप्राय, पहचान एवं निर्देशन)। सुविधावंचित विद्यार्थी–उनकी मनोसामाजिक विशेषताओं का विश्लेषण।

इकाई – ५ : व्यक्तित्व एवं मानसिक स्वास्थ्य– व्यक्तित्व की भारतीय (पंचकोश एवं त्रिगुण) एवं पाश्चात्य अवधारणा, प्रकार, निर्धारक तत्व, व्यक्तित्व का मापन (आत्मनिष्ठ, वस्तुनिष्ठ तथा प्रक्षेपी विधियाँ)

मानसिक स्वास्थ्य : अभिप्राय, उद्देश्य, अच्छे मानसिक स्वास्थ्य की विशेषताएं एवं प्रभावित करने वाले कारक। मानसिक स्वास्थ्य अनुरक्षण के उपाय। सुस्थिर जीवनशैली के कार्यक्रम।

सत्रीय कार्य— **25 अंक**

निम्नलिखित में से दो।

१. मनोवैज्ञानिक परीक्षण--बुद्धि, व्यक्तित्व (अनिवार्य)

२. नैतिक विकास की विभिन्न अवस्थाओं पर आधारित प्रस्तुतीकरण।

३. किसी एक विशिष्ट बालक का व्यक्ति अध्ययन पर आधारित प्रस्तुतीकरण।

४. अधिगम के नियमों की शैक्षिक व्यावहारिक उपयोगिता पर आधारित प्रस्तुतिकरण।

अध्येय ग्रन्थ—

गुप्ता, एस.पी. (२०१०) शिक्षा मनोविज्ञान शारदा पुस्तक भवन, इलाहाबाद।

मंगल, एस.के. (२००६) शिक्षा मनोविज्ञान, प्रेन्टिस हाल ऑफ इंडिया प्रा. लि. नई दिल्ली।

पाण्डेय, के.पी. (२००५) नवीन शिक्षा मनोविज्ञान, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी।

पाण्डेय, आर.एस. (१९९५) शिक्षा मनोविज्ञान, विनोद पुस्तक मन्दिर, आगरा।

चौबे, एस.पी. (१९६५) शिक्षा मनोविज्ञान, लक्ष्मी नारायन अग्रवाल एंड सन्स, आगरा।

जायसवाल, सीताराम (१९९३), भारतीय मनोविज्ञान एवं शिक्षा, आर्य बुक डिपो, दिल्ली।

हरलॉक, ई.बी., विकासात्मक मनोविज्ञान।

सारस्वत, मालती (१९८६) शिक्षा मनोविज्ञान की रूपरेखा, आलोक प्रकाशन, इलाहाबाद।

माथुर, एस.एस. (१९८५) शिक्षा मनोविज्ञान, विनोद पुस्तक मन्दिर, आगरा।

पाठक, आर.पी. (२००७) शिक्षा मनोविज्ञान—एक परिचय, राधा प्रकाशन, नई दिल्ली।

पाठक, आर.पी. (२००९) भारतीय मनोविज्ञान, राधा प्रकाशन, नई दिल्ली।

पाण्डेय,के.पी.,(२०१३) (चतुर्थ संस्करणम्),नवीन शिक्षा मनोविज्ञानम्, विश्वविद्यालय प्रकाशन वाराणसी (उ.प्र.)

रेड्डी, पी. नागमुनि (प्रथम संस्करणम्) शिक्षा मनोविज्ञानम्, राष्ट्रीय संस्कृत विद्यापीठम्, तिरूपतिः, आन्ध्रप्रदेशः

सिहंः फतेह (२००५) शिक्षा मनोविज्ञानम् प्रथम संस्करणम्, आदित्य प्रकाशनम्, जयपुरम्

पद्ममित्रश्रीनिवासः (२०१२), शिक्षायाः मनोवैज्ञानिकाधाराः, जगदीश संस्कृत पुस्तकालय जयपुरम्।

मिश्रः लोकमान्यः (२०११) आधुनिक शिक्षा मनोविज्ञानम्, प्रथमसंस्करणम् मृगाक्षी प्रकाशनम्, लखनऊ

पाठक आर.पी. (२०११) शिक्षा मनोविज्ञान, पियर्सन एजुकेशन, नालेज पार्क—नोएडा (उ.प्र.)।

पाठक आर.पी.एवं भारद्वाज, अमिता पाण्डेय (२०१३) शिक्षा मनोविज्ञान के मूल तत्व, कनिष्का प्रकाशन, नई दिल्ली

सिंह, अरूण कुमार (१९९५) शिक्षा मनोविज्ञान, भारती भवन आगरा।

भटनागर, सुरेश (२००५) शिक्षा मनोविज्ञान, आर.लाल बुक डिपो, मेरठ

लाल, रमन बिहारी एवं जोशी (२००७) शिक्षा मनोविज्ञान एवं प्रारंभिक सांख्यिकी

लाल, रमन बिहारी, (२०१०) शिक्षण एवं अधिगम का मनोविज्ञान, आर.लाल बुक डिपो, मेरठ (उ.प्र.)

शर्मा, आर.ए. (२००५) शिक्षण अधिगम में नवीन प्रवर्तन, आर.लाल बुक डिपो, मेरठ (उ.प्र.)

लाल, रमन बिहारी, (२०१०) अधिगमकर्त्ता अधिगम एवं संज्ञान, आर.लाल बुक डिपो, मेरठ (उ.प्र.)

तिवारी, गोविन्द, शैक्षिक एवं मनोवैज्ञानिक अनुसंधान के मूलाधार, विनोद पुस्तक मंदिर, आगरा, (उ.प्र.)

पाठक, आर. पी.(२०१९) शिक्षा का मनोवैज्ञानिक परिप्रेक्ष्य, अटलांटिक प्रकाशन,नई दिल्ली।

Chauhan S.S.(1998), Advanced Educational Psychology(7th Edtion), Vikas Publishing House, N.Delhi.

Woolfolk, Anita Misra, Jha(2012) Funamental of Education Psychology Xth Ed., Pearson India, Delhi.

ई सामग्री

वेब लिंक— स्वयंप्रभा, स्वयं, यूट्यूब, ई.पी.जी. पाठशाला, मूक्स इत्यादि।

3 शिक्षण अधिगम में सूचना सम्प्रेषण प्रोद्यौगिकी

(Information Communication Technology in Teaching Learning)

कोर्स कोड = 103 N
क्रियान्वयन घण्टे = 04 घण्टे/सप्ताह

कुल क्रेडिटस = 04
कुल अंक = 100

कोर्स अधिगम परिणाम (Course Learning Outcomes)

इस कोर्स के अध्ययनोपरान्त विद्यार्थी:–

- सूचना एवं सम्प्रेषण तकनीकी एवं सम्प्रेषण के सम्प्रत्ययों का अवबोध कर सकेंगे।
- तकनीकी आधारित अधिगम एवं विभिन्न अधिगम प्रबन्धन प्रणालियों के सम्प्रत्यय को समझ सकेंगे।
- ई-संसाधन एवं ऑनलाईन आकलन परीक्षण का निर्माण एवं अनुप्रयोग कर सकेंगे।
- ई-कोर्स अभिकल्पन एवं निर्माण प्रक्रिया में अर्न्तदृष्टि प्राप्त कर सकेंगे।
- एम.एस. ऑफिस आधारित शैक्षिक कार्य हेतु कुशलताओं को संवर्द्धन कर सकेंगे।

पाठ्य–वस्तु (Content)

75 अंक

इकाई–1 : सूचना एवं सम्प्रेषण तकनीकी एवं उपकरण - अभिप्राय, प्रकार (परम्परागत एवं आधुनिक), शैक्षिक उपयोगिता। सम्प्रेषण- अभिप्राय, प्रक्रिया, विभिन्न माध्यम, प्रकार, बाधकतत्त्व। टेलिकॉन्फ्रेंसिग-अभिप्राय, प्रकार (ऑडियो, वीडियो एवं कम्प्यूटर), लाभ। कृत्रिमबुद्धिमत्ता -अवधारणा, महत्त्व एवं उपयोग।
आई.सी.टी.उपकरण- Slido(स्लाइडो) Meutimeter (मेन्टीमीटर) (स्लाइडो) एवं Padlet (पैडलेट) अभिप्राय, विशेषताएँ, प्रयोग, सीमाएँ एवं लाभ।

इकाई–2 : तकनीकी आधारित अधिगम एवं प्रबन्धन - अवधारणा, विशेषताएँ, शैक्षिक उपयोगिता एवं प्रकार-फ्लिप्ड अधिगम(Flipped Learning), ब्लेंडेड अधिगम(Blended Learning), ऑनलाइन अधिगम, मोबाइल अधिगम, डिजिटल और वेब अधिगम। स्मार्ट कक्षा-अभिप्राय विशेषताएँ, एवं अनुप्रयोग। शैली-समकालिक (Synchronus), असमकालिक (Asynchronus),अधिगम प्रबन्धन प्रणाली(LMS)-अवधारणा एवं प्रकार। गूगल क्लासरूम (Google Classroom) निर्माण एवं अनुप्रयोग ।

इकाई–3 : ई-संसाधन - अवधारणा, विशेषताएँ, प्रकार यथा- इमेज, टेक्स्ट, ऑडियो एवं वीडियो संसाधन, उनकी विशेषताएँ, महत्त्व, निर्माण, डिजिटल उपकरण एवं उपयोगिता। मुक्त शैक्षिक संसाधन (Open Educational Resources)-अवधारणा, स्रोत एवं प्रयोग तथा सी.सी. लाईसेन्सिग(Creative Commons Licensing)- अवधारणा, प्रकार एवं प्रयोग।

इकाई-4 : **ई-कोर्स एवं ई-आकलन उपकरण**-

ई-कोर्स- अवधारणा, चतुर्थांश उपागम अभिकल्पन (ई-ट्यूटोरियल, ई-पाठ्यवस्तु, परिचर्चा मंच एवं आकलन), निर्माण सोपान, आनलाइन मंच विशेषत: स्वयं (SWAYAM) के सन्दर्भ में।

ई-आकलन उपकरण- ऑनलाइन आकलन सॉफ्टवेयर- विशेषताएँ, महत्त्व एवं प्रयोग विशेषत:- गूगल फार्म (Google Form), क्विजिज (Quizizz) एवं काहूत (Kahoot) - अभिप्राय, परीक्षण निर्माण एवं शैक्षिक प्रयोग।

इकाई-5 : एम.एस.ऑफिस एवं इंटरनेट-एम.एस.ऑफिस- **एम.एस.वर्ड**-अभिप्राय, विशेषताएँ, डाक्यूमेंट निर्माण एवं शैक्षिक उपयोग। **एम.एस.पावर पाइन्ट**- अभिप्राय, विशेषताएँ, स्लाइड- निर्माण अभिकल्पन, प्रस्तुतीकरण एवं शैक्षिक उपयोग। एम.एस. एक्सेल- अभिप्राय, विशेषताएँ, शीट निर्माण एवं शैक्षिक उपयोग। इंटरनेट, ई-मेल तथा ड्राइव- अभिप्राय, विशेषताएँ, कार्यविधि तथा शैक्षिक उपयोगिता।

सत्रीय कार्य-निम्नलिखित में से कोई दो- 25 अंक

1. कोई दो प्रकार के ई-संसाधन निर्माण।
2. कोई एक ऑनलाइन आकलन उपकरण द्वारा संरचान्तमक परीक्षण निर्माण (05 वस्तुनिष्ठ प्रश्न)।
3. एम.एस.वर्ड द्वारा प्रमाण पत्र निर्माण।
4. पावर पाइन्ट निर्माण(05 स्लाइड)
5. एम.एस एक्सेल द्वारा अंक पत्र निर्माण

अध्येय ग्रन्थ-

मंगल, एस.के. एवं मंगल उमा (2009), शिक्षा तकनीकी, प्रेन्टिस हाल, नई दिल्ली।

कुलश्रेष्ठ, एस.पी., कुमार, हेमन्त (2020), शैक्षिक तकनीकी तथा आई.सी.टी., आर. लाल बुक डिपो, मेरठ (उ.प्र.)।

भटनागर, ए.बी. एवं भटनागर, अनुराग (2020), शैक्षिक तकनीकी एवं आई.सी.टी., लाल बुक डिपो, मेरठ (उ.प्र.)।

शर्मा, शिल्पी एवं अन्य(2020), शिक्षा में सूचना एवं संप्रेषण तकनीकी, लाल बुक डिपो, मेरठ (उ.प्र.)।

शर्मा, सुनीता(2016), शिक्षा में तकनीकी परिप्रेक्ष्य, बुक ओशियन पब्लिकेशन, वाराणसी (उ.प्र.)

पाठक, आर.पी.,(2014) शैक्षिक तकनीकी, विकास पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली।

आनंद, विजय कुमार एवं नैम, राकेश (2008), इलेक्ट्रानिक मीडिया एवं सूचना प्रौद्योगिकी, रजत पब्लिकेशन्स।

पाठक, आर.पी.,(2018) शैक्षिक प्रोद्योगिकी एवं जनसंचार माध्यम, कनिष्का प्रकाशन, नई दिल्ली।

Dash, Manoj Kumar(2020), ICT in Teacher Education, , Neelkamal Publication Pvt. Ltd., New Delhi.
Arulsamy, S. and Shivaker, P.(2020), Application of ICT in Education, Neelkamal Publication Pvt. Ltd., New Delhi.

Mrunalini, T. and Ramakrishan, A.(2020), Information and Communication Technology(ICT) in Education, Neelkamal Publication Pvt. Ltd., New Delhi.

M. Vanaja, (2020), Information and Communication Technology(ICT) in Education, Neelkamal Publication Pvt. Ltd., New Delhi.

www.uou.ac.in/आई.सी.टी. की आलोचनात्मक समझ एवं उपयोग।

S. Sangamn- Microsoft Office 2000 for Windows

Ramakrishan, A.(2020), ICT Mediation In teaching Learning, Neelkamal Publication Pvt. Ltd., New Delhi.

वेब संदर्भ

1. www.swayam.gov.in
2. www.ebooks.ipude.in
3. www.swayamprabha.gov.in
4. www.form.google.com
5. www.kahoot.com

4. विद्यालय प्रबन्धन एवं नेतृत्व

(School Management and Leadership)

कोर्स कोड = 104 | कुल क्रेडिटस = 04

क्रियान्वयन घण्टे = 04 घण्टे/सप्ताह | कुल अंक = 100

कोर्स अधिगम परिणाम (Course Learning Outcomes)

इस कोर्स के अध्ययनोपरान्त विद्यार्थी:—

— विद्यालय प्रबन्धन एवं प्रशासन की अवधारणा स्पष्ट कर सकेंगे।
— विद्यालय के विभिन्न प्रकार के संसाधनों के विषय में बता सकेंगे।
— नेतृत्व तथा नियोजन के विभिन्न कार्यों एवं प्रकारों की उपयोगिता को स्पष्ट कर सकेंगे।
— गुणवत्तापूर्ण विद्यालयीय शिक्षा के आवश्यक तत्वों को स्पष्ट कर सकेंगे।
— विद्यालय प्रबन्धन से सम्बद्ध प्रावधानों तथा अभिकरणों के विषय में बता सकेंगे।

पाठ्य—वस्तु (Content) — 75 अंक

इकाई — १ : प्रबन्धन की अवधारणा— प्रबन्धन की अवधारणा (भारतीय एवं पाश्चात्य परिप्रेक्ष्य) एवं कार्य, प्रशासन की अवधारणा(भारतीय एवं पाश्चात्य परिप्रेक्ष्य) प्रशासन एवं प्रबन्धन में अन्तर, विद्यालयीय प्रबन्धन का अभिप्राय, विद्यालय प्रबन्धन के कार्य, भारतीय विद्यालयों की संरचना **NEP- 2020** के सन्दर्भ में।

इकाई — २ : विद्यालयीय संसाधन— विद्यालय संसाधन का अभिप्राय एवं प्रकार। भौतिक संसाधन, मानवीय एवं ई—संसाधन, भौतिक—संसाधन (विद्यालय परिसर, विद्यालय भवन, कक्षा—कक्ष की संरचना (आकार) फर्नीचर, पुस्तकालय, प्रयोगशाला, खेल का मैदान। मानवीय संसाधन—प्रधानाध्यापक, अध्यापक, कर्मचारी, छात्र एवं अभिभावक)। ई—संसाधन—(ई—रजिस्टर, ई फोलियो, ई—बुक्स, ई—लाईब्रेरी, ई—फेस रीडिंग, ई—क्रेडिट बैंक(ABC), डिजी लाकर।

इकाई — ३ : नेतृत्व तथा नियोजन— नेतृत्व की अवधारणा, नेतृत्व के सिद्धान्त एवं प्रकार—क्रियान्वितिकारी, रूपान्तरकारी तथा परिस्थितिगत शैलियाँ। प्रधानाचार्य प्रशासनिक नेता तथा अध्यापक की शैक्षिक (अकादमिक) नेता, के रूप में भूमिक प्रधानाचार्य की पर्यवेक्षण एवं निरीक्षण में भूमिका, पर्यवेक्षण तथा निरीक्षण में अन्तर। नियोजन का अभिप्राय एवं प्रकार ।

इकाई — ४ : विद्यालयीय शिक्षा में गुणवत्ता — गुणवत्ता का अभिप्राय, विद्यालयीय शिक्षा में गुणवत्ता, 6 E सम्पूर्ण गुणवत्ता प्रबन्धन की संकल्पना। विद्यालयीय अभिलेख की आवश्यकता, प्रकार एवं रखरखाव। समय—सारिणी—अभिप्राय एवं निर्माण के सिद्धान्त, **NCF- 2023** के सन्दर्भ में समय सारिणी की रूपरेखा।

इकाई – ५ : विद्यालय प्रबन्धन से सम्बद्ध विधान एवं संस्थाएँ-- विभिन्न संवैधानिक शैक्षिक अनुच्छेद, भारतीय शिक्षा की प्रशासनिक संरचना तथा शिक्षा निदेशालय, RTE Act, 2009, समग्र शिक्षा का अभियान, NCERT, SCERT, DIET, केन्द्र तथा राज्य बोर्ड एवं संदीपनी वैदिक शिक्षा बोर्ड का सामान्य परिचय।

सत्रीय कार्य– **25 अंक**

१. भारतीय ग्रन्थों में प्रबन्धन एवं नेतृत्व।

२. विद्यालय के विभिन्न अभिलेखों में से किसी एक का विश्लेषण के आधार पर उपयोग। ।

३. विद्यालय से सम्बन्धित पोर्टफोलियों का निर्माण।

४. समय–सारिणी का निर्माण करना एवं शैक्षिक संस्थाओं से सम्बन्धित किन्हीं दो आलेखो की समीक्षा।

अध्येय ग्रन्थ–

मिश्र, भास्कर, (1995) विद्यालय व्यवस्था, भावना प्रकाशन, नई दिल्ली।

जोशी, रजनी, (1997) विद्यालय में प्रशासन एवं प्रबन्ध, शारदा पुस्तक मंदिर, इलाहबाद।

सुखिया, एस.पी., (2000) विद्यालय व्यवस्था, विनोद पुस्तक मंदिर, आगरा, (उ.प्र.)।

पाठक, आर.पी. एवं गुप्ता शैलजा (2010) शैक्षिक प्रबन्धन, राधा प्रकाशन, नई दिल्ली।

शर्मा, आर.ए. (2005) शिक्षा तकनीकी के तत्व एवं प्रबन्धन, आर.लाल बुक डिपो, मेरठ (उ.प्र.)।

वर्मा, जे.पी. (2000) विद्यालय प्रबन्धन, आर.लाल बुक डिपो, मेरठ (उ.प्र.)।

शर्मा, आर.ए. (1995) शिक्षा प्रबन्धन, आर.लाल बुक डिपो, मेरठ (उ.प्र.)।

शर्मा, वी.एस. (1998) विद्यालय प्रबन्धन, आर. लाल बुक डिपो, मेरठ (उ.प्र.)।

भटनागर, सुरेश (1998) शैक्षिक प्रबन्धन और शिक्षा की समस्यायें, आर.लाल बुक डिपो, मेरठ (उ.प्र.)।

शर्मा एवं सक्सेना (2010) शैक्षिक प्रशासन एवं प्रबन्धन, आर. लाल बुक डिपो, मेरठ, (उ.प्र.)।

पाठक, रमेश प्रसाद एवं शर्मा संजय(२०२१) शैक्षिक नियोजन एवं प्रकाशन, कनिष्का प्रकाशन, नई दिल्ली।

सिकरवारः, डा. प्रेमसिंह, (२०२१) शैक्षिकप्रबन्धनम्, सरस्वती पब्लिकेशन, जयपुरम्।

ई सामग्री

IGNOU- e Gyankosh (https://egyankosh.ac.in)

Uttarakhand open University (https://www.uou.ac.in)

WWW.edu.com in WWW.MOE.govt.in

WWW. CBSE.ac.in

web link-swyam, Youtube, E.P.G. Pathshala, MOOC etc.

https://hindivishwa.org/distance

https://QCI.ac.in

कोर्स कोड = 105 5. शास्त्र शिक्षण

कोर्स अधिगम परिणाम (Course Learning Outcomes)

इस कोर्स के अध्ययनोपरान्त विद्यार्थी:—

- विविध शास्त्रों के स्वरूप, महत्त्व एवं उपयोगिता को जानते हुए संस्कृत शास्त्रों के अध्ययन के परिप्रेक्ष्य का परिचय कर सकेंगे।
- शास्त्रों की विविध विधाओं के अध्यापन हेतु परम्परागत एवं आधुनिक शिक्षणविधियों का अवबोध कर सकेंगे।
- शास्त्रशिक्षण की पाठयोजना निर्माण योग्यता का विकास कर सकेंगे।
- शास्त्रों के शिक्षण को रोचक एवं नवीनतम स्वरूप प्रदान करने हेतु दृश्य-श्रव्य साधनों एवं कौशलों का अनुप्रयोग कर सकेंगे।
- विविध शास्त्रों में वर्णित विषयवस्तु के शिक्षण द्वारा नैतिक, चारित्रिक, सांस्कृतिक एवं सामाजिक मूल्यों का विकास कर सकेंगे।

निर्देश : निम्नलिखित में से किसी एक विषय का चयन करें।

5-I ज्योतिष–शिक्षण
(Methodology of Teaching Jyotisha)

कोर्स कोड = 105 (i) कुल क्रेडिटस = 04

क्रियान्वयन घण्टे = 04 घण्टे/सप्ताह कुल अंक = 100

कोर्स अधिगम परिणाम (Course Learning Outcomes)

इस कोर्स के अध्ययनोपरान्त विद्यार्थी:—

75 अंक

- वेदाङ्ग, त्रिस्कंध ज्योतिष एवं अष्टादशाचार्य का परिचय प्राप्त कर सकेंगे।
- ज्योतिष शिक्षण को प्रभावी बनाने हेतु सहायक उपकरणों का अनुप्रयोग कर सकेंगे।
- नैदानिक परामर्श में ज्योतिषशास्त्र की भूमिका से अवगत हो सकेगें।
- ज्योतिष शिक्षण के व्यावहारिक प्रकरण में ग्रहण एवं विभिन्न मुहूर्तों के विषय में ज्ञान प्राप्त कर सकेंगे।
- ज्योतिष शिक्षण की पाठयोजना निर्माण की योग्यता का विकास कर सकेंगे।
- ज्योतिष शिक्षण की परंपारिक एवं आधुनिक विधाओं में दक्ष हो सकेगें।
- आकलन एवं मूल्यांकन प्रक्रिया में दक्ष हो सकेगें।
- ज्योतिष शिक्षण की संस्थाओं से परिचित हो सकेगें।

पाठ्य—वस्तु (Content)

इकाई —१ : **ज्योतिष परिचय**

. वेदाङ्ग, परिचय।

. त्रिस्कंध ज्योतिष— परिचय, उद्देश्य ।

. अष्टादशाचार्य।

ज्योषितशास्त्र का महत्त्व एवं उद्देश्य, वैज्ञानिकता एवं सामाजिक उपयोगिता, ज्योतिषशास्त्र में मनोवैज्ञानिक तत्त्व ।

इकाई —२ : **ज्योतिष शिक्षण के साधन एवं उपकरण—**

. शिक्षण को प्रभावी बनाने हेतु सहायक उपकरणों का महत्त्व ।

. पंचाङ्ग—परिचय।

. वेधशाला—परिचय एवं उपयोगिता।

. गोल, शंकु, तुरीययंत्र, दूरदर्शक (Telescope) ।

. संगणक, दूरदर्शन एवं अन्य दृश्य श्रव्य उपकरणों की उपयोगिता।

इकाई —३ : **नैदानिक परामर्श में ज्योतिषशास्त्र की भूमिका—**

. ग्रहों की प्रकृति।

. राशियों की प्रकृति।

. कालपुरूष का परिचय।

. द्वादश भाव, सप्तवर्ग— होरा, द्रेष्काण, सप्तमांश, नवांश, द्वादशांश त्रिंशांश चक्रों का अभिप्राय एवं उपयोग।

. विंशोत्तरी दशा का प्रभाव ।

. निदान एवं परामर्श प्रक्रिया ।

इकाई —४ : **ज्योतिष शिक्षण के व्यवहारिक प्रकरण—**

. ग्रहण (सूर्य एवं चन्द्र ग्रहण)।

. मुहूर्त (अक्षरारम्भ, विद्यारम्भ, समावर्तन,यात्रा एवं विवाह)।

. संवत्सरफल।

इकाई —५ : **ज्योतिष शिक्षण — अधिगम**

. पाठयोजना निर्माण —परम्परागत एवं आधुनिक दृष्टि से।

. वेध विधि, आगमन—निगमन, खोज विधि परियोजना विधि ।

. मूल्यांकन— शास्त्रार्थ, शलाका परीक्षा, उपलब्धि परीक्षण एवं निदानात्मक परीक्षण (अभिप्राय एवं विशेषताएँ)।

. ज्योतिषशिक्षण की आधुनिक दृष्टि।

. ज्योतिषशिक्षण की संस्थाएँ।

सत्रीय कार्य— **25 अंक**

१ - दत्तकार्य (इकाई सम्बन्धित)

२ - पाठयोजना निर्माण एवं प्रस्तुतीकरण

अध्येय ग्रन्थ–

- मानसागरी
- फलदीपिका
- सूर्यसिद्धान्त
- बृहत्संहिता
- मुहूर्तचिन्तामणि

गुप्ता, एस.पी.(२०१०) उच्चतर शिक्षा मनोविज्ञान, शारदा पुस्तक भवन, इलाहाबाद।

गोरखप्रसाद (२०१०) भारतीय ज्योतिष का इतिहास, उ.प्र. हिन्दीं संस्थान, लखनऊ ।

झा अच्युदानन्द(२०१०) लघुपराशरी– मध्यमपराशरी, चोखम्बा अमरभारती प्रकाशन वाराणसी।

झा नागेन्द्र(२००७) ज्योतिषशिक्षण विधि, अभिषेक प्रकाशन, दिल्ली।

झा नागेन्द्र (२०१३) प्राचीन और अर्वाचीन शिक्षा पद्धति, अभिषेक प्रकाशन, दिल्ली।

झा, सीताराम गोलपरिभाषा, चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन।

झा, सुरकान्त(२०१७) भारतीय कुण्डली विज्ञान, चौखम्बा संस्कृत सीरीज आफिस वाराणसी।

झारखण्डी, शिवनाथ शंकरबालकृष्णदीक्षित विरचित भारतीय ज्योतिष, उ.प्र. हिन्दी संस्थान लखनऊ ।

पाण्डेय, रामचन्द्र(१९८९): बृहद अवकहडाचक्रम, कृष्णदास अकादमी, वाराणसी।

पाण्डेय, रामचन्द्र(२०२०) प्राच्य विद्या परिशीलन (संकलन एवं संपादन मीनाक्षी मिश्र), नैसर्गिक शोध संस्थान, वाराणसी।

पाण्डेय, सदानन्द (२०२२) पंचांग परिचय एवं मुर्हुत दर्पण चौखम्बा कृष्णदास अकादमी, वाराणसी।

मिश्र, शिवाकान्त(२०११): ज्योतिष शिक्षणम्, जगदीश संस्कृत पुस्तकालय जयपुर।

शर्मा, मुकेश(२०१८): ज्योतिष शिक्षणविधय: भारतीय ज्योतिष, मध्य प्रदेश।

शर्मा कल्याणदत्त (२००२), ज्योतिष पीयूष, वेदमातागायत्री ट्रस्ट, शान्तिकुञ्ज, हरिद्वार।

शास्त्री, नेमीचन्द(२००८) भारतीय ज्योतिष, भारतीय ज्ञानपीठ दिल्ली।

शर्मा, आर.ए.(२००२) शिक्षा के तकनीकी आधार, आर.लाल बुक डिपो, मेरठ, उ.प्र.।

शर्मा, कल्याणदत्त, वेधशाला परिचय, श्री.ला.ब.शा.रा.संस्कृत विद्यापीठ, नई दिल्ली।

5-II साहित्य–शिक्षण

(Methodology Of Teaching Sahitya)

कोर्स कोड = 105 (ii)
क्रियान्वयन घण्टे = 04 घण्टे/सप्ताह

कुल क्रेडिटस = 04
कुल अंक = 100

कोर्स अधिगम परिणाम (Course Learning Outcomes)

इस कोर्स के अध्ययनोपरान्त विद्यार्थी:–

१– विधा के अनुसार साहित्य शिक्षण के स्वरूप एवं महत्त्व का वर्णन कर सकेंगे।
२– काव्यशास्त्रीय तत्त्वों का विश्लेषण कर सकेंगे।
३– रसानुभूति एवं सौन्दर्यानुभूति की विविध परिप्रेक्ष्य में व्याख्या कर सकेंगे।
४– साहित्य शिक्षण की विविध विधियों में अन्तर कर सकेंगे।
५– विविध उपागमों के आधार पर पाठयोजनाओं का निर्माण कर सकेंगे।

पाठ्य–वस्तु (Content)

75 अंक

इकाई–१ साहित्य शिक्षण का स्वरूप–: साहित्य परिचय, साहित्य शिक्षण की आवश्यकता, स्वरूप, महत्त्व एवं उद्देश्य (संज्ञानात्मक–भावात्मक) विधाओं के अनुरूप(गद्य,पद्य एवं नाटक) शिक्षण।
इकाई–२ काव्यशास्त्रीय तत्त्वों का परिचय–: शास्त्रगत पृष्ठ भूमि के आधार पर छन्द, अलंकार, रस, गुण, रीति का संक्षिप्त परिचय एवं अध्यापन विधियाँ।
इकाई–३ रसानुभूति एवं सौन्दर्यानुभूति की उपयोगिता–: कल्पना, सौन्दर्यानुभूति, रसानुभूति का संक्षिप्त परिचय एवं सौन्दर्यानुभूति में अंलकारों की उपयोगिता तथा रसानुभूति में विविध काव्यशास्त्रीय तत्त्वों की उपयोगिता।
इकाई–४ साहित्य–शिक्षण की विधियाँ–: पारम्परिकविधि, व्याख्याविधि, टीकाविधि, स्वाध्याय विधि क्रीडा–विधि, खण्डान्वय–दण्डान्वय विधि एवं भाषा प्रयोगशाला द्वारा अभ्यास, रचनावादी उपागम आधारित शिक्षणविधियाँ (प्रत्येक विधि की सोदाहरण प्रस्तुति)।
इकाई–५ साहित्य शिक्षण में नवाचार एवं पाठयोजना–: साहित्य शिक्षण में दृश्य श्रव्य उपकरण एवं शिक्षण अधिगम सामग्री तथा विविध विधाओं के अनुरूप पाठयोजना निर्माण। रचनावादी उपागम आधारित पाठयोजना निर्माण(विद्यालय पाठयक्रम के सन्दर्भ में)।

सत्रीय कार्य–

25 अंक

१– विविध छन्दों का लयसम्बद्ध अभ्यास।
२– पाठयोजना निर्माण एवं प्रस्तुतीकरण।
३– संस्कृत साहित्य के विविध स्तरीय पाठयक्रम का विधा के अनुसार विश्लेषण।

अध्येय ग्रन्थ–

सफाया, आर.एन., (1985) संस्कृतशिक्षण, हरियाणा ग्रन्थ अकादमी,चंडीगढ, हरियाणा।

पाण्डेय, आर.एस., (1995) संस्कृतशिक्षण, विनोद पुस्तक मंदिर, आगरा, उ.प्र.. मिश्र, लोकमान्य, (2005) साहित्यशिक्षणम्, लोकमान्य प्रकाशन, लखनऊ

उपाध्याय, बी.के.एवं मिश्र, घनश्याम, (2000) साहित्यशिक्षणपद्धति, भारतीय विद्या संस्थान, वाराणसी, उ.प्र.

एन.लता,(2007)साहित्यशिक्षणविधयः, राष्ट्रियसंस्कृतविद्यापीठम्, तिरूपतिः।

द्विवेदी, वाचस्पति, (1985) संस्कृत शिक्षण विधि, सुशील प्रकाशन, पटना, बिहार।

शर्मा च.ल.ना. एवं सिंह फतेह, (1997) संस्कृतशिक्षणम्-नवीनप्रविधयश्च, आदित्यप्रकाशनम्, जयपुरम्।

आप्टे, डी.जी एण्ड डोगरे, पी.के., (1990) टीचिंग ऑफ संस्कृत इन सेकण्डरी स्कूल।

सिंह, कर्णी, (1990) संस्कृतशिक्षण, राजस्थान हिन्दी ग्रन्थ अकादमी, जयपुर।

उपाध्याय, भुवनेश, (1995) संस्कृतशिक्षणम्, भारतीय विद्या प्रकाशन जगतगंज, वाराणसी (उ.प्र.)।

मित्तलः, संतोष, (2020) संस्कृतशिक्षणम्, नवचेतनाप्रकाशनम्, जयपुरम्।

शास्त्री, कलानाथ, (1995)आधुनिक काल का संस्कृत गद्य साहित्य, राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, नई दिल्ली।

ई-सामग्री -वेब लिंक, स्वयं प्रभा, स्वयं, यूट्यूब, ई.पी.जी. पाठशाला, मूक्स।

5-III दर्शन-शिक्षणम्

(Methodology of Teaching Darshana)

कोर्स कोड = 105 (iii) | कुल क्रेडिटस = 04

क्रियान्वयन घण्टे = 04 घण्टे/सप्ताह | कुल अंक = 100

कोर्स अधिगम परिणाम (Course Learning Outcomes)

इस कोर्स के अध्ययोपरान्त विद्यार्थी:—

- दर्शनस्य सम्प्रत्ययान्तस्सबन्धानाम् अवबोध: कर्त्तुं शक्ष्यन्ति।
- दर्शनशिक्षणस्य विविधविधीनामवबोध: कर्त्तुं शक्ष्यन्ति। ।
- भारतीयदर्शनानां परिचय: प्राप्तुं समर्था: भविष्यन्ति।
- सामयिकपद्धत्या दर्शनविषयमवगन्तुं समर्था: भविष्यन्ति।
- विश्लेषणात्मकचिन्तनस्य क्षमता: अभिवृद्धि: कर्त्तुं शक्ष्यन्ति ।

75 अंक

पाठ्यवस्तु (Content)

इकाई – १ : भारतीय– पाश्चात्यदर्शनानां सम्प्रत्यय:, दर्शनमहत्त्वम्, विविधविषयै: सह दर्शनस्य सम्बन्ध:।

इकाई – २ : कथाविधि:, निदर्शनविधि:, स्वाध्यायविधि:, व्याख्याविधि: नाटकविधि: च ।

इकाई –३: प्रमुखप्राचीनभारतीयदर्शनानां संक्षिप्तपरिचय:, समसामायिकभारतीयदर्शनपरिचय: श्रीमद्भगवद्गीतापरिचय:।

इकाई –४ :दर्शनशिक्षणे अन्तर्जालम् अन्यदृश्यश्रव्योपकरणानि।

इकाई –५: ओण् लैन् माध्यमेन दर्शनाध्ययनम्, विद्यालयस्तरीयदर्शनशिक्षणे राष्ट्रियमुक्तविद्यालयस्य उद्यमा:, दर्शनसंस्था परिचय:– भारतीयदार्शनिकनुसन्धानपरिषद्।

सत्रीयकार्यम्

25 अंक

१–दर्शनविषयकं पाठयोजनानिर्माणम्।

२–संस्कृतेतरभाषासु दार्शनिककृतीनां परिचायकलेखनम्। यथा – तुलसीदासकृति:, विद्यापति:, कबीरदास:, लल्लेश्वरी। प्रायोगिककार्यम्।

३–भारतीयं पाश्चात्यं वा दार्शनिकमधिकृत्य कक्ष्यायां मौखिकप्रस्तुति:।

प्रायोगिककार्यम्

I.C.P.R. संस्थाया: जालपटलसन्दर्शनं तत्कार्यक्रमपरिचयप्राप्तिश्च।

सहायकग्रन्थ–जालपटलसूची

१. पि. रामचन्द्रुडु प्रो. – पाश्चात्यतत्त्वशास्त्रेतिहास:।

२. सर्वदर्शनसमन्वय: – श्री.ला.ब.शा.रा.संस्कृतविश्वविद्यालय:।

३. झा, उदयशङ्क.र: – संस्कृतशिक्षणम्

४. श्रीमद्भगवद्गीता – (मूलम्) गीताप्रेस् संस्करणम्

५. लाल कुमार वसन्त समकालीन भारतीय दर्शन मोती लाल बनारसी दास दिल्ली।

६. **MOOCS** द्वारा दर्शनव्याख्या – कस्यचित् विदुष:।

5-IV व्याकरण-शिक्षण

(Methodology of Teaching Vyakarana)

कोर्स कोड = 105 (iv) | कुल क्रेडिटस = 04

क्रियान्वयन घण्टे = 04 घण्टे/सप्ताह | कुल अंक = 100

कोर्स अधिगम परिणाम (Course Learning Outcomes)

इस कोर्स के अध्ययनोपरान्त विद्यार्थी:—

- व्याकरण शास्त्र के इतिहास के विषय में पाणिनीय व्याकरण की वैज्ञानिकता का अवबोध कर सकेंगे।
- व्याकरण शिक्षा की अद्यतन विधियों का अनुप्रयोग कर सकेंगे।
- व्याकरण शिक्षण की प्राचीन विधियों को समझ सकेंगे।
- व्याकरण शिक्षण में दृश्य श्रव्योपकरण का प्रायोगिक व्याकरण में अनुप्रयोग कर सकेंगे।
- भाषा प्रयोगशाला तथा व्याकरण शिक्षण में सगंणक का अनुप्रयोग कर सकेंगे।

पाठ्य—वस्तु (Content) — **75 अंक**

इकाई—१: व्याकरणशास्त्र शिक्षण का इतिहास, स्वरूप, उद्देश्य, व्याकरण शास्त्र का भाषावैज्ञानिक महत्त्व, एवं पाणिनीय व्याकरण की वैज्ञानिकता।

इकाई—२: व्याकरण शिक्षण की अद्यतन विधियाँ रचनात्मक विधि, रूपान्तरण विधि एवं जननात्मक (सम्भाषण विधि) विधियों का व्याकरण शिक्षण में महत्त्व एवं उच्चारण प्रशिक्षण।

इकाई—३: व्याकरण शिक्षण की विधियाँ—पारम्परिक, आगमन—निमगन, ह्यूरिस्टिक एवं प्रायोजना विधि, समस्या विधि। इन विधियों की पाठयोजना के आधार पर कारक, लकार, संधि, समास, तद्धित, स्त्रीप्रत्यय, विशेषण—विशेष्य भाव एवं वाच्यों का पाठन एवं अभ्यास।

इकाई—४: व्याकरण शिक्षण में दृश्य—श्रव्योपकरण का प्रयोग, प्रायोगिक व्याकरण (Functional Grammar)

इकाई—५: भाषाप्रयोगशाला तथा व्याकरण शिक्षण में संगणक का प्रयोग, पाठयोजना निर्माण एवं सरल संस्कृत के माध्यम से व्याकरण पाठन के प्रकार एवं अभ्यास।

सत्रीय कार्य— **25 अंक**

१ - संस्कृत भाषा कौशलों का प्रस्तुतीकरण।

२ - भाषा प्रयोगशाला अन्यप्रयोग आधारित प्रतिवेदन।

३ - व्याकरण शास्त्र शिक्षण आधारित पाठयोजना निर्माण एवं प्रस्तुतीकरण।

४ - विभिन्न पाठ्याशों में व्याकरण सम्बद्ध सम्प्रत्ययों का चयन।

५ - दत्तकार्य(इकाई सम्बन्धित)।

अध्येय ग्रन्थ–

पाण्डेय, आर.एस., (1995) संस्कृतशिक्षण, विनोद पुस्तक मंदिर, आगरा, उ.प्र.

उपाध्याय, बी.के.एवं देवनाथन आर., (1995) व्याकरण शिक्षण विधि, भारतीय विद्या संस्थान, वाराणसी, उ.प्र.।

शुक्ल, रजनीकान्त, व्याकरण शिक्षण, राष्ट्रीय संस्कृत विद्यापीठ, तिरुपति ।

शर्मा, च.ल.ना. एवं सिंह फतेह(1997) संस्कृतशिक्षणं नवीनप्रविधयश्च, आदित्य प्रकाशन, जयपुरम्।

मित्तल, संतोष(1997) संस्कृत शिक्षणं, लाल बुक डिपो, मेरठ उ.प्र.।

द्विवेदी, वाचस्पति, (1985) संस्कृत शिक्षण विधि, सुशील प्रकाशन पटना विहार।

शर्मा, परमेश एवं आर्य:, शिवदत्त (2024), व्याकरणशिक्षणम्, अमर ग्रन्थ पब्लिकेशन, दिल्ली।

ई सामग्री

वेब लिंक- स्वयं प्रभा, स्वयं, यूट्यूब, ई.पी.जी. पाठशाला, मूक्स।

5-V वेद-शिक्षण

(Methodology of Teaching Veda)

कोर्स कोड = 105 (v) | कुल क्रेडिट्स= 04

क्रियान्वयन घण्टे = 04 घण्टे/सप्ताह | कुल अंक = 100

कोर्स अधिगम परिणाम (Course Learning Outcomes)

इस कोर्स के अध्ययनोपरान्त विद्यार्थी:—

— वेदों के महत्त्व, उद्देश्य तथा शिक्षण विधियों से परिचित हो सकेंगे।

— स्वाध्याय की आवश्यकता का बोध कर सकेंगे।

— वेदों के मूल पाठों के महत्त्व को जान सकेंगे।

— वेदों के प्राचीन एवं नवीन व्याख्याकारों की समीक्षा कर सकेंगे।

— वेदशिक्षण तथा प्रचार के लिए समर्पित संस्थाओं के योगदान से अवगत हो सकेंगे।

पाठ्य—वस्तु (Content) — 75 अंक

इकाई—१ : वेदों का महत्त्व, वैदिकसंस्कार शिक्षणोद्देश्य, वेदशिक्षण विधियाँ

इकाई—२ : स्वाध्याय की आवश्यकता। आधुनिक काल में वेद परीक्षाएँ।

इकाई—३ : वेदों के मूल पाठों के व्याख्यान में मीमांसा—कल्पसूत्र—निरूक्त आदि का महत्त्व।

इकाई—४ : वेदों के प्राचीन एवं नवीन व्याख्याकारों की समीक्षा।

इकाई—५ : वेदशिक्षण तथा प्रचार के लिए समर्पित संस्थाओं का अध्ययन—जैसे—वेदविद्याप्रतिष्ठान, वेदविश्वविद्यालय आदि।

सत्रीय कार्य— **25 अंक**

१— दत्त कार्य ।

२— पाठयोजना निर्माण एवं प्रस्तुतिकरण ।

३— वेदपाठ विधाओं की प्रस्तुति।

४— सम्बन्धित वेद गुरूकुलों का जालपटलीय सन्दर्शन अथवा साक्षात् अवलोकन।

अध्येय ग्रन्थ

सायण आचार्य, वेदभाष्यभूमिका (चारों वेदों का), चौखम्बा प्रकाशन, वाराणसी।

दयानन्द महर्षि, ऋग्वेदादिभाष्यभूमिका, राम लाल कपूर ट्रस्ट, दिल्ली।

सातवलेकर, श्रीपाद दामोदर, ऋग्वेद का सुबोध भाष्य, स्वाध्याय मण्डल, किला पारडी, गुजरात।

वेदपरिचयः, श्री अरविन्द आश्रम, पुदुच्चेरी

www. mpsvvujjain.org

www. msrvvp.ac.in

5-VI कर्मकाण्ड शिक्षण

(Methodology of Teaching Karmakanda)

कोर्स कोड = 105 (vi) | कुल क्रेडिट्स= 04
क्रियान्वयन घण्टे = 04 घण्टे/सप्ताह | कुल अंक = 100

कोर्स अधिगम परिणाम (Course Learning Outcomes)

इस कोर्स के अध्ययनोपरान्त विद्यार्थी:–

- कर्मकाण्ड के सम्प्रत्यय, सामाजिक आवश्यकता, उपयोगिता और महत्त्व से परिचित हो सकेंगे।
- भारतीय देवता संकल्प के परिचय का बोध कर सकेंगे।
- कर्मकाण्ड का ज्योतिष, धर्मशास्त्रादि से सम्बन्ध ज्ञात कर सकेंगे।
- कर्मकाण्ड शिक्षण-- प्राचीन और आधुनिक विधाओं से परिचित हो सकेंगे।
- कर्मकाण्डीय सामग्रियों का परिचय प्राप्त कर सकेंगे।

75 अंक

पाठ्य–वस्तु (Content)

इकाई–१ : कर्मकाण्ड का सम्प्रत्यय, कर्मकाण्ड की सामाजिक आवश्यकता, उपयोगिता और महत्त्व।
इकाई–२ : भारतीय देवता संकल्प का परिचय।
इकाई–३ : कर्मकाण्ड का ज्योतिष, धर्मशास्त्रादि से सम्बन्ध ।
इकाई–४ : कर्मकाण्ड शिक्षण-- प्राचीन और आधुनिक विधाएँ।
इकाई–५ : कर्मकाण्डीय सामग्रियों का परिचय।

25 अंक

सत्रीय कार्य–

१–कर्मकाण्डीय क्रियाओं का पारिस्थितिकीय महत्त्व।
२–पाठयोजना निर्माण एवं प्रस्तुतीकरण।
३–पञ्चोपचार, षोडशोपचार तथा चतु:षष्टि उपचार पर आधारित प्रस्तुति।

अध्येय ग्रन्थ–

प्रमेय पारिजात, श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रिय संस्कृत विश्वविद्यालय, नई दिल्ली।
सर्वदर्शनसमन्वय, श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रिय संस्कृत विश्वविद्यालय, नई दिल्ली।
पाठक, आर.पी., (2010) प्राचीन भारतीय शिक्षा कनिष्का प्रकाशन, दरियागंज, नई दिल्ली।

ई सामग्री

वेब लिंक स्वयं प्रभा, स्वयं, यूट्यूब, ई.पी.जी. पाठशाला, मूक्स।

Semester E.P.C-I

सम्प्रेषण कौशल

Communication Skills

कोर्स कोड 111 N (i)

क्रियान्वयन घण्टे: 02 घण्टे/सप्ताह

कुल क्रेडिट्स-02

कुल अंक–50

कोर्स अधिगम परिणाम–(Course Learning Outcomes)

इस कोर्स के अध्ययनोपरान्त विद्यार्थी:–

– सम्प्रेषण कौशल के सैद्धान्तिक पक्षों का परिचय प्राप्त कर सकेंगे।

– शब्दकोश एवं वाक्य निर्माण के नियमों का अवबोध कर सकेंगे।

– स्व एवं सर्जनात्मक अभिव्यक्ति एवं प्रस्तुतीकरण कर सकेंगे।

पाठ्य–वस्तु (Content)

१. सम्प्रेषण एंव सम्प्रेषण प्रक्रिया के तत्त्व ।

२. शाब्दिक सम्प्रेषण ।

३. अशाब्दिक सम्प्रेषण ।

४. सम्प्रेषण प्रक्रिया के बाधक तत्त्व ।

५. प्रभावी सम्प्रेषण ।

६. शब्द भण्डार में अभिवृद्धि-लिंग ज्ञानम् (शब्दकोशआधार पर)

७. वाक्य निर्माण। बृहदधातुरूपावली के आधार पर समानार्थक क्रिया पदों का प्रयोगाभ्यास।

८. स्व परिचय

९. अध्यापक कुशल संप्रेषक के रूप में

नोट:– तीनो भाषाओं अंग्रेजी, हिन्दी एवं संस्कृत में अनिवार्य।

i **निष्पादन कार्य**

- किसी एक प्रकरण पर अभिव्यक्ति देना। (अंक 10)
- स्व का परिचय प्रस्तुत करना। (अंक 10

ii **प्रलेखन (Documentation)** किसी एक भाषा अंग्रेजी/हिन्दी/संस्कृत में।

- सम्प्रेषण कौशल का सैद्धान्तिक पक्ष (अंक 10)
- शब्दकोष निर्माण (अंक 10)
- सर्जनात्मक अभिव्यक्ति (किसी एक विषय पर) (अंक 10)

E.P.C-II

सूचना एवं सम्प्रेषण प्रौद्योगिकी का अनुप्रयोग

(Application of Information & Communcatiion Technology)

कोर्स कोड 111 N (ii) कुल

क्रेडिट्स-02

क्रियान्वयन घण्टे: 02 घण्टे/सप्ताह कुल अंक-50

कोर्स अधिगम परिणाम (Course Learning Outcomes)

इस कोर्स के अध्ययोपरान्त विद्यार्थीः—

- शिक्षण अधिगम प्रक्रिया में आई.सी.टी. के अुप्रयोग से अवगत हो सकेंगे।
- ऑनलाईन आकलन प्रपत्र निर्माण कर सकेंगे।
- आईसीटी उपकरणों का अनुप्रयोग कर सकेंगें।
- अधिगम प्रबन्धन प्रणाली(LMS) का प्रयोग कर सकेंगें।

पाठ्य-वस्तुः

1. **सूचना एवं संप्रेषण प्रौद्योगिकी का महत्व**
2. **शिक्षण अधिगम प्रक्रिया में आई.सी.टी. का अुप्रयोग**
3. अधिगम प्रबन्धन प्रणाली(LMS)
4. **आकलन प्रक्रिया में आई.सी.टी. का अुप्रयोग**
5. **प्रबन्धन में आई.सी.टी. का अुप्रयोग**

निष्पादन कार्य

(10*4=40)

1. गूगल फार्म निर्माण तथा परीक्षण
2. काहूत द्वारा क्विज (Quiz) निर्माण।
3. आईसीटी उपकरणों का प्रयोग स्लाइडो, पेडलेट एवं मेन्टीमीटर (Slido, Padlet and Mentimeter)।
4. गूगल कक्षा(Google Classroom) निर्माण एवं प्रयोग।

प्रलेखन कार्य (Documentation)

सूचना सम्प्रेषण प्रौद्योगिकी का सैद्धान्तिक पक्ष। (10 अंक)

शिक्षाशास्त्री (बी.एड.) पाठ्यक्रम

द्वितीय सेमेस्टर

शिक्षाशास्त्री (बी.एड.) प्रथम वर्ष
द्वितीय सेमेस्टर पाठ्यक्रम स्वरूप

कुल अंक = 600 — कुल क्रेडिट्स = 24+2*

कोर्स कोड (Course code)	कोर्स संख्या (course No.)	कोर्स का नाम (Name of the course)	कोर्स श्रेणी (Course Category)	कुल अंक (Total Marks)	कुल क्रेडिट्स (Total Credits)	घण्टे/सप्ताह (Hours/ weeks)	घण्टे/सेमेस्टर (Hours/ Semester)
	Theory (सैद्धान्तिक)			**500**	**20**	**20**	**400**
121	6	शिक्षण अधिगम की तकनीकी (Technology of Teaching & Learning)	संकेन्द्रिक अनिवार्य (Core compulsory)	100 75 (E)+25 (I)	4	4	80
122	7	अधिगम आकलन (Learning Assessment)	संकेन्द्रिक अनिवार्य (Core Compulsory)	100 75 (E)+25 (I)	4	4	80
123 N	8	भारतीय ज्ञान परम्परा (Indian Knowledge Tradition)	संकेन्द्रिक अनिवार्य (Core Compulsory)	100 75 (E)+25 (I)	4	4	80
124	9	संस्कृत शिक्षण (Teaching of Sanskrit)	अनिवार्य शिक्षणशास्त्र (Compulsory Pedagogy)	100 75 (E)+25 (I)	4	4	80
125	10	अन्य विद्यालयीय विषय शिक्षण (कोई एक) (Teaching of other School Subjects-Any one)	वैकल्पिक शिक्षणशास्त्र (Elective Pedagogy)				
125- (i)	10- I	अंग्रेजी शिक्षण (Teaching of English)		100 75 (E)+25 (I)	4	4	80
125- (ii)	10- II	हिन्दी शिक्षण (Teaching of Hindi)					
125- (iii)	10- III	सामाजिक अध्ययन शिक्षण(Teaching of Social Studies)					
125- (iv)	10- IV	गणित शिक्षण (Teaching of Mathematics)					
125- (v)	10-V	अर्थशास्त्र शिक्षण (Teaching of Economics)					
131N	**प्रायोगिक – ई.पी.सी. (Practicum- EPC)**		प्रायोगिक (ई.पी.सी.)	**100**	**04**	**04**	**80**
	(i)	क्रियात्मक अनुसंधान (Action Research)		50	02		
	(ii)	विद्यालय सम्बद्धता कार्यक्रम (दो सप्ताह) School Internship Programme (Two weeks)		50	02		
132N	**शैक्षिक गतिविधियाँ (Educational Activities)**		**Compulsory**	**50**	**2***	**= 80% Attendance**	
	(i)	विभागीय पत्रिका (Departmental Magazine)					
	(ii)	विश्वविद्यालय एवं विभाग द्वारा आयोजित कार्यक्रमों में प्रतिभाग (Participation in the programmes organized by the University and Department)					
	(iii)	जेन्डर जागरूकता एवं संवेदीकरण Gender Awareness and Sensitization					
	(iv)	सांस्कृतिक कार्यक्रम (Cultural Programme)					
	(v)	क्रीड़ा एवं खेल–कूद (Sports & Games)					

6. शिक्षण अधिगम की तकनीकी

(Technology of Teaching & Learning)

कोर्स कोड = 121 | कुल क्रेडिट्स= 04

क्रियान्वयन घण्टे = 04 घण्टे/सप्ताह | कुल अंक = 100

कोर्स अधिगम परिणाम-

इस कोर्स के अध्ययनोपरान्त विद्यार्थी-

- शैक्षिक तकनीकी के अभिप्राय, उद्देश्य,उपागमों एवं विविध रूपों की व्याख्या कर सकेंगें।
- शिक्षण का अभिप्राय,चर, प्रकार्य तथा उसके विभिन्न रूपों को स्पष्ट कर सकेंगे।
- शिक्षण के अवस्थाओं तथा स्तर के अनुसार कक्षा शिक्षण के नियोजन एवं क्रियान्वयन में दक्ष हो सकेंगे।
- शिक्षण के प्रतिमानों एवं उनके आधारभूत घटकों का अनुप्रयोग कर सकेंगे।
- शिक्षण रचना कौशलों विधियों एवं युक्तियों का प्रयोग कर सकेंगे।

पाठ्यवस्तु **अंक-75**

इकाई-1 शैक्षिक तकनीकी - अभिप्राय, उद्देश्य, उपागम, - कठोरतन्त्र, कोमलतन्त्र एवं प्रणाली उपागम; शिक्षण अधिगम में अनुप्रयोग। विभिन्न रूप - शिक्षण तकनीकी, अनुदेशनात्मक तकनीकी, व्यवहार तकनीकी एवं अनुदेशनात्मक प्रारूप। टीपैक (TPACK) ।

इकाई -2 शिक्षण एवं अधिगम- शिक्षण- अभिप्राय, विशेषताएँ, सूत्र, विभिन्न रूप-अनुबंधन, प्रशिक्षण, अनुदेशन एवं मतारोपण तथा इनमें अन्तर, अधिगम - अभिप्राय, विशेषताएँ, शिक्षण अधिगम सम्बन्ध, स्वनियमित अधिगम(self-regulated learning) I शैक्षिक उद्देश्य- अभिप्राय एवं वर्गीकरण अनुदेशनात्मक उद्देश्य, अधिगम परिणाम एवं कोर्स परिणाम- अभिप्राय, विशेषताएँ एवं लेखन।

इकाई -3 शिक्षण के चर, **अवस्थाएं एवं स्तर-** चर- अभिप्राय एवं प्रकार्य, **अवस्थाएं**-पूर्वावस्था, अन्तःक्रियात्मक अवस्था तथा पश्चावस्था-अभिप्राय, विशेषताएं, संक्रियाएं तथा इनमें अन्तर। **स्तर**-स्मृति, अवबोध एवं चिंतन स्तर -अभिप्राय, अन्तर्निहित अधिगम सिद्धान्त, शिक्षण तथा परीक्षण सम्बन्धी रचना कौशल तथा तीनों स्तरों में अन्तर ।

इकाई-4 शिक्षण के प्रतिमान - अभिप्राय, आधारभूत तत्व एवं आवश्यकता। राबर्ट ग्लेसर का आधारभूत शिक्षण प्रतिमान, ब्रूनर का सम्प्रत्यय सम्प्राप्ति प्रतिमान, आसुबेल अग्रिम संगठक प्रतिमान, सचमैन का पृच्छा प्रशिक्षण प्रतिमान ।

इकाई-5 शिक्षण अधिगम रचना कौशल, विधियाँ एवं युक्तियाँ- अभिप्राय एवं अन्तर - व्याख्यान, प्रदर्शन, अनुवर्ग शिक्षण, दल शिक्षण, अभिक्रमित अधिगम, समूह परिचर्चा, परियोजना, विचारावेश, दत्तकार्य, समस्या-समाधान, सहयोगात्मक अधिगम, भूमिका निर्वाह तथा संकल्पना चित्रण ।

सूक्ष्मशिक्षण- अभिप्राय ,अवस्थायें एवं प्रयोजन।

सत्रीय कार्य **अंक-25**

निम्नलिखित में से कोई दो-

1. इकाई आधारित कार्य
2. अधिगम परिणाम लेखन
3. संकल्पना चित्र निर्माण
4. स्तर एवं प्रतिमान आधारित पाठयोजना निर्माण

अध्येय ग्रन्थ

1. पाठक एवं उपाध्याय, शैक्षिक प्रौद्योगिकी एवं क्रियात्मक अनुसंधान अभिषेक प्रकाशन पीतमपुरा, दिल्ली।
2. पाठक, आर.पी., शैक्षिक प्रौद्योगिकी के नवीन आयाम, राधा प्रकाशन, अंसारी रोड, दरियागंज दिल्ली
3. पाठक, आर.पी. (2011) शैक्षिक प्रौद्योगिकी, पियर्सन एजुकेशन, नालेज पार्क-नोएडा (उ.प्र.)
4. पाठक, आर.पी. एवं भारद्वाज, अमिता पाण्डेय (2011) शैक्षिक प्रौद्योगिकी एवं क्रियात्मक अनुसंधान, कनिष्का प्रकाशन, नई दिल्ली
5. पाठक, आर.पी. (2011) एजुकेशनल टेक्नोलाजी, पियर्सन एजुकेशन, नालेज पार्क-नोएडा (उ.प्र.)

6. पाण्डेय, के.पी. (1992) अभिक्रमित अधिगम की टेक्नोलाजी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी (उ.प्र.)
7. शर्मा, आर.ए, (2000) शिक्षा तकनीकी के आधार, आर. लाल बुक डिपो, मेरठ (उ.प्र.)
8. सक्सेना, एन. आर. स्वरूप (1995) शिक्षण की तकनीकी, आर. लाल बुक डिपो, मेरठ, (उ.प्र.)
9. शर्मा, आर.ए, (2005) सूचना सम्प्रेषण एवं शैक्षिक तकनीक, आर.लाल बुक डिपो, मेरठ (उ.प्र.)
10. पाठक, रमेश प्रसाद (2014) शैक्षिक तकनीकी के आयाम, विकास पब्लिशिंग हाउस प्रा. लि., नई दिल्ली
11. भटनागर, ए.बी. (2010) शैक्षिक तकनीकी एवं प्रबन्धन, आर. लाल बुक डिपो, मेरठ (उ.प्र.)।
12. शर्मा. आर. के. (2018), शिक्षा तकनीकी, रजत पब्लिकेशन्स।
13. पाठक, रमेश, प्रसाद (2019) शैक्षिक प्रौद्योगिकी एवं जनसंचार माध्यम, कनिष्का प्रकाशन, नई दिल्ली।
14. Pandey, Amita, A Text of Educational Technology, Rajat Publications.
15. Pathak. R.P.(2018) Prespective of Teaching and Leaning, Kaniksha Publishers, New Delhi.

ई-सामग्री

1. https://www.uou.ac.in/sites/default/files/slm/MAED-104.pdf
2. https://scert.cg.gov.in/pdf/deled-books-2020-21/First%20Year%20-%20Shaikshik%20Takniki.pdf
3. https://ncert.nic.in/flipbook/NCF/National_Curriculum_Framework_for_Foundational_Stage_2022/mobile/index.html#p=86
4. https://swayam.gov.in/
5. https://swayamprabha.gov.in/higheredu
6. http://www.uprtou.ac.in/other_pdf/PGDEA-05%20340%20final.pdf

7. अधिगम आकलन

(Learning Assessment)

कोर्स कोड = 122 | क्रियान्वयन घण्टे = 04

कुल क्रेडिट्स = 04 | कुल अंक = 100

कोर्स अधिगम परिणाम (Course Learning Outcomes)

इस कोर्स के अध्ययनोपरान्त विद्यार्थी

-माप आकलन एवं मूल्यांकन का सम्प्रत्यय स्पष्ट कर सकेंगे।

-रचनावादी परिप्रेक्ष्य में आकलन प्रक्रिया की व्याख्या कर सकेंगे।

- आकलन के विभिन्न रूपों एवं प्रकारों में अंतर स्पष्ट कर सकेंगे।

-आवश्यकतानुसार समुचित आकलन उपकरण एवं तकनीक का चयन कर सकेंगे।

-आकलन सम्बन्धी विविध अभिलेखों से अवगत हो सकेंगे।

-प्राप्तांकों का वर्णनात्मक सांख्यिकीय विश्लेषण कर सकेंगे।

-अधिगम हेतु रचनात्मक प्रतिपुष्टि में दक्ष हो सकेंगे।

पाठ्यवस्तु (Content)

इकाई-1 : **मापन आकलन एवं मूल्यांकन** :- मापन – सम्प्रत्यय, स्तर (नामित ,अन्तरित ,क्रमित , अनुपातिक)। आकलन- अभिप्राय, मान्यताएँ एवं उपयोगिता।

मूल्यांकन- अभिप्राय, शैक्षिक मूल्यांकन की प्रक्रिया एवं प्रयोजन । मापन आकलन एवं मूल्यांकन में सम्बन्ध तथा सम्प्रत्ययात्मक दृष्टि से अन्तर। सतत व्यापक मूल्यांकन- अवधारणा एवं महत्त्व।

रचनावादी परिप्रेक्ष्य में आकलन- अभिप्राय, 5E Model तथा Jonassen's Model.

इकाई -2 **अधिगम आकलन-** अधिगम के लिए आकलन, अधिगम के रूप में आकलन, अधिगम का आकलन- अभिप्राय एवं विशेषताएँ।

आकलन के प्रकार- प्रयोजन आधारित- संरचनात्मक, निदानात्मक एवं योगात्मक **आकलन**; संदर्भ आधारित- मानक संदर्भित (Norm Referenced), मानदंड संदर्भित(Criterion Referenced), स्व संदर्भित (Self Reerenced); अनुक्षेत्र आधारित- शैक्षणिक(Scholastic), सह-शैक्षणिक(Co-Scholastic)-अभिप्राय, विशेषताएँ एवं शिक्षक की भूमिका।

इकाई -3 **मापन उपकरण एवं तकनीक-** अभिप्राय, प्रयोजन एवं महत्व।

उपकरण- प्रश्नावली, अनुसूची, निर्धारण मापनी, परीक्षण, रुब्रिक्स-- अभिप्राय एवं विशेषताएँ।

तकनीक- साक्षात्कार, अवलोकन, स्व-आकलन, सहपाठी आकलन एवं निष्पादन आकलन- अभिप्राय एवं विशेषताएँ।

अभिलेख- अधिगम लाग एवं जर्नल्स, वृतान्त अभिलेख (Anecdotal Record), पोर्टफोलियो (Portfolio), समग्र प्रगति रिकॉर्ड-360° (Holistic Progress Record)

इकाई -4 : **उपलब्धि परीक्षण** - अभिप्राय, प्रकार – निबन्धात्मक, वस्तुनिष्ठ, प्रमापीकृत, अप्रमापीकृत परीक्षण ।

परीक्षण निर्माण- योजना बनाना- प्रारम्भिक योजना, उद्देश्य निर्धारण, उद्देश्यों का व्यवहारपरक लेखन, ब्लू प्रिंट निर्माण; परीक्षण निर्माण- पद लेखन ,प्रश्न पत्र निर्माण।

अच्छे परीक्षण के गुण - संतुलन विभेदकता, कठिनता स्तर, वैधता, विश्वसनीयता, वस्तुनिष्ठता।

इकाई-5 : **प्राप्तांकों का विश्लेषण, व्याख्या एवं प्रतिपुष्टि-** प्रदत्तों का रेखाचित्रीय प्रस्तुतीकरण - स्तंभाकृति ,आवृत्ति बहुबुज, संचयी आवृत्ति वक्र ।

प्राप्तांकों का सांख्यिकीय विश्लेषण- केन्द्रीय प्रवृत्ति के मान ,मानक विचलन ,(Percentile) ,प्रतिशतांक प्रतिशतीय क्रमांक (Percentile Rank)- अभिप्राय एवं गणना। सहसम्बन्ध- अभिप्राय, प्रकार, सहसम्बन्ध गुणांक (स्पीयरमैन अनुस्थिति अंतर विधि) ,ग्रेड - अभिप्राय एवं प्रकार, SGPA & CGPA.

प्रतिपुष्टि- अभिप्राय उद्देश्य , एवं महत्त्व।

सत्रीय कार्य- निम्नलिखित में से कोई दो अंक 25

1-माध्यमिक स्तरीय विषय आधारित किन्हीं दो पाठों के लिए अधिगम हेतु आकलन की योजना तैयार करना।

2-उपलब्धि परीक्षण निर्माण

3-प्राप्तांकों का सांख्यिकीय विश्लेषण एवं ग्रेड निर्धारण।

4-सीबीएसई बोर्ड या राज्य बोर्ड द्वारा आयोजित दसवीं या बारहवीं की वार्षिक परीक्षा के प्रश्न पत्रों का विश्लेषण।

5- इकाई सम्बन्धित प्रदत्त कार्य।

अध्येयग्रन्थ-

1.गुप्ता, एस.पी.(2001) आधुनिक मापन एवं मूल्यांकन, शारदा पुस्तक भवन, इलाहाबाद।

2.गुप्ता, एस.पी.(1998)शिक्षा में सांख्यिकी, शारदा पुस्तक भवन, इलाहाबाद।

3. अस्थाना, विपिन(1999) मनोविज्ञान और शिक्षा में मापन एवं मूल्यांकन, विनोद पुस्तक मंदिर, आगरा।

4. भार्गव, महेश(1990) आधुनिक मनोवैज्ञानिक परीक्षण एवं मापन, भार्गव बुक डिपो, आगरा।

5.पाण्डेय, के.पी.(2006) शिक्षा में मापन एवं मूल्यांकन, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी।

6.पाठक, आर.पी.(2013) शैक्षिक मापन एवं मूल्यांकन में मनोवैज्ञानिक परीक्षण, कनिष्का प्रकाशन,नईदिल्ली

7.लाल, रमन बिहारी एवं पलोड़ सुनीता(1995) शैक्षिक मापन एवं मूल्यांकन, आर. लाल बुक डिपो,मेरठ(उ.प्र.)

8.शर्मा, आर.ए.(1990) शैक्षिक एवं मानसिक मापन, आर. लाल बुक डिपो, मेरठ (उ.प्र.)

9. भटनागर, ए.बी.(2000) शैक्षिक एवं मानसिक मापन, आर. लाल बुक डिपो, मेरठ (उ.प्र.)

10.अस्थाना, विपिन(2019) अधिगम के लिए आकलन, अग्रवाल पब्लिकेशन्स आगरा।

11.गुप्ता, एस.पी., गुप्ता अलका (2016) अधिगम हेतु आकलन, शारदा पुस्तक भवन, इलाहाबाद।

12.पाठक, आर.पी. एवं मोहन, रचना वर्मा (2019) अधिगम आकलन मापन एवं मूल्यांकन, कनिष्कपब्लिशिंगहाऊस,नईदिल्ली।

13. Garrette, H. E.(1982) Statics in Psychology and Education, Vakils Fffer and Simons. Pvt. Ltd. Bombay.

14.Guilford & Fruchter (1987) Fundamental Statistics in Psychology and Education McGraw Hill, New Delhi.

15. Viswanathappa, G(2020) Assesment of Learning, Neelkamal Publication, New Delhi

16. Ramkirisha, Mrunalini, Sunitha, Sharma(2020) Assesment for Learning, NeelkamalPublication,NewDelhi

17. Nagaraju etc. (2020) Learning Assesment Neelkamal Publication, New Delhi

18. Reynolds, Livingston Willson (2011) Measurment and Assessement in

Education (2011) PHI Learning Pvt. Ltd., NewDelhi
19. MehtaVI, First Mental Measurement Handbook for NCERT, New Delhi.
The concept of Evaluation in Education, NCERT, New Delhi.
20. Thorndike And Hagen(1970) Measurement of Evaluation in Psychology and Education,Wiley Easten Pvt. Ltd., New Delhi.
21. Bloom et al.(1956) Taxonomy of Education Objectives, Hand Book I David Me kay Company New Delhi.
22.Simpson(1988) The Classification of Education Objectives, Pyschomotor Domain Illinois Teachers of Home Economics.
23. Ebel.(1965) Measuring Educational Achievement, Prentice Hall, New Delhi
24. Freeman(1965) Theory and Practices of Psychological Testing, Oxford IBH Publishing Co.,New Delhi
25. Lindquist, Educational Measuremant, American Council on Education, Washington, D.C, U.S.A.
26. Pathak, R.P. (2010) Measurement and Evaluation in Education, Pearson Publication, New Delhi
27.NEP 2020
28.CBSE(2009) शिक्षक संदर्शिका (कक्षा IX और X का विद्यालय आधारित मूल्यांकन संदर्शिका)।
29.CBSE(2019) Continuous and Comprehensive Evaluation Guidelines.
30.CBSE(2021) Handbook of Assessment and Evaluation: Best Practices in Item Design and Test Development.
29.वेब लिंक- स्वयंप्रभा, स्वयं, यूट्यूब, ई.पी.जी. पाठशाला, मूक्स, ई-ज्ञानकोश इत्यादि।

८. भारतीय ज्ञान परम्परा

(Indian Knowledge Tradition)

कोर्स कोड = 123 N | कुल क्रेडिटस = 04
क्रियान्वयन घण्टे = 04 घण्टे / सप्ताह | कुल अङ्क = 100

कोर्स अधिगम परिणाम (Course Learning Outcomes)

इस कोर्स के अध्ययनोपरान्त विद्यार्थी: -

- भारतीय ज्ञान स्रोतों से अवगत हो सकेंगे।
- भारतीय शिक्षा प्रणाली को अवबोध कर सकेंगे।
- भारतीय विज्ञान एवं गणित के योगदान को स्पष्ट कर सकेंगें
- भारतीय संस्कृति, समाज एवं अर्थव्यवस्था का वैश्विक सन्दर्भ में महत्व स्पष्ट कर सकेंगे।
- भारतीय कला एवं स्थापत्य के वैशिष्टय की व्याख्या कर सकेंगे।

पाठ्यवस्तु:-

इकाई -1. भारतीय ज्ञान परम्परा - अवधारणा एवं विशेषताएँ, भारतीय वाङ्मय वेद, वेदाङ्ग, उपनिषद, स्मृति, पुराण, श्रीमद्भगवद्गीता, बौद्ध, जैन तथा प्रमुख लोक साहित्य ।

इकाई -2. भारतीय शिक्षा प्रणाली - गुरुकुल, आश्रम, शिक्षा संस्थान - तक्षशिला , नालन्दा , विक्रमशिला , जगदला, ओदन्तपुरी, नागार्जुनकोंडा, वलभी, काञ्चीपुरम् , पुष्पगिरि, तेल्हाडा विश्वविद्यालय , मणिखेत , शारदापीठम् । शिक्षण प्रणाली - चतुर्धुवात्मक प्रक्रिया , गुरु-शिष्य प्रणाली , कक्षा नायक पद्धति।

इकाई -3. भारतीय विज्ञान एवं गणित - खगोल विज्ञान , कृषि, स्वास्थ्य विज्ञान, वनस्पति विज्ञान, यज्ञ विज्ञान, धातु एवं रसायन विज्ञान **प्रमुख** भारतीय गणितज्ञों का परिचय एवं योगदान।

इकाई -4. भारतीय संस्कृति, समाज एवं अर्थव्यवस्था - अवधारणा विशेषताएँ एवं वैश्विक सन्दर्भ में महत्व। पुरुषार्थ, संस्कार (षोडश), वर्णाश्रम, सामाजिक व्यवस्था , भारतीय आहार , लोकपर्व । कौटिल्य अर्थशास्त्र - राजनीति, अर्थनीति, आजीविका न्यायव्यवस्था का सामान्य परिचय ।

इकाई -5. भारतीय कला एवं स्थापत्य - संगीत (गायन,वादन एवं नृत्य) शास्त्रीय एवं लोक, आचार्य भरत एवं नाट्यशास्त्र। स्थापत्य - वास्तु कला, मन्दिर स्थापत्य, जल संचयन एवं भण्डारण, शिल्प एवं चित्रकला ।

सत्रीय कार्य—निम्नलिखित में से दो — **25 अंक**

१— संस्कृत वाड्.मय का समालोचनात्मक प्रतिवेदन निर्माण एवं प्रस्तुतीकरण।
२— याज्ञिक क्रियाओं में प्रतिभाग एवं प्रतिवेदन लेखन।
३— प्राचीन शिक्षण विधियों के माध्यम से कक्षा में प्रस्तुतीकरण।
४. प्राचीन एवं आधुनिक समाज विज्ञान का तुलनात्मक अध्ययन।
५. प्राचीन एवं आधुनिक व्यवसायों का तुलनात्मक अध्ययन।
६. भारतीय ग्रन्थों में वर्णित आहार नियम सम्बन्धी श्लोकों का संकलन एवं प्रस्तुतीकरण।

अध्येय ग्रन्थ—

1. अक्षर अभिज्ञान – करुणालाल, भारतीय विद्या प्रकाशन, वाराणसी।
2. अभिनव मनोविज्ञान - प्रभु दयाल अग्निहोत्री, संपूर्णानंद ग्रंथमाला, वाराणसी 1994।
3. अष्टांग संग्रह – वृद्धवाग्भट्टाचार्य, चौखंबा संस्कृतिप्रतिष्ठान, वाराणसी, 2005।
4. अष्टांग हृदयम- वाग्भट, चौखम्बा पब्लिकेशन्स, नई दिल्ली।
5. आगम रहस्यम श्री सरयू प्रसाद द्विवेदी, चौखंबा प्रकाशन, वाराणसी।

6. ईशा दश उपनिषद   गीता प्रेस, गोरखपुर।
7. चरक संहिताचक्रपाणि दत्त मुंशी, राम मनोहर लाल पब्लिकेशंस, वाराणसी।
8. नाट्यशास्त्र आचार्य देव प्रसाद द्विवेदी, भारतीय उच्च अध्ययन संस्थान, नई दिल्ली।
9. पतंजलि योग दर्शन व्यास, ईस्टर्न बुक लिंक दिल्ली।
10. प्राचीन भारत की शिक्षा पद्धति कृष्ण कुमार मयंक, प्रकाशन हरिद्वार 1999।
11. प्राचीन भारतीय मनोवि विद्या श्री दिनेश चंद्र शास्त्री, कोलकाता विश्वविद्यालय, कोलकाता 1972।
12. भारतीय दर्शन जयदेव वेद अलंकार, न्यू भारतीय बुक कॉरपोरेशन, दिल्ली।
13. भारतीय भाषा दर्शन विजयपाल शास्त्री, सत्यम पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली।
14. भारतीय संस्कृति प्रीति प्रभा गोयल, राजस्थानी ग्रंथगर, जोधपुर।
15. भाषा परिचय   श्री पंचानन शास्त्री, चौखंबा प्रकाशन, वाराणसी।
16. मनुस्मृति   ठाकुर प्रकाशन, हैदराबाद।
17. रसरत्न समुच्चय वाग्भटाचार्य , महेर चंद्र लक्षण दास, पब्लिकेशंस, नई दिल्ली।
18. रसार्णवम् पीसी राय, ओरिएंटल बुक सेंटर, दिल्ली।
19. वेदों में समाजशास्त्र अर्थशास्त्र और शिक्षा शास्त्र कपिल देव द्विवेदी विश्व भारती अनुसंधान परिषद, ज्ञानपुर।
20. वेदिक शिक्षा पद्धति मिश्र, महर्षि शांति बनी राष्ट्रीय वेद विद्या प्रतिष्ठानों, उज्जैनी, 2003।
21. शिक्षा शास्त्र   पाणिनी विरचित उदयनाचार्य भाष्य, रामलाल कपूर ट्रस्ट, हरियाणा।
22. संस्काराणां पर्यालोचनम् जयकृष्ण मिश्र, श्री जगन्नाथ संस्कृत विश्वविद्यालय, पुरी 2005।
23. सुभाषितसाहस्त्री सत्यव्रत शास्त्री, श सं सं मां वि, नई दिल्ली।
24. Mithali Chatterjee - Education in Ancient India; D.K.Rint world Pvt. Ltd., New Delhi.
25. A.S.Altekar - Education in Ancient India; Asha books, Delhi, 2009.
26. R.D.Ranade - An Encyclopaedic History of Indian Philosophy - Constructure Survey of Upanishdic Philosophy; Oriental Book Agency, Poona.
27. Banerja,P. (1916). public Administration in Ancient India, Macmillan, London.
28. Rangarajan, L.N. (1987). The Arthashastra, Penguin Book, New Delhi.
29. Shamassastry, R. (1929). Kautilyas Arthasastra, 3rd Edition., The Weleyan Mission, Press, Mysuru.
30. Indian Knowledge System ...... plz once check in our library.
31. Since in Sanskrit – Sasmskrita Bharathi, Denadayala Upadhyaya marg, New Delhi.
32. The Pride of India – Sasmskrita Bharathi, Denadayala Upadhyaya marg, New Delhi.
33. वैदिकवाङ्मयस्येतिहास: भारतीयसंस्कृतिश्च मुक्तस्वाध्यायपीठम्, केन्द्रीयसंस्कृतविश्वविद्यालय: , नवदेहली।

आभासीय पटल

1. :: Indian Knowledge Systems :: (iksindia.org)
2. Indian Knowledge System (vajiramandravi.com)
3. Indian Knowledge Systems | MyGov.in
4. INDIAN KNOWLEDGE SYSTEM | IAS GYAN

9. संस्कृत शिक्षण

(Teaching of Sanskrit)

कोर्स कोड = 124 कुल क्रेडिट्स= 04

क्रियान्वयन घण्टे = 04 घण्टे/सप्ताह कुल अंक = 100

कोर्स अधिगम परिणाम (Course Learning Outcomes)

इस कोर्स के अध्ययनोपरान्त विद्यार्थीः–

– शिक्षण के विभिन्न स्तरों पर संस्कृत भाषा शिक्षण के उद्देश्य एवं महत्त्व का प्रतिपादन कर सकेंगे।

– संस्कृत भाषा विज्ञान के सम्प्रत्ययात्मक तत्त्वों का अवबोध विकसित कर सकेंगे।

– संस्कृत भाषा में प्रयुक्त शिक्षण विधियों के अनुप्रयोग में दक्षता कर सकेंगे।

– रचनावादी उपागम के परिप्रेक्ष्य में संस्कृत शिक्षण की विविध विधाओं के शिक्षण में दक्ष हों सकेंगे।

– शिक्षण की विविध विधाओं की रचनावादी उपागम के परिप्रेक्ष्य में पाठयोजना निर्माण कर सकेंगे।

– संस्कृत शिक्षण में रुचि हेतु शिक्षण अधिगम सामग्री निर्माण एवं प्रयोग में कुशलता विकसित कर सकेंगे।

– पाठ्यसहगामी क्रियाओं के आयोजन में दक्षता विकसित कर सकेंगे।

– संस्कृत में विभिन्न आकलन प्रविधियों के प्रयोग सम्बन्धी कुशलता विकसित कर सकेंगे।

पाठ्य–वस्तु (Content) 75 अंक

इकाई–१: संस्कृत भाषा परिचय एवं अधिगम प्रविधि –संस्कृत भाषा का उद्भव एवं विकास, भाषा कौशल, संस्कृत भाषा का महत्त्व। संस्कृत भाषा का अन्य भाषाओं के साथ संबंध। बहुभाषिकता, आधुनिक भारत में संस्कृत अध्यापन का महत्त्व। पाठ्यक्रम में संस्कृतभाषा का स्थान एवं त्रिभाषा सूत्र। परम्परागत एंव आधुनिक विद्यालयों में विविध स्तरों पर संस्कृत शिक्षण के उद्देश्य। संस्कृत भाषा अधिगम प्रविधि।

इकाई–२: संस्कृत भाषा विज्ञान एवं शिक्षण विधियाँ– संस्कृत भाषा विज्ञान–स्वनिम स्वर विज्ञान, ध्वनि विज्ञान, रूप विज्ञान, वाक्य विज्ञान: संक्षिप्त परिचय एवं चयनित प्रकरणों पर भाषा प्रयोगशाला की सहायता से अभ्यास ।

(ख) शिक्षण विधियाँ– पारम्परिक विधि, परिचर्चा विधि, दण्डान्वय विधि, खण्डान्वय विधि, भण्डारकर विधि, वाकोवाविधि पाठ्यपुस्तक विधि, आगमन–निगमन विधि, रचनावादी उपागम आधारित शिक्षण विधियाँ (क्रीड़ा विधि, सम्प्रत्यय चित्रण, सहयोगात्मक विधि, समस्या समाधान विधि) ।

इकाई–३: – संस्कृत शिक्षण की विविध विधाएँ एवं पाठयोजना निर्माण (स्तरानुसार)– गद्य शिक्षण कथा शिक्षण, निबन्ध शिक्षण पद्य शिक्षण–श्लोक शिक्षण, गीत शिक्षण। नाटक शिक्षण–संवादात्मक शिक्षण, मञ्चनीय नाटक शिक्षण। व्याकरण शिक्षण, रचना शिक्षण, अनुवाद शिक्षण (इनका स्वरूप, उद्देश्य एवं पाठयोजना निर्माण) रचनावादी उपागम अधारित पाठयोजना निर्माण ।

इकाई–४: संस्कृत शिक्षण अधिगम सामग्री– चार्ट, चित्र, प्रतिकृति,स्फोरक पत्र, ई–संसाधन (निर्माण एवं अनुप्रयोग)। शब्दकल्पद्रुम, रूपचन्द्रमाला, वाचस्पत्यह, PPT निर्माण, अमरकोश।, डयूटारियल्स।

पाठ्य सहगामी क्रियाऐं– सम्भाषण, भाषा क्रीडाएं, वाद–विवाद, गोष्ठी, अन्त्याक्षरी, संगोष्ठी एवं अन्य क्रियाएं। ई–संसाधन निर्माण।

संस्कृत सन्दर्भ पुस्तकों की शिक्षणशास्त्रीय पद्धति–(NCERT द्वारा प्रकाशित अभ्यास पुस्तिका प्रयोग, संस्कृत साहित्य का परिचय, व्याकरण शिक्षण, कक्षा–९,१०,११,१२ के लिये)।

इकाई–५: आकलन– अभिप्राय, प्रकार–योगात्मक, संरचनात्मक तथा आकलन प्रविधियाँ, अच्छे आकलन की विशेषताएं, प्रश्न पत्र निर्माण।

- परम्परागत आकलन विधियाँ–शलाका, प्रश्नोत्तर, शास्त्रार्थ, मौखिक परीक्षा।
- भाषा कौशल आधारित निष्पादन परीक्षण।
- ई–आकलन।

सत्रीय कार्य– निम्नलिखित में से कोई दो **25 अंक**

१– संस्कृत के विविध स्तरीय पाठ्यक्रमों का विश्लेषण।
२–संस्कृत वार्ता पत्रिकाओं का संकलन एवं परिचर्चा आधारित प्रतिवेदन।
३–संस्कृत वार्ता में उच्चारण, शब्द चयन एवं संवाद।
४–भाषा प्रयोगशाला आधारित उच्चारणाभ्यास तथा संस्कृतवार्ता– विविध संदर्भों में।
५–संस्कृत की विभिन्न विधाओं पर पाठयोजना का निर्माण।
६– संदर्भित वाक्य प्रयोग–संस्कृत वातावरण निर्माण।

अध्येय ग्रन्थ–

1. सफाया, आर.एन. (1990) संस्कृत शिक्षण, हरियाणा ग्रन्थ अकादमी, चंडीगढ, हरियाणा।
2. पाण्डेय, आर.एस., (1995) संस्कृत शिक्षण, विनोद पुस्तक मंदिर, आगरा (उ.प्र.)।
3. द्विवेदी, वाचस्पति, (1985) संस्कृत शिक्षण विधि, सुशील प्रकाशन, पटना, बिहार।
4. शर्मा च.ल.ना. एवं सिंह फतेह, (1997) संस्कृतशिक्षणम्-नवीनप्रविधयश्च, आदित्यप्रकाशनम्, जयपुरम्।
5. झा, नागेन्द्र, (1995) वैदिक शिक्षा पद्धति एवं आधुनिक शिक्षा पद्धति, वैंकटेश प्रकाशन, दिल्ली।
6. आप्टे, डी.जी एण्ड डोगरे, पी.के., (1990) टीचिंग ऑफ संस्कृत इन सेकण्डरी स्कूल।
7. मित्तल, संतोष, (1997) संस्कृतशिक्षणम्, लाल बुक डिपो, मेरठ (उ.प्र.)।
8. सिंह, कर्णी, (1990) संस्कृतशिक्षण, राजस्थान हिन्दी ग्रन्थ अकादमी, जयपुर।
9. उपाध्याय, भुवनेश, (1995) संस्कृतशिक्षणम्, भारतीय विद्या प्रकाशन जगतगंज, वाराणसी (उ.प्र.)।
10. शर्मा मुरलीधरः, (1995) संस्कृतशिक्षणसमस्याः राष्ट्रियसंस्कृतविद्यापीठम् तिरूपतिः (आन्ध्रप्रदेश)।
11. मिश्र लोक मान्य, (1997) भारतीया पुरातनी शिक्षा, विरामखण्ड, गोमती नगर लखनऊ (उ.प्र.)।
12. मिश्रा, सन्त कुमार (2000) संस्कृत शिक्षण, आर.लाल. बुक डिपो, मेरठ, (उ.प्र.)।
13. झा, उदयशंकरः(2010), संस्कृतशिक्षणम्, चौखम्बाप्रकाशनम्, वाराणसी।
14. मित्तलः, संतोषः, (2020) संस्कृतशिक्षणम्, नवचेतनाप्रकाशनम्, जयपुरम्।
15. उच्चप्राथमिकस्तरीय संस्कृतशिक्षणसंदर्शिका (2020), शिक्षण अधिगम केन्द्र, श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, नई दिल्ली।
16. माध्यमिकस्तरीय संस्कृतशिक्षणसंदर्शिका (2020), शिक्षण अधिगम केन्द्र, श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, नई दिल्ली।

ई-सामग्री- संस्कृतभाषाशिक्षणम् (DVD ALBUM)
स्वयंप्रभा (SWAYAM PRABHA)

स्वयं, (SWAYAM)
यूट्यूब, (YOU TUBE)
ई.पी.जी. पाठशाला, (EPG PATHASHALA)
मूक्स (MOOCS) ,वेब लिंक, (WEB LINKS) इत्यादि।

कोर्स कोड = 125

10. अन्य विद्यालयीय विषय शिक्षण

निर्देश : निम्नलिखित में से किसी एक विषय का चयन करें।

10.I Teaching of English

Course Code= 125 (i) **Total Credits** = 04
Transaction Hours = 04 **Hours/Week** **Maximum Marks** = 100

Course Learning Outcomes

After the completion of this course, Students will be able to-

- develop insight in the nature of English language at school level.
- prepare teaching plan of various forms of English.
- use various methods & approaches of teaching English.
- develop and use various kinds of Teaching Learning Resources.
- assess the learning of the school students in English through various tests and techniques.

Course Content- **75 Marks**

Unit- I: Nature of English Language –
- Nature, Functions, Importance
- Linguistic Principles
- Aims and Objectives at different school levels
- Introduction to English Phonology, Morphology and Syntax.
- Development of Linguistic skills: Listening, Speaking, Reading and Writting

Unit- II: Teaching and Planning of Various Forms of English-
- Behavioural Objectives and Learning Outcomes
- General Teaching plans for Prose, Poetry, Grammar & Composition.
- Constructivism Based Lesson plan and Teaching

Unit- III: Methods and Approaches of Teaching English-
- **Methods**: Translation, Direct & Bilingual.
- **Approaches:** Situational, Structural, Communicative & Constructive: Meaning, Principles and Techniques.

Unit- IV: Teaching Learning Resources
- Meaning, Need and Use
- Development of different types of Teaching Learning Resources: Writing Boards, Pictures, Charts, Models, E-resources-PPT, Pdf', Images, Offline/ Online Worksheets, Audios, Videos.
- **Language Laboratory**: Need, Types and Use.

Unit- V: Assessment in English Teaching-
-Construction of Objective Type Questions, Short Type Questions and Essay Type Questions
- Preparation of Diagnostic Test
- Preparation of an Achievement Test
-Use of Formative Assessment Techniques in English.

Sessional Work: Any two of the following- **25 Marks**

1. Preparation of teaching plan on one topic of each Prose, Poetry and Grammar.
2. Development of Teaching Learning Resources.
3. Preparation of a Dignostic Test.
4. Preparation of an Achievement Test.

Suggested Readings:-

1. Sachdeva, M.S. (2003) Teaching of English in India, Tandon Publication, Ludhiana
2. Pandey, K.P., Pandey Bhardwaj Amita (1996) Teaching of English in India, Vishwavidyalaya Prakashn, Chowk, Varanasi.
3. Jain R.K, Sharma (2005) Essentials of English, Vinod Pustak Mandir, Agra
4. Kohli A.L. (1996) Techniques of Teaching English, Dhanpat Rai & sons, Nai Sarak, New Delhi
5. Sharma Kusum (2007) A Hand Book of English Teaching, Radha Prakashn Mandir, Agra
6. Rai, Geeta (1995) Teaching of English, R.Lal Book Depot, Meerut
7. Sharma, R.A. (2000) Teaching of English, R.Lal Book Depot, Meerut
8. VDM Verlag Dr. Muller, An introduction to English teaching- A Text Book for English Educators ISBN-9783639227314.
9. NCERT Position Paper - National Focus Group on Teaching of English
10. Broughton, Geoffrey & all (1980) Teaching English as a foreign Language, Second editionUniversity of London Institute of Education.
11. National Education Policy-2020 Document of Goverment of India.
12. National Curriculum Framework-2023
13. National Digital Library of India (NDL).
14. Sharma, Asha (2015) Pedagogy of English, Vijaya Publications, Ludhiana.

Web Links

- SWAYAM PRABHA, SWAYAM, YOU TUBE, EPG PATHASHALA, MOOCs & E-RESOURCE.
- Swayam Course in English- Communicative English Course
  Link- https://onlinecourses.swayam2.ac.in/cec24_lg08/preview

10.II हिन्दी शिक्षण

(Teaching of Hindi)

कोर्स कोड = 125 (ii) कुल क्रेडिटस = 04

क्रियान्वयन घण्टे = 04 घण्टे/सप्ताह कुल अंक = 100

कोर्स अधिगम परिणाम (Course Learning Outcomes)

इस कोर्स के अध्ययनोपरान्त विद्यार्थीः—

- हिन्दी भाषा की अवधारणा और उसके रूपों को स्पष्ट कर सकेंगे।
- हिन्दी भाषा के उदेश्यों और महत्व को व्याख्या कर सकेंगे।
- साहित्यिक विधाओं के शिक्षण के लिए विधियों, प्रविधियों एवं दृश्य—श्रव्य सामग्री का चयन, निर्माण और प्रयोग कर सकेंगे।
- उच्चारण एवं वर्तनी से सम्बन्धित दोषों की पहचान कर सुधारात्मक युक्तियों द्वारा उन्हें दूर कर सकेंगे।
- हिन्दी भाषा शिक्षण की विधाओं की पाठ योजना निर्माण कर सकेंगे।
- हिन्दी शिक्षण में मूल्यांकन प्रक्रिया को जानकर उसका अनुप्रयोग कर सकेंगे।

पाठ्य—वस्तु (Content) **75 अंक**

इकाई—१: भाषा की अवधारणा— (भाषा, मातृभाषा, राजभाषा) हिन्दी का उद्गम और विकास, हिन्दी ध्वनियाँ एवं विशेषताएं, हिन्दी शिक्षण के उद्देश्य एवं महत्त्व, हिन्दी का पाठयक्रम में स्थान (संवैधानिक स्थिति, विभिन्न शिक्षा आयोगो एवं समितियों के संदर्भ में)। त्रिभाषा सूत्र— प्रथम, द्वितीय तथा अन्य भाषा की संकल्पना (विद्यालयी शिक्षा के सन्दर्भ में)।

इकाई—२: भाषा कौशल का विकास— भाषा कौशल: अर्थ, प्रकार, उदेश्य, महत्व एवं शिक्षण विधियाँ।

श्रवण कौशल: अर्थ, प्रकार, उद्देश्य, महत्व एवं शिक्षण विधियाँ।

वाचन/पठन कौशल: अर्थ, प्रकार, उद्देश्य, महत्व एवं शिक्षण विधियाँ, दोष और निराकरण।

मौखिक अभिव्यक्ति कौशल: अर्थ, उद्देश्य, महत्व एवं शिक्षण विधियाँ।

लेखन कौशल: अर्थ, उद्देश्य, प्रकार, महत्व, मुख्य सावधानियाँ एवं शिक्षण विधियाँ।

इकाई—३: हिन्दी की विभिन्न विधाओं का शिक्षण —(गद्य, पद्य, नाटक, व्याकरण एवं रचना शिक्षण) परिचय, उद्देश्य, महत्व एवं शिक्षण विधियाँ।

हिन्दी शिक्षण पाठयोजना: आवश्यकता एवं महत्व, विविध उपागमों का परिचय, रचनावादी उमागम का निर्माण एवं प्रस्तुतीकरण (उच्च प्राथमिक एवं माध्यमिक कक्षाओं हेतु)

इकाई—४: (क) शिक्षण अधिगम सामग्री (TLM) **निमार्ण एवं उपयोग**— अर्थ, उद्देश्य, महत्व एवं अनुप्रयोग। Ppt, Blog, Google Form, पहेली निमार्ण, World Wall, word cloud ।

भाषा एवं साहित्य विकास की गतिविधियाँ: कवि सम्मेलन, कवि गोष्ठी, विद्यालय पत्रिका, भित्ति पत्रिका, अभिनय, वाद —विवाद, अन्त्याक्षरी: अर्थ आवश्यकता एवं अनुप्रयोग।

इकाई—५: भाषा मूल्यांकन प्रक्रिया— अर्थ एवं महत्व। परीक्षण के प्रकार— मौखिक, वस्तुनिष्ठ, लघुत्तरीय, निबन्धात्मक। सतत एवं व्यापक मूल्यांकन— हिन्दी शिक्षण के सन्दर्भ में। पाठ्यक्रम निमार्ण की प्रक्रिया—NCF-2023 के सन्दर्भ में।

सत्रीय कार्य— निम्नलिखित में से कोई दो: **25 अंक**

१—उच्चारण आधारित अभ्यास भाषा प्रयोगशाला के माध्यम से।

२—पाठयोजना निर्माण।

३—शिक्षण अधिगम सामग्री निर्माण।

४—शब्द भण्डार विकास।

५—ललित निबन्ध लेखन प्रकरण आधारित।

६—सूक्ति संकलन एवं परिचर्चा आधारित प्रतिवेदन।

७—पाठ्यपुस्तक समीक्षा।

अध्येय ग्रन्थ—

१. पाण्डेय आर.एस. (१९९५) हिन्दी शिक्षण विनोद पुस्तक भण्डार आगरा (उ.प्र.)

२. शर्मा ब्रजेश्वर, (२०००) भाषा शिक्षण और भाषा विज्ञान केन्द्रीय हिन्दी भाषा आगरा (उ.प्र.)

३. भाई योगेन्द्रजीन, (२००३) हिन्दी भाषा शिक्षण विनोद पुस्तक भण्डार आगरा (उ.प्र.)

४. श्रीवास्तव रवीन्द्र, (२०१०) भाषा शिक्षण मैकमिलेन कम्पनी दरियागंज, नई दिल्ली

५. चतुर्वेदी, शिखा (२००५) हिन्दी शिक्षण, आर. लाल बुक डिपो, मेरठ, (उ.प्र.)

६. शर्मा, बी. एल. (२००२) हिन्दी शिक्षण, आर. लाल बुक डिपो, मेरठ, (उ.प्र.)

७. मंगल,उमा, (२०१८) हिन्दी शिक्षण, बुकमैन प्रकाशान, दिल्ली।

८. डबास, जयदेव(२०१९) हिन्दी भाषा शिक्षा, दोआबा हाउस दिल्ली।

९. लाल, रमन बिहारी(२०१९) हिन्दी शिक्षण, अनु बुक्स, मेरठ।

१०. पाठक, आर.पी.(२०१६) हिन्दीं भाषा शिक्षण, कनिष्का प्रकाशन, नई दिल्ली।

ई सामग्री

वेब लिंक- स्वयं प्रभा, स्वयं, यूट्यूब, ई.पी.जी. पाठशाला, मूक्स।

10.III सामाजिक अध्ययन शिक्षण

(Teaching of Social Studies)

कोर्स कोड = 125 (iii)
क्रियान्वयन घण्टे = 04 घण्टे/सप्ताह

कुल क्रेडिट्स= 04
कुल अंक = 100

कोर्स अधिगम परिणाम (Course Learning Outcomes)

इस कोर्स के अध्ययनोपरान्त विद्यार्थीः—

— सामाजिक अध्ययन विषय के विभिन्न घटकों का वर्णन कर सकेंगे।
— सामाजिक अध्ययन शिक्षण पाठ्यचर्या एवं पाठ्यक्रम के सिद्धान्तों एवं प्रकारों को नीतियों से सन्दर्भित कर सकेंगे।
— सामाजिक अध्ययन शिक्षण की विविध विधियों एवं प्रविधियों में अन्तर स्पष्ट कर सकेंगे।
— सामाजिक अध्ययन शिक्षण में पाठयोजना निर्माण के विभिन्न उपागमों एवं प्रकारों का विश्लेषण कर सकेंगे।
— सामाजिक अध्ययन शिक्षण हेतु पाठयोजना, शिक्षण उपकरण एवं मूल्यांकन पत्र का निर्माण कर सकेंगे।

पाठ्य—वस्तु (Content) **75 अंक**

इकाई — १ : सामाजिक अध्ययन का स्वरूप—अवधारणा, अन्तर्नुशासनात्मक प्रकृति, उद्देश्य, महत्व और क्षेत्र।

इकाई — २ : सामाजिक अध्ययन का पाठ्यक्रम— चयन एवं निर्माण के सिद्धान्त। पाठ्यचर्या और पाठ्यक्रम में अन्तर, राष्ट्रीय और केन्द्रिक पाठ्यचर्या (राष्ट्रीयशिक्षा नीति १९८६ एवं २०२० के संदर्भ में) NCF-2023 के संदर्भ में।

इकाई —३ : सामाजिक अध्ययन शिक्षण की विधियाँ— व्याख्यानविधि, प्रदर्शनविधि, प्रायोजना विधि, वार्तालापविधि, समस्यासमाधानविधि, स्रोतविधि, प्रश्नोत्तरविधि।। **प्रविधियाँः** प्रश्न पूछना, अवलोकन, वादविवाद, पैनल— चर्चा एवं मस्तिष्क उद्वेलन(**Brain Storming**)

इकाई — ४ : सामाजिक अध्ययन शिक्षण की पाठयोजना— इकाई योजना तथा पाठयोजना की आवश्यकता, महत्व एवं निर्माण। पाठयोजना के उपागम(हरबर्ट, ब्लूम, **RCEM** एवं रचनावादी) का सामान्य परिचय। पाठयोजना के सोपान, अनुदेशनात्मक उद्देश्य (इतिहास, भूगोल नागारिकशास्त्र,अर्थशास्त्र) का सामाजिक अध्ययन शिक्षण के संदर्भ में।

इकाई — ५ : सामाजिक अध्ययन शिक्षण में शिक्षण सहायक सामग्री (TLM) **एवं सामुदायिक संसाधनों का उपयोग**—

(क) **संसाधन**— श्रव्य—दृश्य साधन, महत्व निमार्ण एवं उपयोग, सामाजिक अध्ययन में प्रयोगशाला, सामुदायिक संसाधनों तथा समाजिक अध्ययन प्रयोगशाला के उपयोग में शिक्षक की भूमिका।
(ख) **सामाजिक अध्ययन शिक्षण में मूल्यांकन**— कक्षा—कक्ष आंकलन के साधन तथा प्रश्न पत्र निमार्ण।

सत्रीय कार्य— निम्नलिखित में से कोई दो **25 अंक**

१— सामाजिक अध्ययन और सामाजिक मुद्दे पर व्यष्टि अध्ययन आधारित प्रतिवेदन तैयार करना
२— सामाजिक मुद्दे से संबधित समाचार पत्र की कतरने संकलित करके चर्चा एवं प्रतिवेदन प्रस्तुत करना

३– प्रदर्शनी, संग्रहालय, प्रयोगशाला, प्रकोष्ठ पर प्रतिवेदन तैयार करना
४– सामाजिक अध्ययन शिक्षण से संबधित विषय पर सहायक सामग्री निर्माण करना
५– वस्तुनिष्ठ परीक्षण के प्रश्नपत्रों का निर्माण करना
६– पाठयोजना निर्माण एवं अभ्यास
७– पाठयोजना निर्माण एवं अभ्यास (5E पाठयोजना)

अध्येय ग्रन्थ–

१. बाइनिंग एण्ड बाइनिंग (१९८५) टीचिंग आफ सोशल स्टडीज, मैकग्राहिल न्यूयार्क
२. पाठक. आर.पी. (२०१०) : दि टीचिंग ऑफ सोशल स्टडीज, अटलांटिक पब्लिर्शस दरियागंज, नई दिल्ली ।
३. तनेजा, वी.आर. (१९८८) : सामाजिक अध्ययन शिक्षण मार्डन पब्लिर्शस, लुधियाना
४. शर्मा वेणीमाधव (१९८०) : सामाजिक अध्ययन की शिक्षा,धनपतराय एण्ड सन्स, नई दिल्ली
५. शैदा,बी.डी.और गुप्ता अमृतलाल (१९८२) : बेसिक सामाजिक अध्ययन, एशिया प्रकाशन, मुम्बई
६. रामपाल सिंह (१९८५) : सामाजिक अध्ययन शिक्षण, राजस्थान हिन्दी ग्रन्थ अकादमी,जयपुर
७. चौधरी और गोयल (१९९०) : स्किल्स इन सोशल स्टडीज, नमन प्रकाशन, नई दिल्ली
८. शर्मा,एम.बी (१९८८) : सामाजिक अध्ययन की शिक्षण विधि, कनिष्का प्रकाशन, नई दिल्ली
९. पाठक. आर.पी. (२०१०) : सामाजिक अध्ययन शिक्षण राधा प्रकाशन, अंसारी रोड, दरियागंज, नई दिल्ली
१०. त्यागी गुरूसरन दास (१९९५) : सामाजिक अध्ययन शिक्षण, आलोक प्रकाशन, लखनउ
११. Pathak, R.P. (2012) Teaching of Social Seciences, Pearson Education, Noida U.P.

ई सामग्री

वेब लिंक - स्वयं प्रभा, स्वयं, यूट्यूब, ई.पी.जी. पाठशाला, मूक्स।
WWW.ukou. edu.in
WWW. ignou. Bed.ac.in

10.IV गणित शिक्षण

(Teaching of Mathematics)

कोर्स कोड = 125 (iv)
क्रियान्वयन घण्टे = 04 घण्टे/सप्ताह

कुल क्रेडिट्स= 04
कुल अंक = 100

कोर्स अधिगम परिणाम (Course Learning Outcomes)

इस कोर्स के अध्ययनोपरान्त विद्यार्थी:—

— गणित की प्रकृति एवं क्षेत्र की व्याख्या कर सकेंगे।
— प्रमुख भारतीय गणितज्ञों का परिचय प्राप्त कर उनके योगदान का विश्लेषण कर सकेंगे।
— गणित शिक्षण का अन्य विषयों से सम्बन्ध निरूपण कर सकेंगे।
— गणित क्लब, गणित खेल एवं गणित प्रयोगशाला आदि का नियोजन, संयोजन एंव आयोजन कर सकेंगे।
— अंकगणित, बीजगणित और रेखागणित से संबंधित प्रकरण की पाठयोजना निर्माण करने की क्षमता को विकसित कर सकेंगे।
— अधिगम आकलन प्रक्रिया में दक्ष हो सकेंगे।

पाठ्य—वस्तु (Content) — 75 अंक

इकाई—१ : गणित शिक्षण : अवधरणा, प्रकृति, उद्देश्य एवं क्षेत्र। प्रमुख भारतीय गणितज्ञों (जैसे—भास्कराचार्य, आर्यभट्ट एवं रामानुम) का योगदान।

इकाई—२ : पाठ्यक्रम: निर्माण के सिद्धान्त। पाठ्यक्रम में गणित का स्थान एवं महत्त्व। प्राथमिक एवं माध्यमिक स्तर पर गणित शिक्षण का पाठ्यक्रम। अन्य विद्यालयीय विषयों से गणित का सम्बन्ध।

इकाई—३ : गणित शिक्षण की विधियां : व्याख्यान एवं प्रदर्शन विधि, आगमन एवं निगमन विधि, विश्लेषण एवं संश्लेषण विधि, प्रोजेक्ट विधि, अन्वेषण विधि, एवं प्रयोगशाला विधि।

इकाई—४ : गणित शिक्षण में प्रभावी अनुदेशन हेतु सहायक सामग्री एवं संसाधन— महत्त्व एवं प्रकार, निर्माण एवं प्रयोग में सावधनियां। मौखिक कार्य, लिखित कार्य, गणित क्लब, गणित प्रयोगशाला एवं गणितीय खेलों का आयोजन।

इकाई—५ : गणित शिक्षण एवं अधिगम — महत्त्व एवं निर्माण की प्रक्रिया। अंकगणित, बीजगणित एवं रेखागणित से संबंधित कुछ प्रकरणों पर पाठयोजना बनाना, (ब्लूम एंव रचनावादी उपागमाधारित) संरचनात्मक एंव निदानात्मक आकलन।

सत्रीय कार्य— निम्नलिखित में से कोई दो: — 25 अंक

1- शिक्षण सहायक सामग्री का निर्माण।
2—पाठ—योजना निर्माण।
3—गणित परीक्षण निर्माण।
४—महान गणितज्ञों के योगदान पर आधारित परिचर्चा एवं निबन्ध लेखन।

अध्येय ग्रन्थ–

1. चड्डा, बी.एन., (1990) टीचिंग ऑफ मैथमैटिक्स,धनपतराय एण्ड सन्स, दिल्ली अग्रवाल, एस.एम.
2. मंगल. एस.के., (1995) टीचिंग ऑफ मैथमैटिक्स,प्रकाश ब्रदर्स, लुधियाना
3. श्रीवास्तव एण्ड भटनागर, (2000) गणित शिक्षण,रमेश बुक डिपो,जयपुर
4. सिन्धु, के.एस., (2002) टीचिंग ऑफ मैथमैटिक्स,स्टर्लिंग पब्लिकेशन,नई दिल्ली
5. अरोड़ा, एस.के., (2000) हाउ टू टीच मैथमैटिक्स,शान्ता पब्लिशर, हांसीगेट, भिवानी
6. सक्सेना, आर.पी.,(1995) करीकुलम एण्ड टीचिंग ऑफ मैथमैटिक्स इन सैकण्डरी स्कूल, (एन.सी.ई.आर.टी.), नई दिल्ली।
7. प्रताप,नरेश (2003) गणित शिक्षण, आर लाल बुक डिपो मेरठ (उ.प्र.)
8. भटनागर ए. बी. (2005)) गणित शिक्षण, आर लाल बुक डिपो मेरठ (उ.प्र.)
9. शर्मा, बी. एल (2010) गणित शिक्षण, आर लाल बुक डिपो मेरठ (उ.प्र.)।
10. भटनागर, ए. बी. (2020) गणित का शिक्षणशास्त्र, आर.लाल. बुक डिपो, मेरठ।
11. कुलश्रेष्ठ, ए. के. (2020) गणित शिक्षण, आर. लाल बुक डिपो, मेरठ।

वेब लिंक– स्वयंप्रभा, स्वयं, यूट्यूब, ई.पी.जी. पाठशाला, मूक्स इत्यादि।

10. V अर्थशास्त्र शिक्षण

(Teaching of Economics)

कोर्स कोड = 125 (v) | कुल क्रेडिट्स= 04
क्रियान्वयन घण्टे = 04 घण्टे/सप्ताह | कुल अंक = 100

कोर्स अधिगम परिणाम (Course Learning Outcomes)

इस कोर्स के अध्ययनोपरान्त विद्यार्थीः—

– अर्थशास्त्र शिक्षण की अवधारणा एवं महत्त्व को स्पष्ट कर सकेंगे
– अर्थशास्त्र शिक्षण के सिद्धान्तों का अनुप्रयोग कर सकेंगे।
– अर्थशास्त्र शिक्षण की विधियों के प्रयोग कुशलता प्राप्त कर सकेंगे।
– अर्थशास्त्र पाठ्य पुस्तक की रचना के सिद्धान्तों को व्याख्या कर सकेंगे।
– अर्थशास्त्र में आकलन प्रक्रिया की योग्यता विकसित कर सकेंगे।

पाठ्य—वस्तु (Content) — 75 अंक

इकाई—१ : अर्थशास्त्र का अर्थ, परिभाषा एवं क्षेत्र, भारतीय एवं पाश्चात्य सम्बन्ध में अर्थशास्त्र शिक्षण का महत्त्व एवं उद्देश्य, अर्थशास्त्र का अन्य विषयों के साथ सहसम्बन्ध।

इकाई—२: अर्थशास्त्र अध्ययन के विद्यालयीय पाठ्यक्रम निर्माण की आवश्यकता, पाठ्यक्रम निर्माण के मूलभूत सिद्धान्त एवं प्रक्रिया।

इकाई—३: अर्थशास्त्र शिक्षण की विधियां— परम्परागत विधियां— पाठ्यपुस्तक विधि व्याख्यान विधि, प्रश्नोत्तर विधि। आधुनिक शिक्षण विधियां—प्रयोगशाला विधि, योजना विधि समस्यासमाधान विधि, आगमन—निगमन विधि, विश्लेषणात्मक—संश्लेषणात्मक विधि, समाजीकृत अभिव्यक्ति विधि, निरीक्षित अध्ययन विधि, वाद—विवाद विधि।

इकाई—४: अर्थशास्त्र की पाठ्यपुस्तक : स्वरूप, उद्देश्य एवं महत्व पाठ्यपुस्तक रचना के सिद्धान्त, अर्थशास्त्र शिक्षण में अध्यापक की भूमिका।

इकाई—५: अर्थशास्त्र शिक्षण के लिए उपयुक्त दृश्य—श्रव्य उपकरण। महत्व एवं उपयोग अर्थशास्त्र शिक्षण की पाठयोजना। अर्थशास्त्र में आकलन—अर्थ, प्रकार, महत्त्व, प्रश्नपत्र निर्माण।

सत्रीय कार्य— — 25 अंक

१— किसी प्रकरण पर पाठयोजना निर्माण करना।
२— अर्थशास्त्र विषय से सम्बन्धित किसी उपविषय को उपयुक्त शिक्षण विधि द्वारा अध्यापन पाठ का लेखन।

अध्येय ग्रन्थ—

1. शर्मा, बी.एल. एवं सक्सेना, वी.एस., (1990) अर्थशास्त्र शिक्षण, चौ0 चरणसिंह विश्वविद्यालय, सूर्या पब्लिकेशन, मेरठ, उ.प्र.
2. अग्रवाल, सुरेश कुमार,(1995) अर्थशास्त्र शिक्षण, गलगोटिया पब्लिशिंग कं., 64/4,डब्ल्यू, ई.ए. करोलबाग, नई दिल्ली
3. वर्मा, रामपाल सिंह, (1995)अर्थशास्त्र शिक्षण, सूर्या पब्लिकेशन, मेरठ, उ.प्र.
4. सिंह, डॉ. सदन, (2011) अभिषेक प्रकाशन नई दिल्ली।
5. सिंह रामपाल,(2005) अर्थशास्त्र शिक्षण, आर लाल बुक डिपो मेरठ (उ.प्र.)
6. कुमार, धर्मेन्द्र (2010) अर्थशास्त्र शिक्षण, आर लाल बुक डिपो मेरठ (उ.प्र.)

वेब लिंक- स्वयंप्रभा, स्वयं, यूट्यूब, ई.पी.जी. पाठशाला, मूक्स इत्यादि।

E.P.C-I

क्रियात्मक अनुसंधान

(Action Research)

कोर्स कोड 131 N (i) — कुल क्रेडिट्स-02

क्रियान्वयन घण्टे: 02 घण्टे/सप्ताह — कुल अंक-50

कोर्स अधिगम परिणाम (Course Learning Outcomes)

इस कोर्स के अध्ययनोपरान्त विद्यार्थी:—

- क्रियात्मक अनुसन्धान से परिचित हो सकेंगे।
- कक्षागत समस्या आधारित परियोजना का निर्माण कर सकेंगे
- क्रियात्मक अनुसंधानों के प्रतिवेदन लेखन सम्बन्धी कौशलों का विकास कर सकेंगे।

पाठ्य—वस्तु

१ **क्रियात्मक अनुसंधान—** विशेषताएं, ऐतिहासिक परिप्रेक्ष्य, महत्व एवं क्षेत्र।
क्रियात्मक अनुसंधान की आवश्यकता एवं अनुप्रयोग— विद्यालय, कक्षा एवं शिक्षकों के सन्दर्भ में।

२ **क्रियात्मक अनुसंधान की प्रक्रिया—** समस्या को पहचानना, समस्या का परिभाषीकरण एवं सीमांकन, सम्भावित कारणों का पता लगाना, क्रियात्मक परिकल्पना निर्माण, क्रियात्मक परिकल्पना के क्रियान्वयन हेतु कार्ययोजना विकास एवं परिणाम मूल्यांकन। **क्रियात्मक अनुसन्धान अभिकल्प—**विशेषताएं, संरचनात्मक घटक, प्रकार—व्यावहारिक एवं प्रतिभाग आधारित तथा उनमें अन्तर एवं समानताएं।

३ **क्रियात्मक अनुसंधान परियोजना निर्माण—** प्रारूप, अपेक्षित सावधानियाँ, महत्त्वपूर्ण बिन्दु, विद्यालयीय परिस्थितियों में प्रयोग। क्रियात्मक अनुसंधान प्रतिवेदन लेखन—आवश्यकता, घटक, प्रारूप, अपेक्षित सावधानियाँ।

प्रलेखन कार्य—

1. क्रियात्मक अनुसन्धान का सैद्धान्तिक पक्ष। (15)
2. क्रियात्मक अनुसंधान पर आधारित परियोजना का निर्माण। (15)
3. प्रारूप प्रतिवेदन । (10)

निष्पादन आधारित परीक्षण—

1. वाक् परीक्षा (किए गए कार्य पर आधारित) (10)

E.P.C-II

विद्यालय सम्बद्धता कार्यक्रम (दो सप्ताह)

School Internship Programme (Two Weeks)

कोर्स कोड 131 N (ii)
क्रियान्वयन घण्टे: 02 घण्टे/सप्ताह

कुल क्रेडिट्स-02
कुल अंक-50

कोर्स अधिगम परिणाम (Course Learning Outcomes)

विद्यालय सम्बद्धता कार्यक्रम (दो सप्ताह) के उपरान्त विद्यार्थी:–

-विद्यालय के भौतिक, मनो-सामाजिक एवं शैक्षणिक परिवेश की प्रकृति का विश्लेषण कर सकेंगे।

-एक प्रणाली के रूप में विद्यालय की कार्य प्रणाली एवं अधिगम वातावरण की प्रक्रियाओं का वर्णन कर सकेंगे।

- कक्षाशिक्षण में शिक्षक की भूमिका एवं विद्यार्थियों के प्रतिभाग का विमर्श कर सकेंगे।

-अधिगम संसाधनों, समावेशन, नवाचारों को प्रोन्नत करने वाली विद्यालय की प्रक्रियाओं से अवगत हो सकेंगे।

-शिक्षार्थियों के लिए शिक्षण अधिगम वातावरण की गुणवत्ता बढ़ाने के लिए विद्यालय की सर्वोत्तम प्रक्रियाओं एवं पहलों पर मुक्त चिन्तन कर सकेंगे।

गतिविधियाँ-

1. विद्यालय के भौतिक, मनो-सामाजिक एवं शैक्षिक परिवेश का अवलोकन।
2. विद्यालय के वार्षिक कैलेण्डर एवं समय-सारिणी का विवरण तैयार करना।
3. विद्यालय में प्रयुक्त अधिगम संसाधनों की जानकारी एकत्रित करना।
4. कक्षा शिक्षण(दोनों विषय) में प्रयुक्त युक्तियों का विश्लेषण करना।
5. शिक्षण अधिगम वातावरण की गुणवत्ता बढ़ाने के लिए विद्यालय की सर्वोत्तम प्रक्रियाओं एवं पहलों को जानना।

प्रलेखन कार्य-

उपर्युक्त गतिविधियों का विमर्शी प्रतिवेदन प्रस्तुत करना। (5*10=50)

शिक्षाशास्त्री (बी.एड.) पाठ्यक्रम

तृतीय सेमेस्टर

शिक्षाशास्त्री (बी.एड.) द्वितीय वर्ष
तृतीय सेमेस्टर पाठ्यक्रम स्वरूप

कुल अंक = 600 कुल क्रेडिट्स = 24+2*

कोर्स कोड (Course code)	कोर्स का नाम (Name of the Course)	कोर्स श्रेणी (Course Category)	कुल अंक (Total Marks)	कुल क्रेडिट्स (Total Credits)	समयावधि (Time Duration)
141	**विद्यालय सम्बद्धता** (School Internship)		**500**	**20**	18 सप्ताह (Weeks)
	बाह्य (योगात्मक मूल्यांकन) = 300 (External- Summative Evaluation) आन्तरिक (संरचनात्मक मूल्यांकन) = 200 (Internal- Formative Evaluation)	शिक्षणाभ्यास (Teaching Practice)	500		
151 N	**प्रायोगिक – ई.पी.सी. (Practicum- EPC)**	प्रायोगिक (ई.पी.सी.सहित)	**100**	**04**	**04** घंटे/सप्ताह
	(i) शिक्षण शास्त्रीय कौशल एवं अधिगम आकलन (Pedagogical skills & Learning Assessment)		50	02	
	(ii) क्रियात्मक अनुसंधान प्रतिवेदन एवं विद्यालयीय अभिलेख (Action Research Report & School Records)		50	02	
152 N	**शैक्षिक गतिविधियाँ (Educational Activities)**	**Compulsory**	**50**	**2***	**= 80% Attendance**
	(i) परिसर आधारित स्वच्छता अभियान (Campus based Cleanliness Drive)				
	(ii) सहपाठी कक्षा शिक्षण प्रेक्षण (Peer Class Teaching Observation)				
	(iii) क्रीडा एवं खेल–कूद (Sports and Games)/ स्काउट एवं गाइड (Scout & Guide)				
	(iv) विद्यालय गतिविधियों में प्रतिभाग (Participation in School Activities)				
	(v) अभिभावक शिक्षक बैठक (Parent Teacher Meeting)				

विद्यालय सम्बद्धता

(School Internship)

उद्देश्य

विद्यालय सम्बद्धता कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य व्यावसायिक दक्षता का विकास करना है जिसे निम्नलिखित उद्देश्यों द्वारा प्राप्त करने का प्रयास किया जायेगा। छात्राध्यापकों को –

- वास्तविक विद्यालय परिवेश का अनुभव प्रदान करना।
- विद्यालय गतिविधियों से परिचित कराना।
- पाठयोजना अनुसार शिक्षण का अभ्यास प्रदान करना।
- वास्तविक परिस्थितियों में शिक्षण कार्य का अभ्यास प्रदान करना।
- पाठ्यक्रम में निर्धारित शिक्षण विषयों के शिक्षण में पारंगत बनाना।

विद्यालय सम्बद्धता कार्यक्रम– मूल्यांकन प्रक्रिया का स्वरूप –

समय अवधि (Time-duration) 18 सप्ताह	पाठ्यक्रमीय क्रियायें (Curricular Activities)	छात्राध्यापकों द्वारा कार्य (Work done by Student Teachers)
1 सप्ताह (1 week)	(i) **विद्यालय परिवेश को जानना।** - सम्बद्ध विद्यालय के नियमित अध्यापकों के अध्यापन कार्य का अवलोकन। - सम्बद्ध विद्यालय की गतिविधियों एवं अभिलेखों का निरीक्षण आधारित प्रतिवेदन। - सम्बद्ध विद्यालय के सामुदायिक परिवेश का प्रेक्षण एवं प्रतिवेदन।	प्रेक्षण आख्या
1 सप्ताह (1 week)	(ii) **कक्षा शिक्षण अभिमुखीकरण** (सम्बद्ध विद्यालय के शिक्षकों एवं अध्यापक प्रशिक्षक के निर्देशन में)	
10 सप्ताह (10 weeks)	(iii) **पाठयोजना आधारित शिक्षण अभ्यास - उच्च प्राथमिक स्तर (6-8th कक्षा)** – दो शिक्षण विषयों पर–संस्कृत व अन्य शिक्षण विषय। – विद्यालयीय गतिविधियों में प्रतिभाग।	पाठ योजना निर्माण एवं प्रस्तुतीकरण 30 (15+15)
4 सप्ताह (4 weeks)	(iv) **क– पाठयोजना आधारित शिक्षण अभ्यास - माध्यमिक स्तर (9-10th कक्षा)** – दो शिक्षण विषयों पर–संस्कृत व अन्य शिक्षण विषय। – विद्यालयीय गतिविधियों में प्रतिभाग।	पाठ योजना निर्माण एवं प्रस्तुतीकरण 20 (10+10)
	या	
2 सप्ताह (2 weeks)	(iv) **ख–पाठयोजना आधारित शिक्षण अभ्यास- माध्यमिक स्तर (9-10th कक्षा)** – दो शिक्षण विषयों पर–संस्कृत व अन्य शिक्षण विषय। – विद्यालयीय गतिविधियों में प्रतिभाग।	पाठ योजना निर्माण एवं प्रस्तुतीकरण 10 (5+5)
2 सप्ताह (2 week)	**पाठयोजना आधारित शिक्षण अभ्यास - उच्च माध्यमिक स्तर (11-12th कक्षा)** – दो शिक्षण विषयों पर–संस्कृत व अन्य शिक्षण विषय। – विद्यालयीय गतिविधियों में प्रतिभाग।	पाठ योजना निर्माण एवं प्रस्तुतीकरण 10 (5+5)
2 सप्ताह (2 week)	(v) **समीक्षा पाठ –** – समीक्षा पाठ प्रस्तुतीकरण हेतु अभ्यास – समीक्षा पाठ मूल्यांकन – सहपाठी कक्षा शिक्षण प्रेक्षण (Peer Class Teaching observation)	०४ समीक्षा पाठों का प्रस्तुतीकरण सहपाठी कक्षा शिक्षण प्रेक्षण आधारित प्रतिवेदन

विद्यालय सम्बद्धता मूल्यांकन प्रक्रिया का स्वरूप

(Structure of Evaluation Procedure of School Internship)

कुल अंक - **600** अंक

बाह्य परीक्षण (300) (योगात्मक मूल्यांकन) 3 परीक्षकों द्वारा (2 बाहय+ 1आन्तरिक)	आन्तरिक परीक्षण (200) (संरचनात्मक मूल्यांकन)	प्रायोगिक कार्य (100)
(i) सस्कृत शिक्षण विषय- (150) **(ii) अन्य शिक्षण विषय- (150)**	**(i) प्रेक्षण आख्या (10)** **(ii) शिक्षणाभ्यास प्रेक्षण (90)** प्रत्येक चक्र हेतु निर्धारित अंक=30 (क) 6-8th कक्षा का = 20x3=60 अंक (ख) i - 9-10th कक्षा का = 10x3=30 अंक **या** (ख) ii- 9-10th कक्षा का = 5x3 = 15 अंक एवं - 11-12th कक्षा का =5x3 = 15 अंक **प्रत्येक चक्र हेतु निर्धारित** **30 अंकों का वितरण** (क) सामान्य/नवाचारी पाठयोजना- (10 अंक) (ख) पाठ योजना प्रस्तुतिकरण (10 अंक) (ग) सहायक सामग्री निर्माण (05 अंक) (घ) अनुशासन एवं नियमितता (05 अंक) **(iii) समीक्षा पाठ (100)** (क) उच्च प्राथमिक स्तर= 50 अंक (ख) i - माध्यमिक स्तर = 50 अंक **या** (ख) ii - माध्यमिक स्तर = 25 अंक उच्च माध्यमिक स्तर = 25 अंक **प्रत्येक समीक्षा पाठ योजना हेतु निर्धारित 25 अंको का वितरण** (क) सामान्य/नवाचारी पाठयोजना- (10 अंक) (ख) पाठ योजना प्रस्तुतिकरण (10 अंक) (ग) प्रयुक्त सहायक सामग्री निर्माण (05 अंक)	**(i) क्रियात्मक अनुसंधान आधारित परियोजना का निर्माण** = 50 अंक **(ii) शिक्षणशास्त्रीय कौशल** = 50 अंक

कुल पाठ योजना = 50

(i) उच्च प्राथमिक स्तर (6-8th कक्षा) = 30 पाठ(15 पाठ / शिक्षण विषय)

(ii) क– माध्यमिक स्तर (9-10th कक्षा) = 10 पाठ (5 पाठ / शिक्षण विषय)

उच्च माध्यमिक स्तर (11-12th कक्षा) = 10 पाठ (5 पाठ / शिक्षण विषय)

या

(ii) ख– माध्यमिक स्तर (9-10th कक्षा) = 20 (10 पाठ/ शिक्षण विषय)

कुल समीक्षा पाठ योजना = 4

(i) उच्च प्राथमिक स्तर (6-8th कक्षा) = 2 पाठ(1 पाठ / शिक्षण विषय)

(ii) क– माध्यमिक स्तर (9-10th कक्षा) = 1 पाठ (अन्य विद्यालयीय शिक्षण विषय)

उच्च माध्यमिक स्तर (11-12th कक्षा) = 1 पाठ (संस्कृत शिक्षण विषय)

या

(ii) ख– माध्यमिक स्तर (9-10th कक्षा) = 2 (1 पाठ/ शिक्षण विषय)

****

E.P.C-I

शिक्षणशास्त्रीय कौशल एवं अधिगम आकलन

(Pedagogical Skills & Learning Assessment)

कोर्स 151 N (i)

क्रियान्वयन घण्टे: 02 घण्टे/सप्ताह

कुल क्रेडिट्स-02

कुल अंक-50

कोर्स अधिगम परिणाम (Course Learning Outcomes)

इस कोर्स के अध्ययनोपरान्त विद्यार्थी:–

- शिक्षण कौशलों का अपने शिक्षण में अनुप्रयोग कर सकेंगे।
- नवाचारी 5E पद्धति आधारित पाठ योजना द्वारा शिक्षण कर सकेंगे।
- विषयाधारित प्रश्न पत्र का निर्माण कर सकेंगे।
- अधिगम आकलन एवं प्रदत्तों का सांख्यिकीय विश्लेषण कर सकेंगे।
- प्राप्त परिणामों की व्याख्या कर सकेंगें।

(क) शिक्षणशास्त्रीय कौशल — 30 अंक

पाठ्य वस्तु

i शिक्षण कौशलों का विकास
ii नवाचारी शिक्षण अभ्यास

क्रियान्वयन विधि

(i) सूक्ष्म शिक्षण द्वारा कौशल विकास

- सूक्ष्म शिक्षण परिचय अवधारणा उद्देश्य, विशेषता, चक्र, अवस्था उपयोगिता तथा विभिन्न शिक्षण कौशल।
- कौशल ज्ञान सम्प्राप्ति-प्रस्तावन, प्रश्नोत्तर उद्दीपन परिवर्तन,पुनर्बलन,श्यामपट्ट, दृश्य श्रव्य सामग्री, वाचन,उच्चारण,व्याख्या एवं प्रदत कार्य सभी कौशलों का अभिप्राय,उद्देश्य विधि,आदर्श प्रस्तुतीकरण एवं उपयोगिता।

ii सूक्ष्म शिक्षण चक्रानुसार कौशलाभ्यास एवं मूल्यांकन।
iii नवाचारी शिक्षणाभ्यास।

निष्पादन आधारित परीक्षण

- सूक्ष्म पाठयोजना निर्माण — 10 अंक
- कौशल आधारित प्रस्तुतीकरण — 10 अंक
- नवाचारी शिक्षण आधारित पाठयोजना निर्माण एवं प्रस्तुतीकरण — 10 अंक

ख— अधिगम आकलन 20 अंक

क्रियान्वयन विधि—

(i) किसी एक विषय पर आधारित प्रश्न पत्र का निर्माण

(ii) प्रश्न पत्र का कक्षा में प्रशासन एवं अंकन

(iii) प्राप्त प्रदत्तों का सांख्यिकीय विश्लेषण

निष्पादन आधारित परीक्षण —

प्रश्नपत्र निर्माण 10 अंक

सांख्यिकीय विश्लेषण एवं प्रतिवेदन 10 अंक

नोट- छात्राध्यापक विद्यालय संबद्धता कार्यक्रम की अवधि में अपने शिक्षण विषयाधारित प्रश्न पत्र का निर्माण करेंगे। उसके पश्चात उसे अपनी कक्षा में प्रशासित करके उत्तर पुस्तिकाओं के आकलन द्वारा प्राप्त प्रदत्तों का विश्लेषण कर प्रतिवेदन तैयार करेंगे।

E.P.C-II

क्रियात्मक अनुसंधान प्रतिवेदन एवं विद्यालयीय अभिलेख

(Action Research Report & School Records)

कोर्स कोड 151 N (ii) | कुल क्रेडिट्स-02
क्रियान्वयन घण्टे: 02 घण्टे/सप्ताह | कुल अंक-50

कोर्स अधिगम परिणाम—(Course Learning Outcomes)

इस कोर्स के अध्ययनोपरान्त विद्यार्थी:—

- कक्षागत समस्या आधारित परियोजना के निर्माण में दक्ष हो सकेंगे।
- क्रियात्मक अनुसंधान के प्रतिवेदन लेखन सम्बन्धी कौशलों का विकास कर सकेंगे।
- विद्यालयीय अभिलेखों से अवगत हो सकेंगे।
- विद्यालयीय अभिलेखों के रखरखाव का कौशल विकसित कर सकेंगे।

(क) क्रियात्मक अनुसंधान — 30 अंक

क्रियान्वयन विधि:

1. कक्षागत/ विद्यालय समस्या आधारित क्रियात्मक अनुसंधान आधारित परियोजना का निर्माण।
2. परियोजना का क्रियान्वयन
3. क्रियात्मक अनुसंधान का प्रतिवेदन लेखन।

प्रलेखन कार्य— 10 अंक

4. उपर्युक्त क्रियात्मक अनुसंधान का प्रतिवेदन लेखन

निष्पादन आधारित परीक्षण—

1. वाक् परीक्षा (किए गए कार्य पर आधरित)। 10 अंक
2. क्रियात्मक अनुसंधान पर आधारित किसी समस्या पर तात्कालिक प्रस्तुति। 10 अंक

(ख) विद्यालयीय अभिलेख — 20 अंक

क्रियान्वयन विधि:

1. विद्यालय के विभिन्न अभिलेखों का निरीक्षण।
2. विद्यालय के विभिन्न अभिनेखों के प्रारूपों का सूक्ष्म विश्लेषण।
3. शिक्षकों द्वारा तैयार किये जाने वाले अभिलेखों एवं रजिस्टर्स का गहन विश्लेषण करना।

प्रलेखन कार्य—

विद्यालय अभिलेख आधारित प्रतिवेदन लेखन 10 अंक

निष्पादन आधारित परीक्षण—

1. शिक्षकों द्वारा तैयार किये जाने वाले दो अभिलेखों का प्रारूप एवं विवरण प्रस्तुत करना। 5 अंक
2. वाक् परीक्षा। 5 अंक

शिक्षाशास्त्री (बी.एड.) पाठ्यक्रम

चतुर्थ सेमेस्टर

शिक्षाशास्त्री (बी.एड.) द्वितीय वर्ष
चतुर्थ सेमेस्टर पाठ्यक्रम स्वरूप

कुल अंक = 600

कुल क्रेडिट्स = 24+2*

कोर्स कोड (Course code)	कोर्स संख्या (course No.)	कोर्स का नाम (Name of the course)	कोर्स श्रेणी (Course Category)	कुल अंक (Total Marks)	कुल क्रेडिट्स (Total Credits)	घण्टे / सप्ताह (Hours/ weeks)	घण्टे / सेमेस्टर (Hours/ Semester)
	Theory (सैद्धान्तिक)			500	20	20	400
161 N	11	पर्यावरण शिक्षा एवं सुस्थिर विकास (Environmental Education and Sustainable Development)	संकेन्द्रिक अनिवार्य (Core Compulsory)	100 75 (E)+25 (I)	4	4	80
162 N	12	जीवन कौशल शिक्षा (Life Skills Education)	संकेन्द्रिक अनिवार्य (Core Compulsory)	100 75 (E)+25 (I)	4	4	80
163	13	योग,स्वास्थ्य एवं शारीरिक शिक्षा (Yoga, Health & Physical Education)	संकेन्द्रिक अनिवार्य (Core Compulsory)	100 75 (E)+25 (I)	4	4	80
164	14	समसामयिक भारत एवं शिक्षा (Contemporary India and Education)	संकेन्द्रिक परिप्रेक्ष्य (Core Perspective)	100 75 (E)+25 (I)	4	4	80
165	15	निम्नलिखित में से कोई एक (Any one of the following)	वैकल्पिक (Elective)	100 75 (E)+25 (I)	4	4	80
165- (i)	15- I	समावेशी शिक्षा (Inclusive Education)					
165- (ii)	15- II	निर्देशन एवं उपबोधन (Guidance & Counselling)					
165- (iii)	15- III	जेन्डर, विद्यालय एवं समाज (Gender, School & Society)					
165- (iv)	15- IV	कला शिक्षा (Art Education)					
165- (v)	15- V	मानवाधिकार शिक्षा (Human Rights Education)					
171	प्रायोगिक – ई.पी.सी. (Practicum- EPC)		प्रायोगिक ई.पी.सी.	100	04	04	80
	(i)	मननात्मक पठन (Reflective Reading)		50	02		
	(ii)	आत्म अवबोध एवं व्यक्तित्व विकास (Understanding of Self and Personality Development)		50	02		
172N	शैक्षिक गतिविधियाँ (Educational Activities)		Compulsory	50	2*	= 80% Attendance	
	(i)	स्लोगन लेखन प्रतियोगिता (Slogan Writing Competition)					
	(ii)	नुक्कड़ नाटक (Street Play)					
	(iii)	शैक्षिक एवं सांस्कृतिक महत्व के किन्हीं दो स्थानीय स्थलों का स्वयंकृत भ्रमण आधारित प्रतिवेदन (Report based on individual tour of any two Educationally & Culturally important local places)					
	(iv)	क्रीडा एवं खेल–कूद (Sports and Games)					
	(v)	सांस्कृतिक कार्यक्रम (Cultural Programme)					

11. पर्यावरण शिक्षा एवं सुस्थिर विकास

(Environmental Education and Sustainable Development)

कोर्स कोड = 161 N | कुल क्रेडिट्स= 04

क्रियान्वयन घण्टे = 04 घण्टे/सप्ताह | कुल अंक = 100

कोर्स अधिगम परिणाम (Course Learning Outcomes)

इस कोर्स के अध्ययनोपरान्त विद्यार्थीः—

– पर्यावरण शिक्षा का परिचय प्राप्त कर सकेंगे।
– प्राचीन भारतीय परम्परा में पर्यावरणीय दृष्टि से परिचित हो सकेंगे।
– मानव एवं पर्यावरण के सम्बन्ध की व्याख्या कर सकेंगे।
– पारिस्थितिकी का सम्प्रत्यय एवं महत्त्व को प्रतिपादित कर सकेंगे।
– पर्यावरण संरक्षण की आवश्यकता को स्पष्ट कर सकेंगे एवं पर्यावरण संरक्षण के विविध प्रयासों का अवबोध कर सकेंगे।
– सुस्थिर विकास की आवश्यकता एवं महत्त्व का भावी जीवन के संदर्भ में विश्लेषण कर सकेंगे।
– पर्यावरण प्रबन्धन के पक्ष एवं क्षेत्र का अवबोध कर सकेंगे।
– अपशिष्ट प्रबन्धन के उपायों का अनुप्रयोग कर सकेंगे।

पाठ्य–वस्तु (Content) **75 अंक**

इकाई–१ : पर्यावरण–शिक्षा – अवधारणा, उद्देश्य, महत्त्व एवं क्षेत्र। पर्यावरण शिक्षा के उपागम– औपचारिक, अनौपचारिक, निरौपचारिक। पर्यावरण शिक्षा का अन्य विषयों के साथ सम्बन्ध। प्राचीन भारतीय परम्परा में पर्यावरणीय दृष्टि। पर्यावरण सम्बन्धित प्रमुख सम्मेलन–स्टॉकहोम सम्मेलन, पृथ्वी शिखर सम्मेलन, पेरिस सम्मेलन। **IEEP,** राष्ट्रीय शिक्षा नीति **NEP- 2020** में पर्यावरण।

इकाई–२ : मानव एवं पर्यावरण– मानव एवं पर्यावरण सम्बन्ध। पारिस्थितिकी–सम्प्रत्यय, विशेषता एवं महत्व परितंत्र–अभिप्राय, घटक, प्रकार, भूजैव–रासायनिक चक्र(ऑक्सीजन, कार्बन, नाइट्रोजन)। जैवविविधता–सम्प्रत्यय, महत्त्व एवं जैवविविधता उद्यान।

इकाई–३ : पर्यावरणीय संरक्षण–: जल, भूमि, वायु, ध्वनि, नाभिकीय एवं प्रकाश –प्रदूषण के कारण एवं निवारण के उपाय। वायु गुणवत्ता सूचकांक **(AQI)** ।

इकाई–४ : सुस्थिर विकासः सम्प्रत्यय, आवश्यकता, लक्ष्य एवं महत्त्व। स्वास्थ्यरक्षण, एवं वन संरक्षण। पर्यावरण संरक्षण सम्बन्धी प्रसिद्ध व्यक्तित्व । पर्यावरणीय कानून, पर्यावरण संरक्षण में सरकारी संस्थायें। विकास एवं पर्यावरण **G20-SDG**।

इकाई–५ : पर्यावरणीय प्रबन्धन –अवधारणा, पक्ष एवं क्षेत्र (स्थानीय, क्षेत्रीय एवं राष्ट्रीय), अपशिष्ट–अभिप्राय, प्रकार (ई–अपशिष्ट, प्लास्टिक अपशिष्ट ,ठोस अपशिष्ट), अपशिष्ट प्रबन्धन, अपशिष्ट जन्य उद्यान, पारिस्थितिकी क्लब, पर्यावरणीय सौह्रद उत्पाद, शैक्षिक पर्यटन।

सत्रीय कार्य – **25 अंक**

निम्नलिखित में से कोई दो

1– दत्त कार्य (इकाई सम्बन्धित)

2– स्वच्छता अभियान –कक्षा, गृह परिसर तथा आस–पड़ोस आधारित प्रतिवेदन।

3– विभिन्न पत्र–पत्रिकाओं में समसामायिक पर्यावरणीय समस्याओं से सम्बन्धित सूचनाओं/लेखों का संग्रह करना तथा उन पर परिचर्चा आधारित प्रतिवेदन।

4- भारत में सुस्थिर विकास हेतु किये जा रहे प्रयासों का समीक्षात्मक प्रतिवेदन।

अध्येय ग्रन्थ–

1. सक्सेना, ए.बी., (2000) पर्यावरण शिक्षा (शिक्षा के संदर्भ में), आर्यबुक डिपो, दिल्ली
2. सिंह, सविन्द्र, (2005) पर्यावरण भूगोल, प्रयाग पुस्तक भवन, 20-ए यूनिवर्सिटी रोड, इलाहाबाद, (उ.प्र.)
3. इन्दिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय पर्यावरण और संसाधन, नई दिल्ली।
4. फेडोरेव, ई.मेन एण्ड, (1980) द इकोलोजिकल क्राइसेज एण्ड सोसल प्रोग्रेस, नेचरप्रोगेश पब्लिशर्स, मास्को
5. रघुवंशी डा. अरुण एवं, पर्यावरण तथा प्रदूषण, म.प्र. हिंदी ग्रन्थ अकादमी, चन्द्रलेखा भोपाल
6. यूनेस्को (1977) ट्रेन्ड्स इन इनवायरमेण्टल एजूकेशन, यूनेस्को, पेरिस
7. शर्मा आर.ए. (1990) पर्यावरण शिक्षा, आर लाल बुक डिपो मेरठ (उ.प्र.)
8. कालीराम (1995) पर्यावरण शिक्षा, आर लाल बुक डिपो मेरठ (उ.प्र.)
9. वत्स, मिश्रा सन्ध्या(2005) पर्यावरण शिक्षा, आर लाल बुक डिपो मेरठ (उ.प्र.)
10. गुप्ता, आर.डी.एवं सिंह के.बी. (2010) पर्यावरण अध्ययन,आर. लाल बुक डिपो मेरठ (उ.प्र.)
11. भरूचा, इराक(2016) पर्यावरण अध्ययन, आरियंट ब्लैकस्वॉन प्राइवेट लिमिटेड, नई दिल्ली।
12. राजगोपालन आर. (2018) पर्यावरण एवं पारिस्थितिकी, आकब्रिज पब्लिशिंग प्राइवेट लिमिटेड।
13. शर्मा, कौशलेश,(2018) पर्यावरणशिक्षा, भुवनेश्वर, पुरी, उड़ीसा।
14. Chong Shimray (2016) Teaching Enviornment Education, SAGE Publication India Pvt. Ltd, New Delhi.
15. Bala Krishnamoorthy (2015) Enviornmental Management Text and Cases, PHI Learning Pvt.Ltd. Delhi.

ई सामग्री-

वेब लिंक,स्वयंप्रभा, स्वयं, यूट्यूब, ई.पी.जी. पाठशाला, मूक्स इत्यादि।

12. जीवन कौशल शिक्षा

(Life Skills Education)

कोर्स कोड = 162 N　　　　कुल क्रेडिट्स= 04

क्रियान्वयन घण्टे = 04 घण्टे/सप्ताह　　　　कुल अंक = 100

कोर्स अधिगम परिणाम (Course Learning Outcomes)

इस कोर्स के अध्ययनोपरान्त विद्यार्थी:–

– सम्प्रेषण कौशल का विकास कर सकेंगे।
– व्यावसायिक कौशलों में कुशलता विकसित कर सकेंगे।
– मूल्य शिक्षण की विभिन्न विधियों का अनुप्रयोग कर सकेंगे।
– नेतृत्व एवं प्रबन्धन कौशलों का बोध कर सकेंगे।
– सार्वभौमिक मानव मूल्यों से अवगत हो सकेंगे।

पाठ्य–वस्तु (Content)　　　　**75 अंक**

इकाई – १ : सम्प्रेषण कौशल– श्रवण, वाचन, पठन लेखन के विविध प्रकार, डिजिटल साक्षरता, सोशल मीडिया का प्रभावी उपयोग,डिजिटल नैतिकता एवं साइबर सुरक्षा, आशाब्दिक संप्रेषण।

इकाई – २ : व्यावसायिक कौशल–

आजीविका कौशल– जीवनवृत तैयार करने का कौशल, साक्षात्कार कौशल, समूह परिचर्चा कौशल, कैरियर के अवसरों की तलाश।

टीम कौशल– संज्ञानात्मक एवं संज्ञानेतर कौशल, प्रस्तुति कौशल, विश्वास और सहयोग, टीम कौशल के रूप में श्रवण, विचार– मंथन, सामाजिक और सांस्कृतिक शिष्टाचार, आंतरिक सम्प्रेषण।

इकाई – ३ : नेतृत्व एवं प्रबन्धन कौशल– नेतृत्व कौशल, प्रबंधकीय कौशल, उद्यमितापरक कौशल नवप्रवर्तनकारी नेतृत्व और डिजिटल चिंतन, नैतिक आचार और सत्यनिष्ठा, व्यक्तिगत वित्त का प्रबन्धन।

इकाई – ४ : सार्वभौमिक मानव मूल्य – प्रेम और करूणा, सत्य, अहिंसा, नीति परायणता, शांति, सेवा, त्याग संवैधानिक मूल्य, न्याय, मानवाधिकार।

इकाई – ५ : मूल्य शिक्षण की विधियाँ– मूल्यों का आभ्यन्तरीकरण – विद्यालयी विषयों, पाठ्य सहगामी क्रियाओं द्वारा, भूमिका निर्वहन, मूल्य स्पष्टीकरण एवं विश्लेषण, कहानी प्रस्तुतीकरण तथा चर्चा विधि।

सत्रीय कार्य – निम्नलिखित में से कोई दो–　　　　**25 अंक**

१– डिजिटल साक्षरता और सोशल मीडिया के प्रभावी उपयोग पर प्रस्तुतीकरण।
२– सामूहिक कार्य के अन्तर्गत नेतृत्व और प्रबंधन कौशल आधारित गतिविधियां।
३– मूल्य का संचालन एवं अर्थापन ।
४– इकाई आधारित प्रदत्त कार्य।

अध्येय ग्रन्थ–

1. पाण्डेय, के.पी., (2005)शिक्षा के दार्शनिक एवं सामाजिक आधार, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी।
2. जैश्री, मूल्य, (2008) पर्यावरण और मानव अधिकार की शिक्षा ,शिप्रा प्रकाशन, द्वितीय संस्करण, नई दिल्ली।
3. गुप्त, नत्थूलाल, (2005) मूल्यपरक शिक्षा और समाज, नमन प्रकाशन, नई दिल्ली।
4. चतुर्वेदी, रश्मि, खण्डाई, हेमन्त, (2011) मूल्य शिक्षा, ए.पी. एच. पब्लिशिंग कारपोरेशन, नई दिल्ली।
5. झा, नागेन्द्र, (2012) प्राचीन एवं अर्वाचीन शिक्षा पद्धति, अभिषेक प्रकाशन, पीतमपुरा।
6. पाठक, आर.पी.,(2011) प्राचीन भारतीय शिक्षा, कनिष्का प्रकाशन, अंसारी रोड, दरियागंज,नई दिल्ली।
7. पाठक, पी.डी. (1995) शिक्षा सिद्धान्त विनोद पुस्तक मंदिर आगरा(उ.प्र.)
8. डागर वी.एस.(1990) भारतीय समाज और मानव मूल्य, हरियाणा हिन्दी ग्रन्थ अकादमी चण्डीगढ
9. पाठक, आर.पी. एवं भारद्वाज अमिता पाण्डेय (2012) भारतीय समाज में शिक्षा का उदयीमान परिदृश्य कनिष्का प्रकाशन, अंसारी रोड, दरियागंज,नई दिल्ली।
10.पाण्डेय, रामशकल (1990) मूल्य शिक्षा शास्त्र, आर. लाल बुक डिपो मेरठ (उ.प्र.)
11.शर्मा, आर.ए.(2000) मानव मूल्य एवं शिक्षा, आर. लाल बुक डिपो मेरठ (उ.प्र.)
12. पाठक रमेश प्रसाद एवं कौशल तमन्ना(2018) प्राचीन भारतीय समाज में शिक्षा, ज्ञान भारती प्रकाशन, शक्ति नगर, नई दिल्ली।
13. पाठक, आर.पी.(2016) मूल्य शिक्षा, कनिष्का प्रकाशन, नई दिल्ली।
14. Mohan, Rachna Verma, (2016) Moral Judgement and Social Psychological Correlates, Abhyuday Prakashan, New Delhi.
15. गोयल, एम. और जैन. वी. के (2019) संचार कौशल और शिक्षण: प्रभावी शिक्षण के लिए आवश्यक कौशल नई दिल्ली: रीर्डस बुक प्राइवेट लिमिटेड
16. मिश्रा, पी. के. और सिंह, एम. (2009) संचार कौशल शिक्षण-अध्यापक में प्रस्तुत करने के लिए लखनउ बुक डिपो
17. Rao, K.R & Dinkar P (2016) Life Skills Education, Neelkamal

ई सामग्री

वेब लिंक- स्वयंप्रभा, स्वयं, यूट्यूब, ई.पी.जी. पाठशाला, मूक्स इत्यादि।

13. योग, स्वास्थ्य और शारीरिक शिक्षा

(Yoga, Health & Physical Education)

कोर्स कोड = 163 | कुल क्रेडिट्स= 04

क्रियान्वयन घण्टे = 04 घण्टे/सप्ताह | कुल अंक = 100

कोर्स अधिगम परिणाम (Course Learning Outcomes)

इस कोर्स के अध्ययनोपरान्त विद्यार्थीः–

– योग शिक्षा की अवधारणा को जान सकेंगे तथा योग की विभिन्न पद्धतियों का अवबोध कर सकेंगे।
– योगासन, प्राणायाम के महत्त्व को समझते हुए जीवन में योगासन के महत्त्व का अवबोध कर सकेंगे।
– अच्छे स्वास्थ्य हेतु संतुलित भोजन तथा व्यायाम की आवश्यकता एवं उपयोगिता की व्याख्या कर सकेंगे।
– शारीरिक शिक्षा की अवधारणाओं के बारे में जान कर मनोवैज्ञानिक पक्षों का विश्लेषण कर सकेंगे।
– विद्यालयों में योग एवं शारीरिक शिक्षा के विविध आयामों के समुचित अनुप्रयोग कर सकेंगे।

पाठ्य–वस्तु (Course Content) — 75 अंक

इकाई – १ः भारत में योग परम्परा – अवधारणा, योग शिक्षा की आवश्यकता तथा विविध आयाम । योग की विभिन्न पद्धतियां : ज्ञान योग, भक्ति योग, कर्मयोग, मानवजीवन में इनका उपयोग तथा महत्त्व।

इकाई –२ः योग, योगासन एवं प्राणायाम– योगदर्शन का महत्त्व, योगदर्शन के आचार्य । योग पद्धति का जीवन में महत्त्व। योगासन एवं इसके महत्त्व। देश–विदेश में योग का स्थान, योग की विभिन्न संस्थाएँ, विद्यालय में योग विषय का महत्त्व, योग के अध्यापक/ अध्यापिका।

इकाई-३ः स्वास्थ्य शिक्षाः अवधारणा, शरीर रचना एवं क्रियाविधि, अच्छे स्वास्थ्य हेतु भोजन का महत्त्व, भोजन के पोषकतत्त्वों के कार्य तथा कुपोषण, आमिष एवं निरामिष भोजन, भोजन के मुख्य तत्त्व, संतुलित आहार। आदर्श जीवन शैली का अर्थ एवं महत्त्व। उत्तम जीवन शैली के आयाम –सन्तुलित भोजन, दैनिक जीवन की नियमितता तथा इनके महत्त्व। अनुचित जीवन शैली से सम्बन्धित रोग–मोटापा, हृदयाघात, उच्च रक्त चाप, शर्कराजनित रोग (शुगर)। आसन सम्बन्धी विकृतियाँ एवं–कारण, निराकरण तथा उपचार।

इकाई-४ः शारीरिक शिक्षा : अवधारणा, उद्देश्य, महत्त्व एवं क्षेत्र। शारीरिक शिक्षा की आवश्यकता, शारीरिक शिक्षा में मनोवैज्ञानिक पक्ष– खेल मनोविज्ञान, खेलों में उपलब्धि तथा अभिप्रेरणा, रुचियाँ तथा अभिवृत्ति । विशिष्ट बालकों के लिए विभिन्न खेल गतिविधियाँ, जैसे –नेत्रहीनों के लिएः– गोला फेकना, भारोत्तोलन, ५० और १०० मीटर दौड़, अशक्त/ विकलांग के लिए निशानेबाजी, तीरन्दाजी, नौकाचालन, भालापफेंक/ अंगविच्छेद के लिए तीरन्दाजी, तैराकी, दौड़ना, शतरंज आदि। खेल– भावना, शिक्षक–छात्र सम्बन्ध, तथा आचार संहिता।

इकाई–५ः विद्यालयों में शारीरिक शिक्षा : विद्यालयों में खेल – प्रकार (व्यक्तिगत तथा सामूहिक खेल) तथा उनके सामान्य नियम, विद्यालयीय, अन्तर विद्यालयीय, अन्तर वर्गीय, अन्तर सदन, अन्तर विभागीय स्तर पर इनके महत्त्व। विद्यालयों में वार्षिक खेल–कूद प्रतियोगिताओं का आयोजन एवं महत्त्व की जानकारी। विभिन्न प्रकार के खेल, चोट के प्रकार, प्रबन्धन तथा उसके बचाव ।

सत्रीय कार्य– निम्नलिखित में से कोई दो। — **25 अंक**

1–मानव के शारीरिक एवं मानसिक विकास में योग का महत्त्व
२–योगासन एवं प्राणायाम पर आधारित प्रस्तुतियाँ।
३–सन्तुलित भोजन सम्बन्धित विविध सामग्रियों पर परियोजना कार्य।

४–विभिन्न आसनों, व्यायामों के चित्र एकत्र करना। चित्र, माडल निर्माण एवं प्रस्तुतीकरण।
५–शारीरिक शिक्षा कार्यक्रम का प्रतिवेदन तैयार करना।
६–विशिष्ट बालकों के लिए विभिन्न खेल गतिविधियों तथा उससे सम्बन्धित चार्ट का निर्माण।

अध्येय ग्रन्थ–

1. पुरूषार्थी, योगेन्द्र, (1995) वेदो में योग विद्या,महर्षि वेद विद्या प्रतिष्ठान उज्जैन (म.प्र.)
2. आत्रेय, शान्ति प्रकाश, योग मनोविज्ञान
3. मुखर्जी, विश्वनाथ, (1990) भारत के महान योगी, विश्वविद्यालय प्रकाशन वाराणसी (उ.प्र.)
4. शास्त्री, विजयपाल, (2007) पातजंल योग विमर्श, चौखम्बा वाराणसी (उ.प्र.)
5. पातजंल योगप्रदीप, गीताप्रेस गोरखपुर (उ.प्र.)
6. सिलोड़ी, महेशप्रसाद, (2008) योगामृतममान्यता प्रकाशन नई दिल्ली
7. कल्याण योग तत्वांक, गीताप्रेस गोरखपुर, (उ.प्र.)
8. शर्मा, रमा, (1995) शारीरिक शिक्षा विनोद पुस्तक मंदिर, आगरा, (उ.प्र.)
9. शैरी, जी.पी., स्वास्थ्य शिक्षा विनोद पुस्तक मंदिर, आगरा, (उ.प्र.)
10. सिलोड़ी, महेशप्रसाद, (2013) योगामृतम एवं सिद्धान्त,अभिषेक प्रकाशन, नई दिल्ली।
11. कुमारी शर्मा, हरीश, योग दीपिका कमला पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली-51
12. सुखिया, एस.पी., विद्यालय प्रशासन, संगठन एवं स्वास्थ्य शिक्षा विनोद पुस्तक मंदिर, आगरा-2
13. वर्मा, रामपाल सिंह, विद्यालय संगठन एवं स्वास्थ्य शिक्षा विनोद पुस्तक मंदिर, आगरा-2
14. वर्मा, के.के., स्वास्थ्य एवं शारीरिक शिक्षा दीपक पब्लिशर्स, ग्वालियर (मध्य प्रदेश)
15. कौर, मनजीत, स्वास्थ्य एवं शारीरिक शिक्षा दीपक पब्लिशर्स, ग्वालियर (मध्य प्रदेश)।
16. शर्मा परमेश कुमार, (2018)योग: स्वास्थ्यं शारीरिकशिक्षा च, शिवालिक प्रकाशक नई दिल्ली।
17. पाठक, आर.पी.(2015) स्वास्थय एवं शारीरिक शिक्षा अभिषेक प्रकाशन, नई दिल्ली।
18. पाठक, आर.पी.(2017) अष्टांग योग शिक्षा ज्ञान भारती प्रकाशन, नई दिल्ली।
19. पाठक, आर.पी.(2018) सर्वांग योग शिक्षा, फॉरर्वड बुक्स, दरियागंज, नई दिल्ली।

वेब लिंक
स्वयंप्रभा, स्वयं, यूट्यूब, ई.पी.जी. पाठशाला, मूक्स इत्यादि।

14. समसामयिक भारत एवं शिक्षा

(Contemporary India and Education)

कोर्स कोड = 164 | कुल क्रेडिट्स= 04

क्रियान्वयन घण्टे = 04 घण्टे/सप्ताह | कुल अंक = 100

कोर्स अधिगम परिणाम (Course Learning Outcomes)

इस कोर्स के अध्ययनोपरान्त विद्यार्थी:–

– शिक्षा की भारतीय ऐतिहासिक अवधारणाओं का परिचय दे सकेंगे।
– सामाजिक, राजनैतिक, आर्थिक परिप्रेक्ष्य में शिक्षा के विकास का समीक्षात्मक अध्ययन कर सकेंगे।
– शिक्षा के विकास में विभिन्न समितियों तथा आयोगों के योगदान का परिचय दे सकेंगे।
– स्वतत्रंता प्राप्ति के पश्चात् शिक्षा के विकास हेतु कृत कार्यों से अवगत हो सकेंगे।
– शिक्षा के विभिन्न स्तरों में व्याप्त समसामायिक समस्याओं एवं उनके समाधान हेतु किए जा रहे प्रयासों का परिचय प्राप्त कर सकेंगे।
– शिक्षा की नई चुनौतियों का समीक्षात्मक विश्लेषण एवं उनके समाधान के प्रति जागरूकता विकसित कर सकेंगे

पाठ्य–वस्तु (Content) **75 अंक**

इकाई – १ : प्रारम्भिक शिक्षा – आवश्यकता, उद्देश्य, सार्वभौमीकरण, ऑपरेशन ब्लैकबोर्ड, अपव्यय–अवरोधन तथा अन्य समस्याएं एवं समाधान, समग्र शिक्षा, सर्व शिक्षा अभियान एवं शिक्षा का अधिकार अधिनियम (२००९),राष्ट्रीय शिक्षा नीति २०२० के सन्दर्भ में प्रारम्भिक शिक्षा। पूर्व प्राथमिक शिक्षा से सम्बन्धित योजनाएं।

इकाई – २ : माध्यमिक एवं व्यावसायिक शिक्षा– (क) माध्यमिक शिक्षा की अवधारणा, महत्त्व, उद्देश्य, समस्याएं एवं समाधान, राष्ट्रीय माध्यमिक शिक्षा अभियान, माध्यमिक शिक्षा का व्यावसायीकरण, शिक्षा की भारतीय ऐतिहासिक अवधारणा के सन्दर्भ में, राष्ट्रीय शिक्षा नीति २०२० के सन्दर्भ में माध्यमिक एवं व्यावसायिक शिक्षा।

(ख) व्यावसायिक शिक्षा एवं कौशल विकास की अवधारणा, महत्त्व, उद्देश्य, समस्याएँ एवं समाधान।

इकाई – ३ : उच्च शिक्षा– अवधारणा, उद्देश्य, महत्त्व, समस्याएं एवं समाधान। उच्च शिक्षा में स्वायत्तता एवं गुणवत्ता आश्वासन। राष्ट्रीय उच्च शिक्षा अभियान, विश्वविद्यालय अनुदान आयोग की भूमिका, राष्ट्रीय शिक्षा नीति २०२० के सन्दर्भ में उच्च शिक्षा। ।

इकाई – ४ : अध्यापक शिक्षा– शिक्षक–प्रशिक्षण के विभिन्न स्तर–पूर्वसेवा एवं सेवारत शिक्षक–प्रशिक्षण में केन्द्र प्रायोजित कार्यक्रम, अध्यापक शिक्षा विश्वविद्यालय कार्यक्रम, अध्यापक शिक्षा हेतु प्रयुक्त अद्यतन उपागम, क्षमता संवर्धन के उपाय, अध्यापक शिक्षा में गुणवत्ता के नये आयाम, अध्यापक शिक्षा के उन्नयन में एन.सी.टी.ई. की भूमिका, राष्ट्रीय शिक्षा नीति २०२० के सन्दर्भ में अध्यापक शिक्षा।

इकाई – ५ : स्वातन्त्रोत्तर भारत में प्रमुख शिक्षा आयोग, मुद्दे एवं संस्तुतियाँ– स्त्री शिक्षा, अनुसूचित जाति तथा जनजाति, पिछड़ा वर्ग एवं दिव्यांगजनों की शिक्षा: अवधारणा, उद्देश्य महत्त्व, समस्याएं एवं समाधान में विभिन्न संस्थाओ की भूमिका। स्वातन्त्रोत्तर भारत में प्रमुख शिक्षा आयोग (राधाकृष्णन् आयोग १९४८, मुदालियर आयोग १९५२–५३, संस्कृत आयोग (१९५६,२०१३–१४) कोठारी आयोग १९६४–६६, राष्ट्रीय शिक्षा नीति

१९६८, राष्ट्रीय शिक्षा नीति १९८६, राममूर्ति आयोग १९९२) (उपरोक्त का संक्षिप्त परिचय), राष्ट्रीय शिक्षा नीति २०२०।

सत्रीय कार्य— निम्नलिखित में से कोई दो। **25 अंक**

१— संगोष्ठी प्रस्तुतीकरण

२—एन.सी.एफ. २००५, एन.सी.एफ. २००९, एन.सी.टी.ई., यू.जी.सी., नी.यू.ई.पा.ए., एन.सी.ई.आर.टी., एस.सी. ई.आर.टी., के कार्यों की समीक्षा

३—भारतीय शिक्षा की समस्याओं पर वाद—विवाद, समूह परिचर्चा, पैनल परिचर्चा

४—अधिगम संसाधन के रूप में पुस्तकालय/प्रयोगशाला/अन्य महत्वपूर्ण स्थलों का अध्ययन।

अध्येय ग्रन्थ—

१. पाठक, आर.पी. (2010) आधुनिक भारतीय शिक्षा समस्याएँ एवं समाधान, कनिष्का प्रकाशन, नई दिल्ली

२. लाल, रमन बिहारी (2005) भारतीय शिक्षा का इतिहास विकास एवं समस्याएं, आर.लाल बुक डिपो, मेरठ (उ.प्र.)

३. भटनागर, सुरेश (1995) आधुनिक भारतीय शिक्षा और उनकी समस्याएं, आर.लाल बुक डिपो, मेरठ (उ.प्र.)

४. शर्मा, दीपक एवं कापरी उमेश चन्द(1997) भारत में माध्यमिक शिक्षा का परिदृश्यं,आर.लाल बुक डिपो, मेरठ (उ.प्र.)

५. शर्मा, आर.ए. (1990) भारतीय शिक्षा प्रणाली का विकास, आर.लाल बुक डिपो, मेरठ (उ.प्र.)

६. वासु (१९८५) एजुकेशन इन मॉडर्न इण्डिया (ओरिएण्ड बुक कम्पनी) नई दिल्ली

७. भगवान दयाल (१९९१) द डेवलपमेंट ऑफ माडर्न इण्डियन एजूकेशन (ओरिएण्ड —लोंगमास)लंदन

८. गुप्ता, एस.पी. (२०००) भारतीय शिक्षा का इतिहास व समस्याएं, शारदा पुस्तक मंदिर, इलाहाबाद

९. कबीर हुमायूं (१९८०) एजूकेशन इन न्यू इण्डिया एशिया बुक हाउस, मुम्बई।

१०. Pathak, R.P.(2006) : Global Trends and Development of Education in Modern India, Atlantic Publishers Ansari Road, Daryagang New Delhi.

११. Pathak, R.P.(2018) : Contemporary India and Education, Kaniksha Publishers, New Delhi.

११. राष्ट्रीय शिक्षा नीति—२०२०, भारत सरकार।

ई-सामग्री

वेब लिंक, स्वयं प्रभा, स्वयं, यूट्यूब, ई.पी.जी. पाठशाला, मूक्स।

कोर्स कोड = **165** निम्नलिखित में से कोई एक

15. I समावेशी शिक्षा

(Inclusive Education)

कोर्स कोड = 165 (i) कुल क्रेडिट्स= 04
क्रियान्वयन घण्टे = 04 घण्टे/सप्ताह कुल अंक = 100

कोर्स अधिगम परिणाम (Course Learning Outcomes)

इस पत्र के अध्ययनोपरान्त विद्यार्थीः–

– समावेशी शिक्षा के आधुनिक परिप्रेक्ष्य की तार्किकता को समझ सकेंगे।
– समावेशी शिक्षा की अवधारणा को समझकर इससे सम्बन्धित संवेदनशीलता को विकसित कर सकेंगे।
– विशेष संवर्ग के बालकों की शिक्षा से सम्बन्धित आवश्यकताओं को जानकर, उनके लिए उपयुक्त शैक्षिक हस्तक्षेपों एवं नवाचारी युक्तियों का कुशलतापूर्वक अनुप्रयोग कर सकेंगे।
– राष्ट्रीय एवं अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर समोवशी शिक्षा के सन्दर्भ में चलाये जा रहे विभिन्न कार्यक्रमों तथा सम्बन्धित विशिषटता हेतु सूचना–प्रौद्योगिकी के योगदान की विभिन्न संदर्भो में व्याख्या और अनुप्रयोग कर सकेंगे।

पाठ्य–वस्तु (Content) **75 अंक**

इकाई – १ : समावेशी शिक्षा– अवधारणा, उदेश्य, तत्व, महत्त्व तथा सिद्धान्त।

इकाई – २ : समावेशी शिक्षा एवं शैक्षिक प्रावधान– UNO सबके लिए शिक्षा की वैश्विक घोषणा (1990), दिव्यांगता अधिनियम (1995), राष्ट्रीय शिक्षा नीति–2020 के अनुसार शैक्षिक प्रावधान।

इकाई – ३ : पाठ्यक्रम अनुशीलन– अवधारणा, तत्व, सिद्धान्त, उदेश्य, कक्षा प्रबन्धन, शिक्षण विधियां, संसाधित कक्ष एवं शिक्षक की भूमिका।

इकाई – ४ : समावेशी शिक्षा एवं दिव्यांग बालक– दिव्यांग बालकों का वर्गीकरण, पहचान, सूची, कार्यात्मक योग्यताओं का आकलन, सहायक सेवाएँ एवं दिव्यांग बालकों की चुनौतियाँ।

इकाई–५: सूचना एवं संप्रेषण तकनीकी, एवं स्वयेसेवी संस्थाएँ– अभिप्राय, वर्गीकरण, (राष्ट्रीय एवं अन्तर्राष्ट्रीय), सूचना संप्रेषण तकनीकी **(ICT)**–अभिप्रायः एवं दिव्यांग बालकों हेतु अनुप्रयोग।

सत्रीय कार्य : निम्नलिखित में से कोई दो – **25 अंक**

१– सुविधावंचित संवर्ग के चयनित एक छात्र का व्यष्टि अध्ययन निर्माण।
२– समावेशी शिक्षा की समस्याओं एवं चुनौतियों पर आधारित समूह परिचर्चा एवं प्रतिवेदन निर्माण।
३ –विकलांग बालकों की शिक्षा हेतु राष्ट्रीय या अन्तर्राष्ट्रीय स्तर की स्वयंसेवी संस्थाओं के प्रयासों पर आधारित दत्त कार्य।

अध्येय ग्रन्थ–

1. शर्मा आर. ए., (2005) विशिष्ट शिक्षा का प्रारूप, लायल बुक डिपो, मेरठ
2. विष्ट, आभा रानी, (1992) विशिष्ट बालक का मनोविज्ञान और शिक्षा, विनोद पुस्तक मन्दिर, आगरा ।
3. सिंह बी.बी.,(1990) विशिष्ट शिक्षा, वैशाली प्रकाशन, गोरखपुर।
4. Gary Thomas And Mark Vaughan , (2004) Inclusive Education-Reading And Reflections" Bletchley: Open University Press, paper Book And 18.99 pp 215
5. Panda K.G., (2004)Managing Behaviour Problems in child, Vikas publishing House Private Ltd., New Delhi.
6. Peshwaria R, (2004) Managing Behaviour Problems in child, Vikas publishing House Private Ltd., New Delhi.
7. India Vision, The Report of the Committee of India, Planning Commission, 2020 Govt. of India Published Academic Foundation, New Delhi.
8. Thomas G, (1997) Inclusive Schools for An Inclusive Society, British Journal of Special Education.
9. Stainback S. and stainback W, (1990) Inclusive Education, Baltimore, Paul Brokers, Publishing Company.
10. सृजित समावेशी शिक्षा by Dr. Narender Kr. Singh, Dr Samar Bahadur Singh Book Ocean Publication(2016).
11. सिंह,मदन(2019) समावेशी शिक्षा, अनु बुक्स, मेरठ।
12. मंगल, एस.के. मंगल, शुभ्रा(2019), Creative an Inclusive School PHI Learning Pvt.Ltd., New Delhi.
13.Siddiqui, Heena, Ubckysuve Education(2017), Generic Publcation. an.
14. Pathak, R.P. and Pandey Amita(2018) Foundation of Inclusive Education, Kaniksha Publishers New Delhi Part I&II.
15. पाठक, रमेश प्रसाद (2019) समावेशी शिक्षा, कनिष्का प्रकाशन, नई दिल्ली।

वेब लिंक

स्वयं प्रभा, स्वयं, यूट्यूब, ई.पी.जी. पाठशाला, मूक्स।

15. II निर्देशन एवं उपबोधन

(Guidance & Counselling)

कोर्स कोड = 165 (ii) कुल क्रेडिट्स= 04

क्रियान्वयन घण्टे = 04 घण्टे/सप्ताह कुल अंक = 100

कोर्स अधिगम परिणाम (Course Learning Outcomes)

इस पत्र के अध्ययनोपरान्त विद्यार्थीः—

— निर्देशन एवं उपबोधन के मूलभूत तत्वों का कक्षागत शिक्षण अधिगम प्रक्रिया के सम्बन्ध में बोध विकसित कर सकेंगे।

— निर्देशन की प्रक्रिया तथा विभिन्न स्तरों पर निर्देशन कार्यक्रमों के आयोजन से परिचित हो सकेंगे।

— वृत्ति के विकास सम्बन्धित विभिन्न तत्त्वों का अवबोध कर सकेंगे।

— उपबोधन सेवाओं की प्रविधियों से परिचित हो सकेंगे।

— निर्देशन एवं उपबोधन में प्रयुक्त मनोवैज्ञानिक परीक्षणों की उपादेयता एवं अनुप्रयोग की क्षमता को विकसित कर सकेंगे।

पाठ्य—वस्तु (Content) 75 अंक

इकाई — १ : निर्देशन — अवधारणा, आवश्यकता, उद्देश्य, क्षेत्र, मूलभूत सिद्धान्त, निर्देशन के प्रकार— शैक्षिक, व्यावसायिक तथा व्यक्तिगत। निर्देशन तथा परामर्श में अन्तर तथा अन्तर्सम्बन्ध। निर्देशन एवं उपबोधन की नवीन प्रवृत्तियाँ।

इकाई — २ : समूह निर्देशन तथा विभिन्न स्तरों पर निर्देशन कार्यक्रम—

समूह निर्देशन—अर्थ अवधारणा सिद्धान्त, समूह निर्देशन की प्रक्रिया। विभिन्न स्तरों (प्राथमिक, माध्यमिक तथा महाविद्यालयों) पर निर्देशन कार्यक्रम। निर्देशन कार्यक्रमों के क्रियान्वयन में अभिभावक, विद्यालय तथा समुदाय की भूमिका।

इकाई — ३ : वृत्तिक विकास एवं वृत्तिक निर्देशन —अर्थ, प्रक्रिया, महत्त्व, प्रभावित करने वाले कारक, वृत्तिक विकास में सूचनाओं का एकत्रीकरण तथा प्रसार।

वृत्तिक निर्देशन— अर्थ, आवश्यकता, महत्त्व एवं प्रविधियाँ।

इकाई — ४ : उपबोधन — अवधारणा, आवश्यकता, उद्देश्य। उपबोधन की प्रविधियां— निदेशात्मक तथा अनिदेशात्मक उपबोधन। उपबोधक की भूमिका तथा अच्छे उपबोधक के गुण।

इकाई — ५ : निर्देशन एवं उपबोधन में प्रयुक्त मनोवैज्ञानिक परीक्षण— मनोवैज्ञानिक परीक्षणों का अर्थ, आवश्यकता, विशेषताएं तथा उद्देश्य, वर्गीकरण— बुद्धि, व्यक्तित्व, रूचि, उपलब्धि तथा अभिक्षमता परीक्षण, निर्देशन एवं उपबोधन में परीक्षणों एवं परीक्षणेतर विधियों का उपयोग।

सत्रीय कार्य — निम्नलिखित में से कोई दो **25 अंक**

१— वृत्तिक विकास में सूचनाओं के स्रोतों का संकलन तथा प्रस्तुतीकरण।

२— विभिन्न स्तरों पर निर्देशन कार्यक्रमों का अवलोकन तथा प्रस्तुतीकरण।

३— स्थानन सेवाओं की कार्य प्रणाली का अवलोकन एवं प्रतिवेदन प्रस्तुत करना।

४– बुलेटिन बोर्ड बनाना।
५– विभिन्न स्तरों पर निर्देशन कार्यक्रम एवं क्रियान्वयन।

अध्येय ग्रन्थ–

1. शर्मा आर. ए., एवं चतुर्वेदी शिखा (2005) शैक्षिक एवं व्यावसायिक निर्देशन तथा परामर्श, आर. लाल बुक डिपो मेरठ (उ.प्र.)
2. भटनागर आर.पी. एवं जौहरी मन्जू (2010) शिक्षा एवं मनोविज्ञान में निर्देशन तथा परामर्श, आर. लाल बुक डिपो मेरठ (उ.प्र.)
3. परिहार, अमरजीत सिंह(2002) निर्देशन एवं परामर्श, आर. लाल बुक डिपो मेरठ (उ.प्र.)
4. शर्मा आर. ए., (2005) निर्देशन एवं परामर्श के मूल तत्व, आर. लाल बुक डिपो मेरठ (उ.प्र.)
5. पाठक, आर.पी. एवं भारद्वाज अमिता पाण्डेय (2012) पाठ्यचर्या, निर्देशन एवं तुलनात्मक शिक्षा का आधार, कनिष्का प्रकाशन, अंसारी रोड, दरियागंज,नई दिल्ली।
6. वर्मा आर.पी. एवं उपाध्याय आर.वी.,(१९९५) शैक्षिक एवं व्यावसायिक निर्देशन, विनोद पुस्तक मन्दिर आगरा
7. Jayaswal, S.R., (1995) Guidance & Counselling, Prakashan Kendra, Lucknow
8. Traxller, Arthur E. (1957) Techniques of Guidance, Harper and Brother Publishers, N.Y
9. Jones, J., (1965) Principles of Guidance, MC Graw Hill Book Co N.Y
10. Kochar, S.K. (1984) Guidance and Counselling in Collage and Universities, Sterling Publishers Pvt. Ltd,.

ई सामग्री

वेब लिंक- स्वयंप्रभा, स्वयं, यूट्यूब, ई.पी.जी. पाठशाला, मूक्स इत्यादि।

15.III जेंडर, विद्यालय एवं समाज

(Gender, School & Society)

कोर्स कोड = 165 (iii) — कुल क्रेडिट्स= 04

क्रियान्वयन घण्टे = 04 घण्टे/सप्ताह — कुल अंक = 100

कोर्स अधिगम परिणाम (Course Learning Outcomes)

इस पत्र के अध्ययनोपरान्त विद्यार्थी:–

- जेंडर अध्ययन के सम्प्रत्यय को समझ सकेंगे।
- सामाजीकरण के सन्दर्भ में जेंडर आईडेंटिटी निर्माण की प्रक्रिया को समझ सकेंगे।
- अधिगम शिक्षण प्रक्रिया में जेंडर समानता के दृष्टिगण का प्रयोग कर सकेंगे।
- जेंडर समानता के कानूनी प्रावधानों की समझ विकसित कर सकेंगे।
- जेंडर जागरूकता में महिलाओं की भूमिकाओं से अवगत हो सकेंगे।

पाठ्य–वस्तु (Content) — 75 अंक

इकाई- 1 जेंडर अध्ययन संप्रत्यय और सिद्धांत - जेंडर, लिंग रूढ़िवादिता और नारिवादिता की अवधारणा, जेंडर अध्ययन की आवश्यकता, सिद्धांत जेंडर स्कीमा सिद्धांत, संघर्ष(Conflict)सिद्धांत, प्रतीकात्मक अन्तःक्रियावाद।

इकाई-2 सामाजिकरण एवं जेंडर आईडेंटिटी - अभिप्राय, परिवार, संस्था तथा मीडिया की भूमिका, जेंडर आइडेंटिटी के मापक, रूढ़िगत लिंग आधारित भूमिकाओं का विश्लेषण

इकाई-3 जेंडर समानता तथा विद्यालय - अभिप्राय, अभिकरण, संवेदित कक्षा के मॉड्यूल- CBSE and NCERT, विद्यालय, अध्यापक, पाठ्यक्रम तथा पाठ्यपुस्तक की भूमिका, Gender Lens in Content and Pedagogy, पाठ्यपुस्तक विश्लेषण, कक्षा-कक्ष में जेंडर समानता प्रोत्साहन रणनीतियाँ, शिक्षा नीतियां

इकाई-4 जेंडर समानता एवं कानून- अवधारणा, व्यक्तिगत कानून (Personal Law), अधिनियम - पूर्व-गर्भाधान व पूर्व-नेटल निदान (नियमन व दुरुपयोग रोकथाम अधिनियम- 1994 दहेज निषेध-1961, घरेलू से -सुरक्षा-2005, ट्रांसजेंडर पर्सन (Protection of right) act-2019.

Unit-5 - **जेंडर जागरूकता एवं समाज** - स्वतन्त्रतापूर्व तथा स्वतन्त्रता- पश्चात् महिला उत्थान आन्दोलन, प्रसिद्ध महिला समाज सुधारक व चिन्तक, समकालीन परिदृश्य ।

सत्रीय कार्य – — 25 अंक

१– जेंन्डर संवेदीकृत प्रश्नावली निर्माण।

२– पाठ्यपुस्तकों की समीक्षा (६ से ८ वीं तक)

३– समाचार पत्रों के आधार पर जेंडर समानता आधारित समीक्षात्मक प्रतिवेदन।

अध्येय ग्रन्थ–

1. Alteker, A.S,(1959) Position of Women in Hindi Civilization, Motilal Banarasi dash
2. भगवानदयाल (2005) दी डेवलपमेंट ऑफ माडर्न इण्डियन एजूकेशन ओरियण्ट–लोंगमास, नई दिल्ली

3. गुप्ता, एस.पी. ,(2010) भारतीय शिक्षा का इतिहास व समस्याएं, शारदा पुस्तक मंदिर, इलाहाबाद (उ.प्रे.)
4. कबीर, हुमायूं, (2000) एजूकेशन इन न्यू इण्डिया, एशिया बुक हाउस, मुम्बई।
5. पाठक, आर.पी., (2005) एजूकेशन इन दि एमरजिंग इंडिया, अटलांटिक पब्लिशर्स, नई दिल्ली
6. सच्चिदानन्द, ए.पी.एवं देवनाथ, आर., (2010) आधुनिकशिक्षाया: विकास: नवशिक्षानीतिश्च
7. प्राथमिक शिक्षा में अभिनव प्रयोग, एन.सी.ई.आर.टी., भारत सरकार, नई दिल्ली
8. मिनिस्ट्री ऑफ एजूकेशन, रिपोर्ट ऑफ दि सेकेण्डरी एजूकेशन (2010), भारत सरकार, नई दिल्ली।
9. आर्य साधना निवेदिता मेनन, जिनी लोकनीता, नारीवादी राजनीति: संर्घष एवं मुद्दे, हिन्दी ग्रंथ अकादमी, दिल्ली विश्वविद्यालय।
10. अल्तेकर, ए.एस. (अनु) गणेशीलाल सुथार, हिन्दु सभ्यता में नारियों की स्थिति(2020) राजस्थानी ग्रंथगार, जोधपुर।
11. पाठक, आर.पी.(2018): वैदिक और आधुनिक आलोक में नारी शिक्षा, फॉरवर्ड बुक्स, दरियागंज, नई दिल्ली।

ई सामग्री

वेब लिंक स्वयं प्रभा, स्वयं, यूट्यूब, ई.पी.जी. पाठशाला, मूक्स।

15.IV कला शिक्षा

(Art Education)

कोर्स कोड = 165 (iv)
क्रियान्वयन घण्टे = 04 घण्टे/सप्ताह

कुल क्रेडिट्स= 04
कुल अंक = 100

कोर्स अधिगम परिणाम (Course Learning Outcomes)

इस पत्र के अध्ययनोपरान्त विद्यार्थीः—

— कला शिक्षा में प्रयुक्त महत्त्वपूर्ण अवधारणाओं का अवबोध कर सकेंगे।
— विभिन्न कक्षाओं के लिए इकाई योजना, पाठ योजना तथा वार्षिक योजना निर्माण करने की क्षमता का विकास कर सकेंगे।
— विद्यालय पाठ्यक्रम तथा पाठ्यपुस्तकों के समीक्षात्मक मूल्यांकन का अवबोध कर सकेंगे।
— उपलब्धि तथा निदानात्मक परीक्षणों के निर्माण, प्रशासन तथा प्रदत्त विश्लेषण में सक्षम हो सकेंगे।
— उपयुक्त दृश्य—श्रव्य सामग्रियों का निर्माण तथा कक्षा में प्रभावपूर्ण अनुप्रयोग का अवबोध कर सकेंगे।
— क्षेत्र भ्रमण **(Field Trips)** तथा प्रदर्शनियों का आयोजन कर सकेंगे।

पाठ्य—वस्तु (Content)

75 अंक

इकाई— १ : कला शिक्षा की प्रकृति, क्षेत्र तथा अवधारणा— कला शिक्षा की संरचना, आवश्यकता तथा विद्यालय पाठ्यक्रम में इसका स्थान। क्षेत्र, प्रकृति तथा कला की अवधारणा, कला का शैक्षिक मूल्य तथा अन्य विषयों से सम्बन्ध, कला तथा अन्तर्राष्ट्रीय सद्भावना, भारतीय कलाकारों का योगदान, कला तथा समाज, भारतीय लोक कथाएं, सृजनात्मक कला।

इकाई— २ : कला शिक्षण के अनुदेशनात्मक उद्देश्य तथा प्रविधि— कला शिक्षण के लक्ष्य तथा उद्देश्य, विकास की विभिन्न अवस्थाओं पर कला शिक्षण के सामान्य एवं विशिष्ट उद्देश्य, कला के माध्यम से राष्ट्रीय एकता का विकास, कला शिक्षण के सिद्धान्त, कला शिक्षण की प्रविधियां।

इकाई— ३ : अनुदेशनात्मक सहायक प्रणाली— संसाधन सामग्री, कला का प्रबन्धन तथा संगठन, कला शिक्षण में दृश्य सहायक सामग्री— श्यामपट्ट, कलात्मक वस्तुएं तथा उनका पुनर्निमाण, छायाचित्र तथा अन्य सामग्री, पाठ्य पुस्तकें, कला अध्यापक, कला कक्ष, पाठ्य सहगामी क्रियायें, प्रारम्भिक शिक्षा में सृजनात्मक गतिविध्यिों का महत्त्व, कला तथा सामाजिक रूप से उपयोगी कार्य (SUPW) लाइन, रंग, छपाई, सामग्री, कठपुतली तथा आवरण (Mask)।

इकाई— ४ : कला शिक्षण में नवाचार— दल शिक्षण **(Team Teaching)** क्षेत्र भ्रमण **(Field Trips)** सामुदायिक संसाधन संगणक, दूरदर्शन, क्लब, संग्रहालय, विषय प्रयोगशाला, आर्ट गैलरी, प्रदर्शनियां, राजस्थानी लोक कला का सर्वेक्षण, छायाचित्रों का संकलन, कला— चित्र संग्रह पुस्तिका (एलबम) प्राचीन वस्तुएं।

इकाई— ५ : कला शिक्षण की योजना तथा मूल्यांकन— मूल्यांकन की अवधरणा तथा लक्ष्य, उद्देश्य तथा प्रक्रिया आधारित मूल्यांकन। अध्यापक निर्मित परीक्षण, विभिन्न प्रकार के प्रश्नों, ब्लूप्रिन्ट तथा प्रश्नपत्र निर्माण, विषयवस्तु विश्लेषण,इकाई योजना, दैनिक पाठ योजना तथा वार्षिक योजना की तैयारी निर्माण, प्रशासन तथा मूल्यांकन।

सत्रीय कार्य—

25 अंक

१—डिजायन, प्राचीन वस्तुएं/अनोखी वस्तुओं का संग्रह
२—प्रदर्शनियों, संग्रहालयों एवं कला कक्ष आधारित प्रतिवेदन लेखन।

३–भारतीय कला संस्थानों का स्वक्षेत्रानुसार सन्दर्शन, परिचय लेखन।

४–कला– संगीत विश्वविद्यालय/महाविद्यालयों की परिचय प्राप्ति, सम्बन्धित जाल पटल द्वारा।

अध्येय ग्रन्थ–

1. राठौर, कुसुमलता(2006) कला का अध्यापन, आर.एल. बुक डिपो, मेरठ
2. Arya Jaides, Kala Ke adhyapana, Vinod Pustak Mandir, Agra.
3. Ruth Dunneth, (1945) Art and child personality, Methuen and co. ltd, London.
4. George Conard, (1964) The process of Art education in theelementary school practice hall, inc. England, Cliets No,1
5. Kiya Shikshak, (1966) Vol. No. 4, Special Number, Art Education, Published by Department of Education, Rajasthan, Bikaner.
6. AAMS, Memorandum on the teaching of Art London.

ई सामग्री

वेब लिंक- स्वयंप्रभा, स्वयं, यूट्यूब, ई.पी.जी. पाठशाला, मूक्स इत्यादि।

15. V मानवाधिकार शिक्षा

(Human Rights Education)

कोर्स कोड = 165 (v) कुल क्रेडिट्स= 04

क्रियान्वयन घण्टे = 04 घण्टे/सप्ताह कुल अंक = 100

कोर्स अधिगम परिणाम (Course Learning Outcomes)

इस पत्र के अध्ययनोपरान्त विद्यार्थी:–

– मानवाधिकारों से परिचित हो सकेंगे।
– राष्ट्रीय तथा अन्तर्राष्ट्रीय परिप्रेक्ष्य में मानवाधिकारों के प्रति संवेदनशीलता विकसित कर सकेंगे।
– सुविधा वंचित वर्गो के अधिकारों की पहचान कर सकेंगे।
– मानवाधिकारों के सन्दर्भ में राजकीय एवं राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोगों की भूमिका तथा कार्यप्रणाली से अवगत हो सकेंगे।
– मानवाधिकार के लिए कार्यरत विभिन्न संस्थाओं की भूमिका का निर्धारण कर सकेंगे।
– मानवाधिकार जागरूकता के अभिकरणों की पहचान कर उनका अनुप्रयोग कर सकेंगे।
– मानवाधिकार शिक्षा द्वारा चेतना जागृत कर सकेंगे।

पाठ्य–वस्तु (Content) **75 अंक**

इकाई – १ : मानवाधिकार शिक्षा – अवधारणा (भारतीय एवं पाश्चात्य संदर्भ में), आवश्यकता, उद्देश्य तथा मानवाधिकारों का विकास एवं वर्तमान चुनौतियाँ।

इकाई – २ : भारतीय तथा अन्तर्राष्ट्रीय परिप्रेक्ष्य में मानवाधिकार शिक्षा – मानवाधिकार सार्वभौमिक घोषणापत्र का परिचय, भारतीय संविधान में वर्णित मूलभूत अधिकार, शिक्षा का अधिकार, नीति निर्देशक सिद्धान्त, कर्त्तव्य, सामाजिक तथा आर्थिक अधिकार।

इकाई – ३ : सुविधा वंचित वर्गो के अधिकार – विकलांग, अनुसूचित जनजाति, अनुसूचित जाति एवं महिलाओं से सम्बन्धित अधिकार।

इकाई – ४ : भारत में मानवाधिकार सम्बन्धित प्रयास – राष्ट्रीय एवं राज्य स्तरीय मानवाधिकार आयोग, महिला आयोग एवं बाल आयोगों का संक्षिप्त परिचय एवं कार्यप्रणाली, मानवाधिकार दिवस का आयोजन।

इकाई – ५ : मानवाधिकार जागरूकता के अभिकरण – यू.एन.ओ., जनसंचार के माध्यम, सूचना का अधिकार, स्वयं सेवी संस्थाए एवं जनहित याचिका। विद्यालय में विधि शिक्षा– अभिप्राय, आवश्यकता, मानवाधिकार से सम्बन्ध एवं अध्यापक की भूमिका।

सत्रीय कार्य – कोई दो **25 अंक**

१– संविधान में वर्णित मानवाधिकारों के प्रति जागरूकता पर आधारित प्रस्तुतीकरण।
२– स्वयं सेवी संस्थाओं की मानवाधिकार जागरूकता में भूमिका।
३– जनसंचार माध्यमों की मानवाधिकार जागरूकता में भूमिका पर आधारित प्रस्तुतीकरण।
४– मानवाधिकार प्रतिवेदनों पर अध्ययनाधारित प्रस्तुतीकरण।
५– विषय सम्बन्धित Slogans का एकत्रीकरण तथा प्रस्तुतीकरण।
६– विषय सम्बन्धित Poster – सामग्री का एकत्रीकरण तथा प्रस्तुतीकरण।
७– विषय सम्बन्धित ई –सामग्री का एकत्रीकरण तथा प्रस्तुतीकरण।

अध्येय ग्रन्थ–

1. गुप्त नत्थूलाल, (२००५) मूल्यपरक शिक्षा और समाज, नमन प्रकाशन दिल्ली
2. मौर्या गीता, (२०११) मानव अधिकार, अनुभव पब्लिशिंग हाउस, इलाहाबाद,
3. हूडा राम निवास, (२००८) मानव अधिकार शिक्षा, के.एस. के. पब्लिशर्स एवं डिस्ट्रीब्यूटर्स, नई दिल्ली
4. पाठक, आर.पी. एवं भारद्वाज अमिता पाण्डेय (2012) भारतीय समाज में शिक्षा का उदयीमान परिदृश्य, कनिष्का प्रकाशन,नई दिल्ली।

1. शास्त्री हनीफ खान(1995) वेदों में मानव अधिकार, राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, नई दिल्ली।
2. शर्मा परमेश कुमार (2019) भारतीयपरिप्रेक्ष्य मानवाधिकारशिक्षा, फरोज प्रकाशन नई दिल्ली।
3. Kaul, Anjana, (2011) Human Rights Education, APH Publishing Corporation, New Delhi
4. Bhatt, Savita, Dalits, (2011) Tribals and Human Rights, Adhyayan, Publishers & Distributors, New Delhi.
5. Reddy. Lokanadha G.(2020) Human Right Education, Neelkamal Publication, New Delhi.

वेब लिंक- स्वयंप्रभा, स्वयं, यूट्यूब, ई.पी.जी. पाठशाला, मूक्स इत्यादि।

EPC-I
मननात्मक पठन
(Reflective Reading)

कोर्स कोड 171(i) कुल क्रेडिट्स-02

क्रियान्वयन घण्टे: 02 घण्टे/सप्ताह कुल अंक-50

कोर्स अधिगम परिणाम (Course Learning Outcomes)

इस पत्र के अध्ययनोपरान्त विद्यार्थीः–

– शैक्षिक विचारकों एवं पाठ्यपुस्तक की शैक्षिक समीक्षा/ विश्लेषण कर सकेंगे।
– MARSI प्रमापन का परिचय प्राप्त कर उसका प्रशासन कर सकेंगे।
– जीवन के अनुभवों का वर्णन कर सकेंगे।

पाठ्य–वस्तु (Content)

१. किसी भारतीय या पाश्चात्य शैक्षिक विचारक की रचना जैसे गिजुभाई बधेका–'दिवास्वप्न' की शैक्षिक समीक्षा।
२. विद्यालयीय विषय सम्बन्धित पाठ्य पुस्तक का समीक्षात्मक विश्लेषण।
३. MARSI (Metacognitive Awarenessh of Reading Strategies Inventory) का परिचय एवं प्रशासन।
४. अपने जीवन के किसी अनुभव का वर्णन करना।

प्रलेखल कार्य

- विमर्शी पठन का सैद्धान्तिक पक्ष (अंक10)
- विद्यालयीय विषय सम्बन्धी पाठ्य वस्तु का समीक्षात्मक विश्लेषण। (अंक 10)
- MARSI का परिचय (अंक 10)

निष्पादन आधरित परीक्षण–

उपरोक्त पाठ्य वस्तु से सम्बन्धित किन्ही दो गतिविधियों का निष्पादन। (10*2=20)

EPC-II
आत्मबोध एवं व्यक्तित्व विकास
(Understanding the Self and Personality Development)

कोर्स कोड 171 (ii) कुल क्रेडिट्स- 02
क्रियान्वयन घण्टे: 02 घण्टे/सप्ताह कुल अंक - 50

कोर्स अधिगम परिणाम (Course Learning Outcomes)

इस पत्र के अध्ययनोपरान्त विद्यार्थी:–

– योग के माध्यम से आत्म का बोध कर सकेंगे।
– विभिन्न आसनों के महत्व को समझ कर स्वस्थ अभिवृत्ति विकसित कर सकेंगे।
– व्यक्तित्व शील गुणों का परिचय प्राप्त कर सकेंगे।
– अन्तर्द्वन्द्व समाधान की दक्षता विकसित कर सकेंगे।
– व्यक्तित्व परीक्षणों के प्रशासन एवं प्रतिवेदन लेखन में दक्षता का विकास कर सकेंगे।

विषय वस्तु

1. अष्टांग–योग के द्वारा आत्म (Self) तथा आत्माभिव्यक्ति का विकास-(1) आत्म–समझ (2) आत्मनियंत्रण (3) आत्म प्रतिष्ठा,(4) आत्म –अभिप्रेरणा।
2. योग के द्वारा आत्म–विकास (Self-Development) (1) आसन (2) ध्यान (3) प्राणायाम (4) स्वास्थ्य–चर्चा (5) एकाग्रता।
3. अन्तर्द्वन्द्व समाधान कौशल सम्वर्द्धन–गीता में अन्द्वन्द्व समाधान, विन–विन समाधान, अर्न्तवैयक्तिक अन्तर्द्वन्द्व के उदाहरण तथा समाधान।
4. तनाव, अवसाद, आक्रामकता, अपराध प्रवृति, आत्महत्या प्रवृति, तथा क्रोध को नियंत्रित करने में योग की भूमिका, रक्षा युक्तियों का उचित प्रयोग ।
5. व्यक्तित्व आकलन हेतु परीक्षण एवं प्रतिवेदन लेखन।

निष्पादन कार्य–

उपर्युक्त गतिविधियों में (संख्या 1–4) से किन्हीं दो का छात्रों द्वारा निष्पादन आधारित परीक्षण (10*2=20)
किसी एक परीक्षण द्वारा छात्र के व्यक्तित्व गुणों का आकलन

प्रलेखन कार्य–

- विषय वस्तु सम्बन्धी–चित्र, मॉडल, रेखाचित्र, निर्माण तथा लेखन (10)
- स्वास्थ्य–जागरूकता सम्बन्धी कार्यक्रमों का प्रतिवेदन–निर्माण (10)
- व्यक्तित्व परीक्षण का प्रतिवेदन निर्माण। (10)

****